V. शोधन-सन्तुलन और विदेशी सहायता

क. सम्पूर्ण प्रवृत्ति

83. 1966–67 में व्यापारिक वस्तुओं के सम्बन्ध में जो कमी हुई, वह 1965–66 की तुलना में 11.3 करोड़ डालर कम थी। यह कमी, वस्तुओं के आयात में वृद्धि होने के बावजूद, 1967–68 की पहली छमाही में, 1966–67 की उसी अवधि की अपेक्षा 2.4 करोड़ डालर कम थी। लेकिन व्यापारिक वस्तुओं सम्बन्धी कमी में घटती होने से, अदायगी सम्बन्धी स्थिति पर पड़ने वाला दबाव कम नहीं हुआ। वस्तुतः, ऋण–परिशोधन सम्बन्धी बढ़ते हुए भार और मुक्त विदेशी मुद्रा के खर्च में, विशेषतः अन्न पर होने वाले मुक्त विदेशी मुद्रा के खर्च में वृद्धि हो जाने के कारण, शोधन-सन्तुलन सम्बन्धी स्थिति पहले की बनिस्बत बिगड़ गयी। इसके परिणाम-स्वरूप, भारत सहायता संघ के कुछ सदस्यों द्वारा ऋण में कुल मिलाकर 9.80 करोड़ डालर की छूट दिये जाने के बावजूद, विदेशी मुद्रा प्रारक्षित निधि, जो वर्ष के शुरू में 63.8 करोड़ डालर थी, घटकर नवम्बर 1967 के मध्य में 57.8 करोड़ डालर रह गयी। विदेशी मुद्रा के सम्बन्ध में लगातार कठिनाई बनी रहने के कारण अन्तर्राष्ट्रीय मुद्रा निधि का और अधिक सहारा लेना पड़ा और प्रतिपूरक वित्त-पोषण (कम्पेन्सेटरी फाइनेंसिंग) सुविधा के अन्तर्गत 1967 के अन्त तक इस संस्था से 9 करोड़ डालर की रकमें निकाली गयीं।

84. प्राथमिकता-प्राप्त उद्योगों के लिए आयात-नीति को उदार बनाने का जो क्रम 1966 में शुरू किया गया था उसके अनुसार इन उद्योगों की सारी आवश्यकताएं पूरी की गयीं, गैर-प्राथमिकता-

प्राप्त उद्योगों की जरूरतें सीमित आधार पर पूरी की जाती रहीं। आयात के सम्बन्ध में उदारता की नीति अपनाये जाने के कारण, चालू वर्ष में सामान्य रूप से धातुओं और औद्योगिक उत्पादन के काम आने वाली वस्तुओं के आयात मे काफी वृद्धि हुई; लेकिन पिछले वर्ष प्रायोजना-सहायता के लिये कम वचन मिलने, सरकारी और गैर-सरकारी निवेश में कमी होने और सम्भवतः विदेशों से मंगायी जाने वाली चीजों का उत्पादन देश के अन्दर किये जाने से, जिसे रुपये के अवमूल्यन के बाद आयात के रुपया–मूल्य में वृद्धि होने से बढ़ावा मिला था, इस वर्ष मशीनों के आयात में और भी कमी हुई।

85. 1967-68 के पहले सात महीनों में, 1966-67 की इसी अवधि की अपेक्षा, 6 प्रतिशत अधिक निर्यात हुआ। निर्यात सम्बन्धी आमदनी में यह वृद्धि ज्यादातर चाय, कृषि-पदार्थों, लोहे और इस्पात और इंजीनियरी वस्तुओं के निर्यात में वृद्धि होने के कारण हुई।

ख. आयात

86. 1966-67 में आयात का स्तर, 1965-66 के आयात के स्तर से 8.5 प्रतिशत नीचा हो गया। कुल आयात में कमी होने के साथ-साथ, आयात की जाने वाली वस्तुओं में काफी परिवर्तन हुए। पहले के वर्ष की तुलना में अन्न और रासायनिक खाद के आयात में क्रमशः 20 प्रतिशत और 45 प्रतिशत की वृद्धि हुई, लेकिन धातुओं और धातुओं से बनी वस्तुओं, मशीनों और परिवहन सम्बन्धी उपकरणों के आयात में 20 प्रतिशत की कमी हुई। अन्न और रासायनिक खाद के आयात में वृद्धि करने की आवश्यकता के बावजूद कुल आयात में जो कमी हुई, कुछ हद तक उसका कारण, 1965–66 की दूसरी छमाही में आयात-लाइसेंसों का सीमित आधार पर दिया जाना था। लेकिन, रुपये के अवमूल्यन के बाद रुपयों के रूप में आयात का खर्च बढ़ जाने से आयात की मांग के प्रभावपूर्ण ढंग से सीमित हो जाने से भी, आयात सम्बन्धी आवश्यकताएं कम हो गयीं।

87. चालू राजस्व वर्ष में अब तक किये गये कुल आयात का स्तर लगभग वही है जो पिछले वर्ष की इसी अवधि में था। लेकिन आयात के स्वरूप में अर्थात् आयात की जाने वाली वस्तुओं में काफी परिवर्तन हुए हैं। इनमें मुख्य परिवर्तन यह है कि धातुओं, रासायनिक पदार्थों, रंगने और चमड़ा कमाने के पदार्थों और कपास के आयात में बहुत वृद्धि हुई है (देखिए परिशिष्ट सारणी 6.5)। मशीनों के आयात में, पिछले वर्ष की तरह इस वर्ष भी कमी हुई।

सारणी 8

आयात : मुख्य वस्तु-समूह

(दस लाख डालरों में)

	1964–65	1965–66	1966–67	1966–67		1967–68
				अप्रैल से सितम्बर तक	अक्टूबर से मार्च तक	अप्रैल से सितम्बर तक
1. अन्न और रासायनिक खाद .	661	771	949	524	425	436
2. रूई और जूट . .	137	116	107	43	64	81
3. मशीनें और परिवहन सम्बन्धी उपकरण . .	1003	1033	760	387	373	327
4. बाकी अन्य . .	1032	1038	894	389	505	513
जोड़ . .	2833	2958	2710	1343	1367	1357

स्रोत : वाणिज्यिक सूचना और अंक-संकलन महानिदेशालय

88. अन्न, रासायनिक खाद, रूई और जूट को छोड़कर, जिनका आयात कृषि सम्बन्धी स्थिति पर निर्भर करता है, और मशीनों तथा परिवहन सम्बन्धी उपकरणों को छोड़कर, जिनका आयात मुख्यतः निवेश की गति पर आधारित होता है, अन्य वस्तुओं के आयात में, जिनमें अधिकांशतः उद्योगों में काम आने वाली वस्तुएं शामिल हैं, काफी वृद्धि हुई (देखिये सारणी 8)। ये प्रवृत्तियां, प्राथमिकता-प्राप्त क्षेत्रों के लिए उदारता से लाइसेंस देने की नीति जारी रखने का परिणाम हैं और इनसे औद्योगिक क्रियाकलाप के फिर से जोर पकड़ने का संकेत मिलता है, जिसकी अच्छी फसल होने के कारण आशा की जाती है।

89. चालू प्रवृत्तियों के आधार पर, औद्योगिक उत्पादन के काम आने वाली वस्तुओं के आयात में, पिछले वर्ष की अपेक्षा 15 प्रतिशत वृद्धि हो सकती है (वर्ष की पहली छमाही में इनका आयात 1966–67 की पहली छमाही के आयात की तुलना में, जो असामान्य रूप से कम था, लगभग 3[illegible] प्रतिशत अधिक था) । इस बात की सम्भावना है कि पूंजीगत वस्तुओं का आयात, जिसकी वित्त-व्यवस्था मुख्यतः प्रायोजना-सहायता से की जाती है, पिछले वर्ष की अपेक्षा काफी कम होगा । अनुमान है कि रासायनिक खाद और अन्न सहित कुल वस्तुओं के आयात का स्तर पिछले वर्ष की अपेक्षा 6 से 7 प्रतिशत ऊंचा होगा ।

90. तीसरी आयोजना में, लगभग 46 प्रतिशत आयात की वित्त–व्यवस्था विदेशी सहायता से की गयी। यह अनुपात 1967–68 में बढ़कर 49 प्रतिशत हो गया। अन्न को छोड़ कर उस आयात का अनुपात जिसकी वित्त-व्यवस्था सहायता से की गयी, तीसरी आयोजना में 40 प्रतिशत था और 1966–67 में 43 प्रतिशत । विदेशी मुद्रा में बाकी आयात की वित्त-व्यवस्था प्रत्येक वर्ष भारत की मुद्रा की अपनी निजी आमदनी से ऋण -परिशोधन सम्बन्धी अदायगियों की पूर्ति करने के बाद की जाती रही है ।

ग. निर्यात

91. 1965–66 में निर्यात में वृद्धि न हो सकने का मुख्य कारण, कृषि-उत्पादन में भारी कमी होना और उसके परिणामस्वरूप देश के अन्दर कीमतों में वृद्धि होना था। मुख्यतः इन्हीं कारणों से 1966–67 में निर्यात का मूल्य 1965–66 में किये गये निर्यात के मूल्य से 8 प्रतिशत कम हो गया हालांकि निर्यात में कुछ कमी अवमूल्यन के बाद सामान्य क्रियाकलाप में बाधा पड़ने के कारण हुई थी। लगातार दूसरे वर्ष भी कृषि–उत्पादन कम होने और कीमतों में भारी वृद्धि होने के कारण कृषि पदार्थों और उनसे बनने वाली वस्तुओं की भी प्रतियोगिता–क्षमता पर प्रभाव पड़ा । उन वस्तुओं के निर्यात में, जिनके सम्बन्ध में संभरण अथवा मूल्य सम्बन्धी स्थिति से कोई बाधा नहीं पड़ती थी, काफी वृद्धि हुई। उदाहरण के तौर पर मछली और चमड़े की तैयार वस्तुओं के निर्यात में क्रमशः 64 प्रतिशत और 39 प्रतिशत की वृद्धि हुई (सारणी 9) ।

92. जहां तक अन्य निर्मित वस्तुओं का संबंध है, देश की अन्दरूनी मांग कम होने और उत्पादन-क्षमता के फालतू पड़े रहने से भी 1966–67 में निर्यात सम्बन्धी बिक्री में प्रत्याशित वृद्धि नहीं हुई ; वस्तुतः इंजीनियरी की वस्तुओं और रासायनिक पदार्थों के निर्यात में इस वर्ष 10 प्रतिशत से भी अधिक कमी हुई। लेकिन लोहे और इस्पात का निर्यात एक उल्लेखनीय अपवाद है; इन वस्तुओं के निर्यात का मूल्य दुगुना हो गया । हालांकि इन घटनाओं के होने की विशेष

आशा नहीं थी फिर भी इन्हें आसानी से समझा जा सकता है । जहां तक प्रामाणिक किस्म की अधिकतर वस्तुओं का सम्बन्ध है, देश की अन्दरूनी मांग के कम होने की अवधि में इन वस्तुओं की देश के अन्दर बिक्री करने के स्थान पर इनका निर्यात करने का काम बहुत आसानी से हो जाता है । अन्य वस्तुओं के सम्बन्ध में, विदेशी मंडियों की आवश्यकताओं के अनुसार वस्तुएं और उनकी किस्म निर्धारित करने, नयी मंडियां ढूंढने और व्यापारिक सम्बन्धों में वृद्धि करने की आवश्यकता के कारण अन्दरूनी मांग के कम होने और निर्यात में वृद्धि होने के बीच अनिवार्य रूप से कुछ समय लग जाता है । वास्तव में यह बात आश्चर्यजनक नहीं है कि इंजीनियरी की वस्तुओं के निर्यात में केवल 1967–68 की पहली छमाही में वृद्धि हुई और पहले से प्राप्त आर्डरों के आधार पर उसमें और वृद्धि होने की आशा है ।

93. चालू राजस्व वर्ष की पहली छमाही में निर्यात पिछले वर्ष की इसी अवधि में किये गये निर्यात से 5 प्रतिशत से भी कुछ अधिक था हालांकि 1965–66 की इसी अवधि की अपेक्षा यह फिर भी लगभग 3 प्रतिशत कम रहा । अंशतः यह इस बात का द्योतक है कि जून और जुलाई 1966 के महीनों में निर्यात का स्तर असामान्य रूप से नीचा रहा और अंशतः हाल ही में निर्यात में वृद्धि हुई है । विशेष रूप से चाय, कहवा, तम्बाकू, कपास और इंजीनियरी की वस्तुओं के निर्यात में 20 प्रतिशत से 30 प्रतिशत तक अथवा इससे भी अधिक वृद्धि हुई है, जिससे इन वस्तुओं के निर्यात का स्तर 1965–66 के स्तर के बराबर हो गया और कुछ मामलों में उससे भी ऊंचा हो गया । लोहे और इस्पात के निर्यात में तिगुनी वृद्धि हुई है । दूसरी ओर चीनी, खनिज तेलों, नकली रेशम के कपड़े और निर्यात की परम्परागत वस्तुओं जैसे खली, काजू की गिरी, काली मिर्च और कच्ची मेंगनीज धातु के निर्यात में काफी कमी हुई है । इन प्रवृत्तियों से (देखिये सारणी 9 और चार्ट) पता चलता है कि निर्यात में वृद्धि, पिछले वर्ष की कमी की तरह अधिकांशतः पूर्ति की पहले से अच्छी स्थिति के कारण हुई । चाय, कहवा और तम्बाकू का उत्पादन पिछले वर्ष की अपेक्षा अधिक हुआ । और हालांकि पिछले मौसम में कपास का उत्पादन कम हुआ फिर भी निर्यात की जाने वाली किस्मों की कपास का उत्पादन पिछले वर्ष की अपेक्षा अधिक रहा । लोहे और इस्पात तथा इंजीनियरी की वस्तुओं के निर्यात में जो वृद्धि हुई वह देश के अन्दर व्यापारिक मंदी की स्थिति पैदा हो जाने के परिणामस्वरूप इन उद्योगों में निर्यात-योग्य अतिरिक्त वस्तुएं उपलब्ध हो जाने का परिणाम है । इन वस्तुओं के निर्यात को बढ़ावा देने में सरकार और उद्योग द्वारा किये गये प्रयत्नों का भी महत्वपूर्ण भाग रहा है ।

मुख्य वस्तुओं का निर्यात

(दस लाख डालरों में)

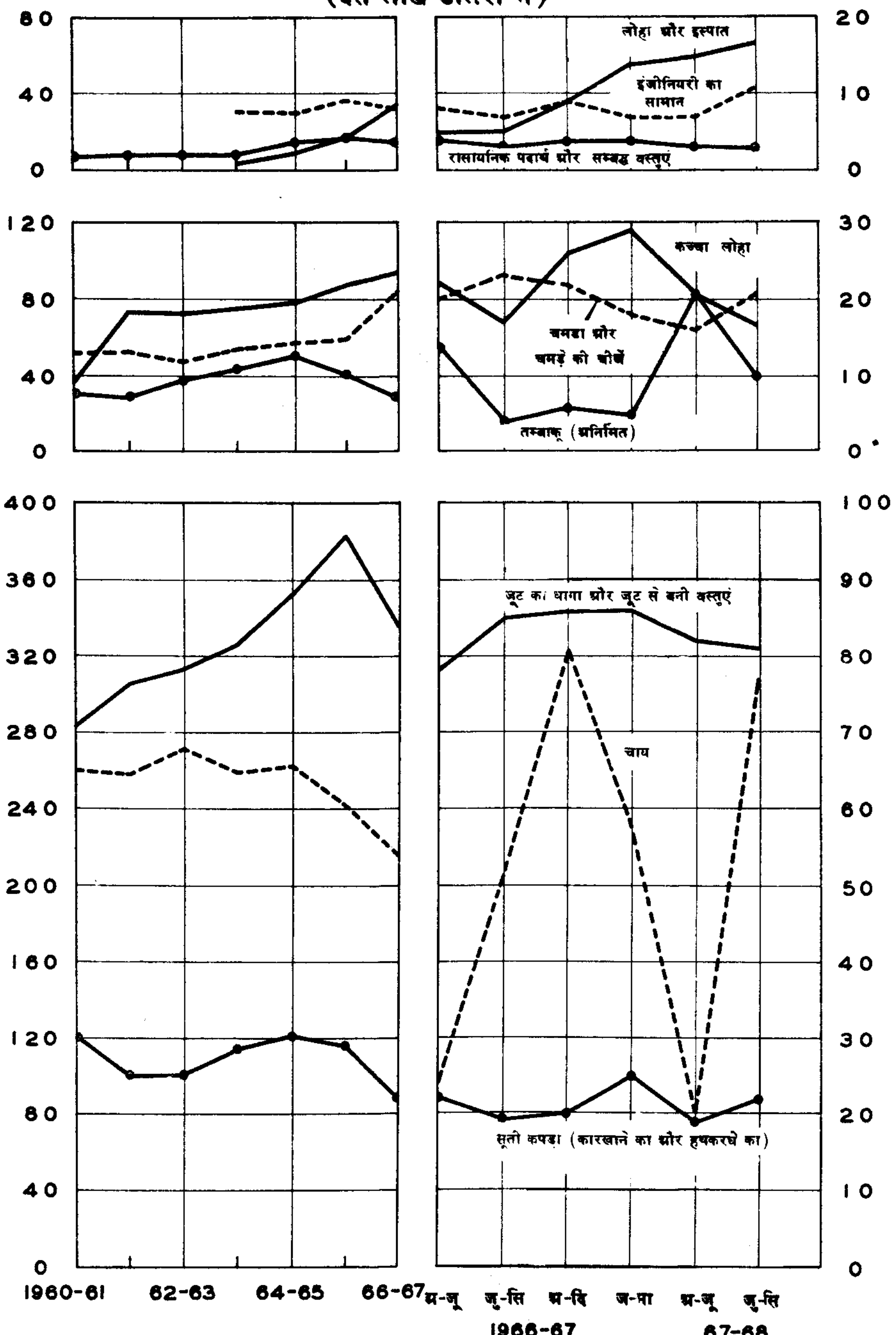

वित्त मंत्रालय, अर्थ प्रभाग

सारणी 9

मुख्य निर्यात की प्रवृत्ति

वस्तु	कुल निर्यात का प्रतिशत 1966–67	परिमाण में प्रतिशत परिवर्तन: 1965–66 से 1966-67 तक	परिमाण में प्रतिशत परिवर्तन: अप्रैल-सितम्बर, 1966 से अप्रैल-सितम्बर 1967 तक	मूल्य में प्रतिशत परिवर्तन: 1965–66 से 1966–67 तक	मूल्य में प्रतिशत परिवर्तन: अप्रैल-सितम्बर, 1966 से अप्रैल-सितम्बर, 1967 तक	एकक मूल्य में प्रतिशत परिवर्तन: 1965–66 से 1966-67 तक	एकक मूल्य में प्रतिशत परिवर्तन: अप्रैल-सितम्बर 1966 से अप्रैल-सितम्बर 1967 तक
1	2	3	4	5	6	7	8
1. जूट से बनी वस्तुएं . . .	21.5	−18.3	11.0	−12.8	0.5	6.7	−9.4
2. चाय . . .	13.8	−3.6	19.7	−11.0	29.1	−7.4	8.0
3. सूती कपड़ा . . .	4.9	−20.8	−6.3	−25.6	1.2	−6.0	7.9
4. खली . . .	4.3	−0.8	−19.2	−7.3	−18.6	− 6.5	0.7
5. काजू की गिरी . . .	3.9	−2.0	परि० नहीं	6.6	−11.8	8.8	−12.1
6. तम्बाकू (अनिर्मित) . . .	1.9	−33.3	71.4	−29.7	76.8	5.6	3.6
7. खालें . . .	1.4	—	—	6.3	−33.0	—	—
8. कहवा . . .	1.4	परि० नहीं	53.3	−21.3	29.1	−21.9	−15.7
9. चीनी . . .	1.4	41.0	−47.6	परि० नहीं	−33.1	−29.1	27.6
10. काली मिर्च . . .	1.1	−15.4	परि० नहीं	−27.0	−18.8	−14.4	−18.8
11. कपास . . .	1.0	−8.3	56.2	−22.6	30.1	−15.5	−16.7

परि० नहीं अर्थात् परिवर्तन नहीं

1	2	3	4	5	6	7	8
12. कच्चा लोहा . . .	6.0	8.3	परि० नहीं	5.9	−2.3	−2.3	−2.3
13. कच्चा मैंगनीज . . .	1.2	−4.7	−27.1	−15.9	−33.3	−11.5	−8.2
14. अबरक . . .	1.2	−55.8	18.2	−19.4	18.1	83.6	परि० नहीं
15. चमड़े की चीजें . . .	5.3	—	—	38.8	−14.2	—	—
16. लोहा और इस्पात . . .	2.1	—	—	92.4	232.6	—	—
17. इंजीनियरी की वस्तुएं . . .	2.0	—	—	−11.8	21.1	—	—
18. मछली . . .	1.5	33.3	−10.0	63.6	3.6	23.2	15.3
19. जूते . . .	0.8	19.8	−35.0	8.2	−18.4	−10.4	26.2
कुल निर्यात . . (अन्य वस्तुओं सहित)	100.0	—	—	−8.0	5.2	—	—

परि० नहीं अर्थात् परिवर्तन नहीं

94. पिछले वर्ष देखा गया था कि 1966–67 में भारत के निर्यात के एकक–मूल्यों में भारी कमी हुई है। चालू वर्ष की प्रवृत्तियां मिलीजुली रही हैं। चाय के मूल्यों में वृद्धि हुई है और इनमें अप्रैल से सितम्बर 1967 तक की अवधि में, पिछले वर्ष की इसी अवधि की अपेक्षा 8 प्रतिशत वृद्धि हुई। चीनी के मूल्यों में भी वृद्धि हुई। दूसरी ओर, काजू की गिरी के एकक–मूल्यों में, जिनमें पिछले वर्ष वृद्धि हुई थी, चालू वर्ष में कमी हुई है। खालों और कच्ची मेंगनीज के एकक–मूल्यों में और अधिक कमी हुई।

95. यह बात ध्यान देने योग्य है कि 1967 के पहले नौ महीनों में ब्रिटेन के चाय के आयात के मूल्य में कमी हुई और ब्रिटेन की मंडी में भारत का भाग 40.2 प्रतिशत से घट कर 39.1 प्रतिशत रह गया। लेकिन ब्रिटेन की कुल मांग में कमी होने के बावजूद, श्रीलंका के कुल निर्यात में वृद्धि हुई और उसका भाग 34.7 प्रतिशत से बढ़कर 39.5 प्रतिशत हो गया। चाय के निर्यात में हाल में जो सुधार हुआ है उसका मुख्य कारण चालू वर्ष में श्रीलंका और पूर्वी अफ्रीका में फसलों का खराब होना और मूल्यों में वृद्धि होना है।

96. चालू वर्ष में जूट से बनी वस्तुओं का निर्यात अपेक्षाकृत अधिक मात्रा में किया गया हालांकि उसके मूल्य में थोड़ी सी ही वृद्धि हुई। 1967 के पहले छः महीनों में संयुक्त राज्य अमेरिका की मंडियों में हेसियन का कुल आयात पहले की अपेक्षा अधिक हुआ लेकिन इसमें भारत का हिस्सा 82 प्रतिशत से घट कर 80.5 प्रतिशत रह गया। दूसरी ओर पाकिस्तान का हिस्सा 23.5 प्रतिशत से बढ़ कर 24.3 प्रतिशत हो गया। हेसियन की कीमतों में भी पिछले वर्ष की अपेक्षा कमी हुई है। बोरियों के एकक मूल्य में भी बहुत कमी हुई है हालांकि फसलों के चालू मौसम में देश के अन्दर कच्चे जूट की पूर्ति की स्थिति पिछले वर्ष की अपेक्षा अच्छी है और कच्चे जूट की कीमतों में भारी गिरावट आयी है और वे लगभग आधार–मूल्यों के स्तर पर पहुंच गयी हैं; फिर भी जूट उद्योग को पाकिस्तान के साथ भारी प्रतियोगिता का सामना करना पड़ रहा है; पाकिस्तान ने हाल ही में निर्यात के लिए दी जाने वाली सहायता में बोनस–वाउचरों के जरिये वृद्धि कर दी है।

97. सूती कपड़े के निर्यात में 1966-67 में काफी कमी हुई है। कपड़े (मिल से बने कपड़े) के निर्यात की मात्रा में चालू वर्ष की पहली छमाही में 5 प्रतिशत और कमी हुई है हालांकि औसत एकक-मूल्यों में काफी वृद्धि हुई है।

98. इस वर्ष परम्परागत वस्तुओं से भिन्न वस्तुओं के निर्यात को बढ़ावा देने के काम में काफी प्रगति हुई। कच्चे लोहे के निर्यात का, जो लम्बी अवधि के कार्यक्रम के अनुसार किया जाता है, स्तर पिछले वर्ष के स्तर के बराबर रहा। चालू राजस्व वर्ष की पहली छमाही में लगभग 3.2 करोड़ डालर के लोहे और इस्पात का निर्यात किया गया जबकि 1966–67

की पहली छमाही में 1 करोड़ डालर के लोहे और इस्पात का निर्यात किया गया था। इसी प्रकार इस अवधि में पिछली अवधि की 1.5 करोड़ डालर की इंजीनियरी–वस्तुओं की तुलना में 1.8 करोड़ डालर की वस्तुओं का निर्यात किया गया। इस समय विभिन्न वस्तुओं का निर्यात किया जा रहा है, जिनमें प्रेषण लाइनों के बुर्ज (ट्रांसमिशन लाइन टावर), एल्यूमिनियम कंडक्टर, केबुल और तार और बिजली के अन्य उपकरण, रेलों का सामान, इस्पात के ढले हुए नल (पाइप और ट्यूब) आदि शामिल हैं।

99. हाल में रेल के डिब्बों, बिजली के उपकरणों, इस्पात से बनी वस्तुओं जैसे इंजीनियरी सम्बन्धी सामान के कई निर्यातकों को काफी आर्डर मिले हैं, जो 1967 के अन्त तक और 1968 में पूरे किये जायंगे। कुल मिलाकर इन आर्डरों का मूल्य 420 लाख डालर बैठता है और इनसे काफी विदेशी मुद्रा प्राप्त हो सकती है। यहां यह स्पष्ट करना आवश्यक है कि भारतीय फर्मों ने इनमें से कुछ ठेके विश्व स्तर की खुली प्रतियोगिता में प्राप्त किये हैं। कोरिया गणराज्य को रेल के डिब्बे सप्लाई करने का जो बड़ा ठेका मिला है — जिसकी वित्त–व्यवस्था अन्तर्राष्ट्रीय विकास संघ से मिलने वाले ऋण से की जायगी—ऐसा ही एक उदाहरण है। इसके अलावा बिजली के उपकरण तैयार करने वाली भारतीय फर्मों के एक संघ ने 1967 के अन्त में दुनिया भर के देशों से मांगे गये टेण्डरों में से कई टेण्डरों के सम्बन्ध में अपने मूल्य सूचित किये। इन टेण्डरों के परिणामों का अभी पता नहीं चला है। इन प्रयत्नों से प्रकट होता है कि भारतीय उद्योग दुनिया के बाजारों की सम्भावनाओं की खोज बड़ी तत्परता से कर रहे हैं।

100. इन अनुकूल प्रवृत्तियों के बावजूद, चालू वर्ष में किया गया कुल निर्यात, सम्भवतः 1964–65 में किये गये निर्यात (तत्कालीन विनिमय दर के अनुसार लगभग 800 करोड़ रुपया) से अधिक नहीं होगा। दूसरे शब्दों में, 1967–68 को समाप्त होने वाले पांच वर्षों में निर्यात से हुई आमदनी पहले जितनी ही रही, जबकि इसके विपरीत, तीसरी आयोजना के शुरू के वर्षों में इसमें वृद्धि हुई थी।

101. चालू वर्ष में कृषि सम्बन्धी स्थिति में सुधार होने से, 1968–69 में निर्यात में वृद्धि होने की सम्भावना दिखायी देती है। जैसा कि पहले बताया जा चुका है निर्यात में वृद्धि होने की प्रवृत्ति दिखायी दे रही है। चाय और जूट से बनी वस्तुओं के निर्यात में वृद्धि होने की सम्भावना है। मूंगफली की पैदावार अधिक होने से निर्यात के लिए एच० पी० एस० मूंगफली का कोटा दिया जा सका है। खली, कपास, तम्बाकू आदि के निर्यात का स्तर बढ़ेगा। निर्यात की जा सकने वाली वस्तुओं की अतिरिक्त (सर्प्लस) मात्रा को और अधिक बढ़ाने और उन अतिरिक्त वस्तुओं के लिए बाजार ढूंढने की कोशिशें जारी रखनी पड़ेंगी। चालू वर्ष में निर्यात में 6 प्रतिशत वृद्धि होने का अनुमान है और संभवतः निर्यात में अगले वर्ष भी यदि इस से कुछ अधिक अनुपात में नहीं तो इसी अनुपात में वृद्धि होगी।

घ. निर्यात संवर्धन नीतियां

102. स्थायित्व और निश्चितता निर्यात–संवर्धन नीतियों के दो अत्यावश्यक तत्व हैं। इसके साथ ही घरेलू और विदेशी मंडियों की बदलती हुई परिस्थितियों को देखते हुए निर्यात-उद्योगों की जरूरतों पर ध्यान रखना आवश्यक है। 1966 में रुपये के अवमूल्यन के साथ–साथ निर्यात को बढ़ावा देने की नीतियों में बड़े–बड़े परिवर्तन किये गये। तभी से सरकार का उद्देश्य यह रहा है कि उस समय दिये गये प्रोत्साहनों के ढांचे को बनाये रखा जाय और उसमें कम से कम और आवश्यक परिवर्तन किये जायं।

103. इस वर्ष निर्यात–संवर्धन नीतियों में जो परिवर्तन किये गये उनमें से कुछ ये हैं: नकद सहायता में वृद्धि, निर्यात के लिए ऋण–व्यवस्था को सुदृढ़ बनाना, कुछ चुनी हुई निर्यातयोग्य वस्तुओं के लिए अन्तर्राष्ट्रीय मूल्य पर देशी कच्चे माल की व्यवस्था करना और निर्यात शुल्कों में घट बढ़ करना।

104. लोहे और इस्पात, इंजीनियरी की वस्तुओं और रासायनिक पदार्थों तथा कुछ अन्य वस्तुओं के सम्बन्ध में, जिनमें प्लास्टिक का सामान, कागज से बनी चीजें और खेलों का सामान शामिल हैं, उनके निर्यात के "जहाज तक निःशुल्क" मूल्य के 10 से 20 प्रतिशत तक की दर से नकद सहायता दी जाती थी। चीनी के निर्यात के लिए भी नकद सहायता दी जाती थी। इस वर्ष कई वस्तुओंके सम्बन्ध में दी जाने वाली सहायता की दरें भी बढ़ा दी गयीं। उन वस्तुओं की एक अलग श्रेणी बनायी गयी, जिन्हें 25 प्रतिशत तक सहायता दी जा सकती थी; इस श्रेणी में बिजली से चलने वाले पम्प, बाइसिकलें और उनके हिस्से और इस्पात की बनी विभिन्न चीजें शामिल की गयीं। बहुत सी नयी वस्तुओं जैसे डीजल से चलने वाले पम्पों, बिजली के केबुलों, विभिन्न रासायनिक पदार्थों, परिरक्षित खाद्य पदार्थों आदि को पहली बार सहायता पाने योग्य वस्तुओं में शामिल किया गया। इस समय कुल निर्यात के 11 प्रतिशत भाग के सम्बन्ध में नकद सहायता दी जाती है जबकि इसकी तुलना में 1966–67 में यह प्रतिशत 8.3 था। 1966–67 में निर्यात के सम्बन्ध में 247 लाख रुपये की नकद सहायता दी गयी जबकि उसके बाद के राजस्व वर्ष में नवम्बर 1967 तक 650 लाख रुपये की राजसहायता दी गयी।

105. रुपये के अवमूल्यन के बाद निर्यात की उन कई परम्परागत वस्तुओं पर, जिनकी मांग विदेशों में गैर–लचीली थी या जिनकी सप्लाई की स्थिति लचीली नहीं थी या जिन पर ये दोनों बातें लागू होती थीं, निर्यात–शुल्क लगाये गये। निर्यात-शुल्क लगाने का मुख्य उद्देश्य व्यापारिक शर्तों की रक्षा करना और विदेशी कीमतों की ऐसी गिरावट के कारण होने वाली विदेशी मुद्रा की हानि से बचना था, जो निर्यात की वृद्धि के बराबर न हो। लेकिन जैसा कि नकद सहायता के मामले में किया जाता है, मंडियों की स्थिति पर निगाह रखी गयी और वर्ष के दौरान निर्यात-शुल्कों में कुछ कमी करना जरूरी हो गया। 1967-68 के बजट में हेसियन

बोरियों (सैकिंग) और जूट से बनी अन्य चीजों के निर्यात-शुल्क में कमी की गयी। चाय के उत्पादन-शुल्क में वृद्धि करने के साथ-साथ, निर्यात-शुल्क में 24 पैसे प्रति किलो की कमी की गयी और निर्यात-शुल्कों के ढांचे को युक्तिसंगत बनाया गया। वर्ष के दौरान अन्य वस्तुओं के निर्यात शुल्कों में विशेषतः कच्चे लोहे और कच्चे मेंगनीज पर लगे शुल्कों में भी कमी की गयी। इस समय जिन वस्तुओं के निर्यात पर शुल्क लगता है, वे निर्यात की जाने वाली कुल वस्तुओं का 60 प्रतिशत हैं।

106. और भी हाल में सरकार ने भारत की निर्यात की जाने वाली वस्तुओं की अन्तर्राष्ट्रीय मांग और उनके मूल्यों की, जिन पर पौंड—स्टर्लिंग के अवमूल्यन और उसके बाद अन्य देशों द्वारा की गयी कार्रवाई का भी प्रभाव पड़ा है, हाल की प्रवृत्तियों की समीक्षा करने के बाद निर्यात-शुल्कों में और भी कमी करने की घोषणा की है। बोरियों और हेसियन के निर्यात-शुल्क में काफी कमी कर दी गयी है—बोरियों के निर्यात-शुल्क को 750 रुपये प्रति मेट्रिक टन से घटा कर 500 रुपया प्रति मेट्रिक टन और हेसियन के निर्यात-शुल्क को 450 रुपया प्रति मेट्रिक टन से घटा कर 250 रुपये प्रति मेट्रिक टन कर दिया गया है और जूट से बनी विशेष वस्तुओं का उत्पादन-शुल्क हटा दिया गया है। नारियल के रेशे के धागे का उत्पादन-शुल्क कम कर दिया गया है; और नारियल के रेशे से बनी वस्तुओं और कमायी हुई खालों की तथा तैयार चमड़े की कुछ श्रेणियों को निर्यात शुल्क से मुक्त कर दिया गया है। इन उपायों से इन वस्तुओं के निर्यात को बढ़ावा मिलने की सम्भावना है। कुल मिलाकर, ये वस्तुएं निर्यात की जाने वाली उन वस्तुओं का, जिन पर निर्यात-शुल्क लगता है, दो-तिहाई भाग हैं और निर्यात की जाने वाली कुल वस्तुओं का 40 प्रतिशत भाग हैं।

107. इस वर्ष निर्यात के लिए ऋण देने की व्यवस्था को सुदृढ़ करने के महत्वपूर्ण उपाय किये गये। रिजर्व बैंक ने बैंकों को हिदायत दी कि वे ऋण में कमी करते समय निर्यातकों को दिये जाने वाले ऋण में कमी न करें। अगस्त 1967 में रिजर्व बैंक ने इंजीनियरी और धातुकर्मक वस्तुओं के निर्यातकों को वाणिज्यिक बैंकों द्वारा जहाज पर लदान से पहले दिये जाने वाले ऋण की पुनर्वित-व्यवस्था के लिए $4\frac{1}{2}$ प्रतिशत बट्टे की तरजीही दर निर्धारित की। इसके साथ ही बैंकों के लिए यह जरूरी था कि वे इस प्रकार के ऋण के लिए 6 प्रतिशत से अधिक ब्याज न लें। यह व्यवस्था की गयी कि पुनर्वित्त-व्यवस्था का लाभ चाहे किसी बैंक द्वारा ही क्यों न उठाया जाय, 6 प्रतिशत की अधिकतम दर तब भी लागू होगी। जहां तक अन्य वस्तुओं के निर्यातकों को जहाज पर माल के लदान से पहले दिये जाने वाले ऋण और जहाज पर माल के लदान के बाद की मुद्दती हुंडियों का सम्बन्ध है, विदेशी मुद्रा की हुंडियों सहित पुनर्वित्त की सुविधा की व्यवस्था 6 प्रतिशत की दर से की गयी और बैंकों से कहा गया कि वे इस प्रकार के ऋणों के लिए 8 प्रतिशत से अधिक ब्याज न लें। इन परिवर्तनों के परिणामस्वरूप निर्यातकों के लिए ऋण के खर्च में कमी हो गयी। चूंकि रिजर्व बैंक द्वारा पुनर्वित्त इस सुविधा की मांग करने वाले बैंक को उसकी नकदी और नकदी जैसी अन्य परिसम्पत्तियों की वास्तविक स्थिति का ध्यान रखे बिना ही दिया

जाता है, इसलिए इसके साथ-साथ ऋणों की उपलब्धि उदारता से होने लगी । इसके अलावा, चूंकि पहले की किसी निर्दिष्ट आधार-अवधि की तुलना में इस प्रकार के पुनर्वित्त की वृद्धि को नकदी और नकदी जैसी वास्तविक परिसम्पत्ति की सीमा में कमी करने के लिए हिसाब में नहीं लिया जाना था, इसलिए अर्थ-व्यवस्था के अन्य क्षेत्रों को मिलने वाले ऋणों की उपेक्षा करके निर्यात के लिए दिये जाने वाले ऋणों में वृद्धि नहीं की जायगी ।

108. निर्यात के लिए दरमियानी अवधि के ऋणों की सुविधा की व्यवस्था करने के काम को और भी आगे बढ़ाया गया । भारतीय औद्योगिक विकास बैंक उत्पादक वस्तुओं और पूंजीगत वस्तुओं के निर्यात के लिए दरमियानी अवधि के ऋण इस शर्त पर दिया करता था कि ऋणों की अवधि 5 वर्ष से अधिक न हो । अगस्त 1967 में इस सुविधा को और भी उदार बनाया गया । पूंजीगत वस्तुओं के सम्बन्ध में उपयुक्त मामलों में अधिकतम अवधि को बढ़ा कर 7 वर्ष और असामान्य रूप से उपयुक्त मामलों में अधिकतम अवधि को बढ़ा कर 10 वर्ष कर दिया गया । उत्पादक वस्तुओं के लिए दिये जाने वाले ऋण की अधिकतम अवधि 5 वर्ष ही रही, हालांकि इस बात की व्यवस्था की गयी कि जरूरत पड़ने पर, जैसे कि उन मामलों में, जहां उपकरणों की पूर्ति किसी बड़ी प्रायोजना को क्रियान्वित करने के पूरे ठेके का एक भाग हो, अवधि को बढ़ाया जा सकता है । इस सुविधा की सीमा और भी बढ़ा दी गयी ताकि विदेशों में भारतीय प्रतिष्ठानों द्वारा भारतीय उपकरणों, माल और सेवाओं आदि की सहायता से क्रियान्वित की जाने वाली प्रायोजनाओं के कुल निर्माण-व्यय की वित्त-व्यवस्था करने के सम्बन्ध में भी यह सुविधा दी जा सके । दरमियानी अवधि के ऋणों के ब्याज की दरों के ढांचे को युक्तिसंगत बना कर $4\frac{1}{2}$ प्रतिशत की समान दर की व्यवस्था की गयी लेकिन यह दर औद्योगिक विकास बैंक से पुनर्वित्त मांगने वाली वित्त-व्यवस्था करने वाली उन संस्थाओं के लिए थी, जो निर्यातकों से स्वयं 6 प्रतिशत से अधिक ब्याज न लें ।

109. इन उपायों का महत्व यहीं तक है कि इनसे बाजार की ब्याज की दरों की अपेक्षा काफी कम दरों पर ऋणों की व्यवस्था होती है और ऐसी परिस्थितियों का निर्माण होता है जिनमें पूंजीगत वस्तुओं के निर्यात में पर्याप्त धन के अभाव में बाधा नहीं पड़ती ।

ङ—विदेशी सहायता और ऋण-परिशोधन सम्बन्धी भार

110. विदेशी सहायता के नये वचनों में, जिनमें 1966–67 में वृद्धि हुई थी, चालू वर्ष में काफी कमी हुई थी । इसका कुछ कारण यह है कि सोवियत समाजवादी जनतंत्र संघ और पूर्वी यूरोप के अन्य देशों ने 1966–67 में जो वचन दिये थे वे, उस समय परिकल्पित, चौथी पंचवर्षीय आयोजना की पूरी अवधि के लिए थे । पूर्वी यूरोप से केवल बल्गारिया से 11 करोड़ रुपये (150 लाख डालर) का एक नया वचन मिला । सहायता के लिए नयी मंजूरियों में कमी होने का कुछ कारण चालू वर्ष में संयुक्त राज्य अमेरिका द्वारा दी जाने वाली कुल सहायता में कटौती होना और उसके परिणामस्वरूप भारत के लिए सहायता की मंजूरियां देने में देर होना है; अभी तक अपेक्षाकृत

छोटी-छोटी रकमों को छोड़ कर ये मंजूरियां नहीं दी गयीं । एक और बड़ा कारण यह था कि अन्तर्राष्ट्रीय विकास संघ की निधियों के पुनर्भरण (रीप्लेनिशमेंट) में देर होने के कारण इस संस्था से सहायता का कोई नया वचन नहीं मिला । भारत सहायता संघ (एड इंडिया कंसार्शियम) ने 1967–68 में भारत को सहायता देने के लिए, जिसमें अन्न-सहायता भी शामिल है, 130 करोड़ डालर का लक्ष्य निर्धारित करने का संकेत दिया था । अन्न सम्बन्धी सहायता सहित कुल 90 करोड़ डालर की सहायता प्राप्त होने का अनुमान था जिसमें से अब तक कुल मिलाकर 30.3 करोड़ रुपये की सहायता की मंजूरियां दी गयी हैं । इसके अतिरिक्त विश्व बैंक ने रिजर्व बैंक के पास 4.8 करोड़ डालर की रकम चालू वर्ष में उसे चुकायी जाने वाली मूलधन की रकम के स्थान पर जमा करा दी है । इस रकम से ऋणों के सम्बन्ध में अस्थायी राहत प्राप्त हुई है ।

111. इसके अलावा, सहायता संघ के सदस्यों ने प्रायोजनाओं के लिए 7 करोड़ डालर के उधार की मंजूरी दी है; इसकी तुलना में 1966–67 में 23.4 करोड़ डालर की मंजूरी दी गयी थी ।

112. 1966–67 में विदेशी सहायता के भुगतान में मुख्यतः इस कारण कमी हो गयी थी कि 1965–66 में नये वचन कम दिये गये थे । सहायता के उपयोग में अनुमान से कम वृद्धि होने का एक कारण उस सहायता की मंजूरियों में चालू वर्ष में काफी कमी होना भी था । जिसका कुछ भाग संयुक्त अमेरिका राज्य द्वारा यह संकेत देने के बाद कि वह कितनी सहायता का वचन दे सकेगा और अन्तर्राष्ट्रीय विकास संघ की निधियों का पुनर्भरण हो जाने के बाद वर्ष के बाकी हिस्से के लिए पूरा कर दिया जायगा (सारणी 10)। चालू वर्ष में औद्योगिक क्रियाकलाप में शिथिलता आने और निवेश में कमी हो जाने के कारण प्रायोजना सम्बन्धी सहायता का उपयोग कम हुआ है । सम्भरक ऋणों की किस्म के ऋणों के सम्बन्ध में गैर-प्रायोजना सहायता में से बहुत कम रकमों का भुगतान किया गया । ब्रिटेन, कनाडा, जापान, पश्चिम जर्मनी और आस्ट्रिया द्वारा ऋण-परिशोधन के सम्बन्ध में दी गयी राहत के कारण नये दायित्वों के सम्बन्ध में, अन्य गैर-प्रायोजना सहायता का उपयोग अपेक्षाकृत अधिक तेजी से किया जा सका । विश्व बैंक द्वारा दी गयी अंतरिम राहत को मिला कर ऋण-परिशोधन के सम्बन्ध में अब तक दी गयी कुल राहत, 9.8 करोड़ डालर है, जबकि इसकी तुलना में, चालू वर्ष में ऋण-परिशोधन के सम्बन्ध में की जाने वाली अदायगियों का अनुमान 35 करोड़ डालर है, जिसमें वस्तुओं के निर्यात द्वारा या रुपयों के रूप में चुकाया जाने वाला ऋण शामिल नहीं है ।

सारणी 10

विदेशी सहायता की प्राप्ति—कुल और शुद्ध

(दस लाख डालरों में)

मद	1961-62	1962-63	1963-64	1964-65	1965-66	तीसरी आयोजना की कुल अवधि	1966-67	1966-67 (अप्रैल-सितम्बर)	1967-68 (अप्रैल-सितम्बर)
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
1. कुल सहायता का भुगतान, जिसमें से अन्न	**711**	**933**	**1239**	**1519**	**1623**	**6025**	**1474**	**697**	**760**
(i) पी०एल० 480/665	185	258	389	458	502	1792	480	264	196
(ii) गेहूं सम्बन्धी अनुदान और विशेष अन्न सहायता	7	—	1	8	16	32	93	14	52
जोड़ (i+ii)	192	258	390	466	518	1824	573	278	248
2. ऋण-परिशोधन	145	100	129	147	124	645	183	92	104
3. ब्याज सम्बन्धी अदायगियां	70	68	113	107	138	496	135	63	82

(दस लाख डालरों में)

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
4. ऋण सम्बन्धी कुल परिशोधन (2+3)	215	168	242	254	262	1141	318	155	186
5. सहायता की शुद्ध प्राप्ति (1–4)	496	765	997	1265	1361	4884	1156	542	574
अन्न सम्बन्धी सहायता को छोड़ कर सहायता की शुद्ध प्राप्ति	(304)	(507)	(607)	(799)	(843)	(3060)	(583)	(264)	(326)

टिप्पणियां 1. कुल सहायता में विदेशी मुद्रा में चुकाये जाने वाले ऋण, रुपयों में चुकाये जाने वाले ऋण, अनुदान और पी० एल० 480 सम्बन्धी सहायता शामिल है।

2. ऋण-परिशोधन सम्बन्धी अदायगियों का सम्बन्ध विदेशी मुद्रा में की जाने वाली अदायगियों से है।

3. कुवैत और बहरीन के साथ हुए लेन-देन शामिल नहीं है।

113. वर्ष के प्रारम्भ में भारत सहायता संघ के सदस्यों ने अन्न सम्बन्धी सहायता के एक लक्ष्य का संकेत दिया था और कहा था कि यह भारत द्वारा वर्ष के दौरान एक करोड़ मेट्रिक टन अन्न का आयात करने के लिए काफी होगा। पर, वास्तव में 1967 में लगभग 90 लाख मेट्रिक टन अन्न का आयात किया गया और इसमें से भी 15 लाख मेट्रिक टन अन्न भारत द्वारा अपने साधनों से खरीदा गया। पी० एल० 480 के अन्तर्गत दिये जाने वाले अन्न की जहाजों द्वारा ढुलाई के लिए भी मुक्त विदेशी मुद्रा खर्च करनी पड़ी। 1967 में आयात किये गये कुल अन्न का अनुमानित मूल्य 530 करोड़ रुपये है। इसमें से 340 करोड़ रुपये की रकम की व्यवस्था अन्न सम्बन्धी सहायता से की गयी है और बाकी रकम भारत के अपने साधनों से चुकायी जानी है।

114. सहायता सम्बन्धी साधनों को इस प्रकार जुटाना कि उससे शोधन संतुलन पर पड़ने वाला दबाव कम हो जाय, ऐसा विषय है जिसका बराबर ध्यान रखना होगा। 1966–67 में ऋण-परिशोधन (डेट सर्विस) के सम्बन्ध में अधिक अदायगियां की गयी थीं, और वे पहले के वर्ष के मुकाबले बहुत अधिक थीं। चालू वर्ष में ऋण-परिशोधन (डेट सर्विस) सम्बन्धी अदायगियों में और अधिक वृद्धि हो गयी है और अन्न के आयात के लिए धन की व्यवस्था करने का अतिरिक्त बोझ भी आ पड़ा है। इन दो प्रयोजनों के लिए आवश्यक विदेशी मुद्रा, आयात और ऋण-परिशोधन पर होने वाले विदेशी मुद्रा सम्बन्धी व्यय का 40 प्रतिशत और देश द्वारा निर्यात व्यापार से अर्जित मुक्त विदेशी मुद्रा का प्रायः पचास प्रतिशत भाग थी। अबाध रूप से उपयोग में लायी जा सकने वाली पर्याप्त सहायता के अभाव में, अत्यावश्यक आयात और ऋण-परिशोधन सम्बन्धी अदायगियों पर होने वाले व्यय के काफी बड़े भाग की वित्त-व्यवस्था विदेशी-मुद्रा प्रारक्षित निधि से रकम निकाल कर करनी पड़ी।

115. भारत के शोधन-संतुलन की एक आधारभूत विशेषता, जो पिछले कुछ वर्षों में स्पष्ट हुई है, यह है कि आयात पर होने वाले खर्च में से लगभग 1·2 अरब डालर से 1·3 अरब डालर तक की रकम ऐसे आयात पर खर्च होती है जिसकी व्यवस्था इस प्रकार की विदेशी सहायता से, जिस रूप में वह दी जाती है, नहीं की जा सकती। इस प्रकार के आयात में कच्चे जूट, काजू की गिरी, खालें आदि कच्चे माल का आयात, जो मुख्यतः निर्यात सम्बन्धी उत्पादन के काम के लिए आवश्यक होता है, कुछ ऐसी अलौह धातुओं का आयात, जिन्हें केवल अन्य विकसित देशों से ही ख़रीदना पड़ता है, छोटे पैमाने के उद्योगों की आयात सम्बन्धी आवश्यकताओं का काफी बड़ा भाग, जिसकी पूर्ति, सहायता की प्रबन्ध सम्बन्धी मौजूदा प्रक्रिया के अन्तर्गत, सहायता से नहीं की जा सकती, और विदेशी सहायता द्वारा वित्तपोषित अन्न का आयात तथा अन्न सम्बन्धी कुछ आयात से सम्बन्धित भाड़े की अदायगियां शामिल हैं। दूसरी ओर ऋण-परिशोधन सम्बन्धी अदायगियों को निकालने के बाद मुक्त विदेशी मुद्रा की आय 90.0 करोड़ डालर के आस पास स्थिर रही। इस प्रकार भारत के शोधन-संतुलन में नकदी का अंतर (कैश-गैप) पैदा हो गया है जिसके लिए वित्तव्यवस्था या तो ऋण-परिशोधन सम्बन्धी राहत से या नकद सहायता से की जा सकती है और केवल इसी सहायता से,

सहायता देने वाले देशों से भिन्न देशों से या सहायता देने वाले ऐसे देशों से, जो अभी विदेशी सहायता के रूप में वित्त-व्यवस्था करने के अधिकारी नहीं हैं, माल खरीदा जा सकता है। इसी बात को ध्यान में रखते हुए, भारत ऋण-परिशोधन सम्बन्धी राहत प्राप्त करने का प्रयत्न करता रहा है और चालू वर्ष में कुछ सफलता प्राप्त भी हुई है।

116. विदेशी सहायता का भावी रूप अभी अनिश्चित है। आने वाले वर्ष में, कृषि उत्पादन में सुधार होने और निर्मित वस्तुओं के निर्यात को बढ़ावा देने के लिए इस समय किये जा रहे प्रयत्नों से आयात में प्रत्याशित वृद्धि होने के परिणामस्वरूप हमारी शोधन-सन्तुलन की स्थिति में कुछ सुधार होने की आशा की जा सकती है। पहले के वर्ष के मुकाबले, अन्न के आयात पर मुक्त विदेशी मुद्रा के व्यय में भी कमी होनी चाहिए। लेकिन ऋण-परिशोधन (डेट सर्विस) का भार और अधिक बढ़ेगा। इस बात को ध्यान में रखते हुए कि विदेशी मुद्रा प्रारक्षित निधि का स्तर पहले से ही बहुत नीचे है और अन्तर्राष्ट्रीय मुद्रा निधि के प्रति भारत का दायित्व बहुत है, इसलिए ऋण-परिशोधन सम्बन्धी राहत या मुक्त रूप से प्रयोग की जा सकने वाली सहायता के रूप में विदेशी सहायता प्राप्त करने का लगातार प्रयत्न करना आवश्यक होगा।

संक्षिप्त मूल्यांकन

117. 1967–68 के ज्यादातर भाग में, खपत के लिए अनाज की सप्लाई, 1966–67 की फसलों से हुई; इस सप्लाई की कुल मात्रा केवल 750 लाख मेट्रिक टन थी, जबकि 1965–66 में इसकी मात्रा 720 लाख मेट्रिक टन और 1964–65 में 890 लाख मेट्रिक टन थी। विदेशों से बड़ी मात्रा में अन्न के आयात का प्रबन्ध किया गया और 1967 में लगभग 90 लाख मेट्रिक टन अनाज बाहर से मंगाया गया। फिर भी अन्न की उपलब्धि, आवश्यकता को देखते हुए कम रही क्योंकि आयात में हुई वृद्धि, पिछले दो वर्षों में उत्पादन में हुई कमी से बहुत कम थी। 1966–67 में बिहार, उत्तर प्रदेश, राजस्थान और गुजरात के काफी बड़े इलाकों में फसलें खराब हो गयीं। इन इलाकों में, सरकारी व्यवस्था के माध्यम से, अन्न के व्यापक वितरण की पक्की व्यवस्था करना बहुत जरूरी था। जरूरतमंदों को अनाज मुफ्त देने की पक्की व्यवस्था करने और नगद सहायता तथा सरकारी निर्माण-कार्य दोनों के द्वारा लोगों में खरीदने की शक्ति पैदा करने के लिए इस वर्ष आर्थिक प्रशासन का सब से बड़ा काम अन्न के आवश्यक यातायात का प्रबन्ध करना था। ये सब आवश्यक काम प्रायः सफलतापूर्वक क्रियान्वित किये गये।

118. सूखे की स्थिति के कारण, न केवल अन्न की स्थिति पर ही असर पड़ा, बल्कि दूसरी फसलों पर भी। इस प्रकार, 1966–67 में, कपास के उत्पादन में 1964–65 के उत्पादन के मुकाबले 6 प्रतिशत की कमी रही और इन्हीं वर्षों में तेलहन के उत्पादन में 21 प्रतिशत की कमी हुई। कृषि वस्तुओं की कमी के परिणामस्वरूप, मूल्यों में वृद्धि हुई। 1966 के अक्टूबर के अन्त से लेकर 1967 के अक्टूबर के अन्त तक थोक मूल्यों के सूचक-अंक में 13.6 प्रतिशत की वृद्धि हुई, जबकि इसके मुकाबले

इससे पहले के बारह महीनों में 14.7 प्रतिशत वृद्धि हुई थी। मूल्यों की यह वृद्धि, खास तौर से कृषि पदार्थों और उनमें भी खासकर अनाज के संबंध में हुई। निर्मित वस्तुओं के मूल्य अपेक्षाकृत स्थिर रहे।

119. मुद्रा-बाहुल्य की रोकथाम के लिए राजस्व विषयक उपाय किये गये। अनुमान था कि 1967-68 का केन्द्रीय बजट संतुलित रहेगा। मुद्रा-बाहुल्यकारी वित्त-व्यवस्था से बचते हुए व्यावहारिक सीमा तक विकास सम्बन्धी खर्चों के लिए धन की व्यवस्था करने के उद्देश्य से नये कर लगाये गये जिनसे वर्ष भर में 76 करोड़ रुपये की आमदनी होने की संभावना थी। इसके अतिरिक्त रेल किरायों और भाड़ों की वृद्धि से पैंतीस करोड़ रुपये की आमदनी होने का अनुमान है। यद्यपि राज्यों के बजटों में कुल मिलाकर,घाटे का अनुमान किया गया, तथापि राज्यों ने 27 करोड़ रुपये के अतिरिक्त कर लगाये। इन परिस्थितियों में काफी घाटा होने की संभावना है जिसका मुख्य कारण यह है कि औद्योगिक उत्पादन की वृद्धि की गति धीमी हो जाने के कारण राजस्व सम्बन्धी आमदनी और विदेशी सहायता के उपयोग में कमी हुई है। लेकिन क्रियान्वित की जाने वाली प्रायोजनाओं के निर्माण सम्बन्धी कार्यक्रम को फिर से निर्धारित करने, अधिक फसलों की संभावना और औद्योगिक क्षेत्र में उत्पन्न शिथिलता की प्रवृत्तियों के कारण खर्चों में कटौती नहीं की गयी, ताकि अव्यवस्था से बचा जा सके।

120. मुद्रा सम्बन्धी नीतियां इस उद्देश्य से बनायी गयीं कि निर्यात और कृषि जैसे तरजीही क्षेत्रों के लिए पर्याप्त ऋण की व्यवस्था, खास तौर पर की जा सके और मुद्रा की उपलब्धि में सम्पूर्ण रूप से अनुचित विस्तार न हो। कृषि के लिए सहकारी समितियों के माध्यम से धन की व्यवस्था में काफी वृद्धि हुई। तरजीही क्षेत्रों के लिए वित्तीय व्यवस्था करने के काम को प्राथमिकता देने के उद्देश्य से बैंकों के लिए धन की व्यवस्था करने के रिजर्व बैंक के प्रबन्ध जारी रहे। 19 जनवरी, 1968 को समाप्त होने वाले बारह महीनों में मुद्रा उपलब्धि में 7·6 प्रतिशत की वृद्धि हुई, जबकि इसके मुकाबले इससे पहले के बारह महीनों में 9·6 प्रतिशत की वृद्धि हुई थी।

121. कृषि उत्पादन बढ़ाने की ओर सब से पहले ध्यान देने की नीति पर जोरदार ढंग से अमल किया गया। बिहार के सूखाग्रस्त क्षेत्रों में कूओं से पानी खींचने के लिए बहुत बड़ी संख्या में पम्प लगाये गये। 1967-68 में 13 लाख मेट्रिक टन नाइट्रोजन-युक्त रासायनिक खाद की खपत होने का अनुमान है जबकि इससे पहले के वर्ष इस तरह की 9 लाख मेट्रिक टन खाद की खपत हुई थी। अतः रासायनिक खाद के आयात पर होने वाले विदेशी मुद्रा के खर्च में भी काफी वृद्धि हुई। 1966-67 में कुल मिलाकर 48 लाख एकड़ भूमि में बढ़िया किस्म का बीज बोया गया, परन्तु 1967-68 की खरीफ की फसल में इस क्षेत्र में वृद्धि हुई और 60 लाख एकड़ भूमि में इस तरह का बीज बोया गया। अनुमान है कि रबी की फसल में 90 लाख एकड़ भूमि में बढ़िया बीज बोया गया होगा। खेती के लिए ऋण देने के प्रबन्धों को मजबूत किया गया है। 1967-68 में जितने क्षेत्र में पौधा-संरक्षण उपाय किये जायेंगे, आशा है कि वह क्षेत्र उससे पहले साल के इसी तरह के क्षेत्र से लगभग तीन-चौथाई ज्यादा

होगा । जैसा कि पम्पों और डीज़ल इंजनों के उत्पादन में हुई उल्लेखनीय वृद्धि से पता चलता है, छोटे सिंचाई-कार्यों का काफी विस्तार हुआ है । ट्रैक्टरों, पावर-टिलरों और कृषि सम्बन्धी उपकरणों जैसी खेती के काम आने वाली औद्योगिक वस्तुओं की खपत में जो वृद्धि हुई है उससे पता चलता है कि उन वस्तुओं की सुलभता और फसल के अच्छे दाम मिलने के कारण हमारे किसान खेती के सुधरे तरीकों को अपनाते जा रहे हैं ।

122. वर्ष के अधिकतर भाग में कृषि वस्तुओं की कमी के कारण औद्योगिक उत्पादन में रुकावट पड़ी । यद्यपि काफी मात्रा में कच्चे जूट का आयात करने की व्यवस्था की गयी, लेकिन जूट से बनायी जाने वाली वस्तुओं का उत्पादन कच्चे जूट की कमी के कारण कुछ कम रहा । कपास की कमी के कारण सूती कपड़े के उत्पादन में रुकावट आई । गन्ने की फसल कम होने से चीनी की उपलब्धि पर भी असर पड़ा और तेलहन की फसल कम होने के कारण साबुन और बनास्पती तैयार करने के उद्योगों को कठिनाइयों का सामना करना पड़ा । गांवों के लोगों की आमदनियों में कमी और शहरी लोगों की ज्यादातर आमदनियों के अन्न जैसी वस्तुओं पर खर्च किये जाने के कारण औद्योगिक उपभोक्ता वस्तुओं की मांग कम हो गयी । कई पूंजीगत उद्योगों और उत्पादक वस्तु उद्योगों के माल की मांग भी कम हुई, क्योंकि निवेश सम्बन्धी परिव्यय में कोई वृद्धि नहीं हुई । कुल मिलाकर औद्योगिक उत्पादन की वृद्धि की गति धीमी रही और कुछ उद्योगों के माल की मांग कम रही, हालांकि निर्माण करने की उनकी क्षमता काफी बढ़ गयी थी ।

123. निर्यात करने के लिए और देश की मंडियों की मांग पूरी करने के लिए औद्योगिक उत्पादन बढ़ाने, खास तौर पर पूंजीगत वस्तुओं का उत्पादन बढ़ाने की दृष्टि से कुछ खास उपाय किये गये । इन में अतिरिक्त ऋण की सुविधाओं की व्यवस्था करने और सरकारी क्षेत्र के प्रतिष्ठानों द्वारा पहले से ही आर्डर देने के उपाय शामिल हैं । लाइसेंस सम्बन्धी अनुमति प्राप्त किये बिना और कुछ उद्योगों को लाइसेंस प्राप्त करने की आवश्यकताओं से छूट देकर उत्पादन की विविधता के लिए ज्यादा गुंजाइश पैदा करके उद्योगों की क्षमता के पूरे और अधिक कारगर उपयोग के लिए प्रोत्साहन दिया गया । कुछ ऐसी देशी वस्तुओं, जिनकी अब तक तंगी थी और विदेशों से मंगाई जाने वाली कुछ दूसरी वस्तुओं के आसानी से मिलने के कारण उन उद्योगों का उत्पादन बढ़ा—जैसे कि कृषि क्षेत्र को माल देने वाले उद्योगों का—जिनके माल की मांग काफी है ।

124. कृषि वस्तुओं की कमी के कारण वर्ष के अधिकतर भाग में निर्यात के काम में रुकावटें आईं । यद्यपि पिछले साल के मुकाबले ज्यादा निर्यात किया गया, लेकिन यह निर्यात 1965–66 के स्तर तक न पहुंच सका । मूल्यों में हुई वृद्धि और इसके परिणामस्वरूप हुई लागत की वृद्धि का कुछ असर निर्यात पर भी पड़ा । दुनिया में कई वस्तुओं के अन्तर्राष्ट्रीय मूल्यों में कमी हो जाने और निर्यात की जाने वाली कुछ मुख्य वस्तुओं के मामले में विदेशी सम्भरकों (सप्लायर्स) से भारी प्रतियोगिता होने के कारण भी हमारे निर्यात पर असर पड़ा । लेकिन लोहे और इस्पात जैसे कुछ उत्पादों के निर्यात में काफी वृद्धि हुई । तैयार की जाने वाली कई नयी वस्तुओं के लिए काफी

आर्डर प्राप्त किये गये, जिससे आने वाले वर्ष में निर्यात में काफी वृद्धि होगी । निर्यात को बढ़ावा देने के लिए विभिन्न प्रकार के उपाय किये गये, जिनमें बढ़ी हुई नकद सहायता देने का उपाय भी शामिल हैं ।

125. शोधन-सन्तुलन पर दबाव बराबर बना रहा । निर्यात की आमदनी और नकद सहायता या उसके बराबर की सहायता से ऋण-परिशोधन सम्बन्धी खर्चों को और विदेशों से मंगाये गये उस माल की अदायगी की रकमों को, जिसके लिए व्यवस्था विदेशी सहायता के रूप में मिले धन से न की जा सकी, पूरा नहीं किया जा सका । इसलिए पूरक वित्त व्यवस्था के अन्तर्गत अन्तर्राष्ट्रीय मुद्रा निधि से धन प्राप्त करना जरूरी हो गया । ऋण-परिशोधन सम्बन्धी समस्या के बारे में, मित्र देशों और संस्थाओं के साथ हुई बातचीत में भी कुछ प्रगति हुई । आयात किये जाने वाले माल के मूल्य की अदायगी करने के लिए उपलब्ध विदेशी सहायता का ज्यादा इस्तेमाल किया गया लेकिन औद्योगिक क्रियाकलाप में शिथिलता आ जाने के कारण यह इस्तेमाल आशा से कम रहा ।

126. वर्ष के अन्त में खरीफ की फसल मण्डियों में आने लगी और इसके परिणामस्वरूप अक्टूबर के मध्य से दिसम्बर, 1967 के अन्त तक थोक मूल्यों में 7.5 प्रतिशत की कमी हो गयी । अनुमान है कि 1967–68 में रूई का उत्पादन 63 लाख गांठें होगा अर्थात् 1966–67 के उत्पादन के मुकाबले इसमें 12 प्रतिशत की वृद्धि होगी । आशा है कि कच्चे जूट का उत्पादन 85 लाख गांठें होगा और तेलहन का उत्पादन 105 लाख मेट्रिक टन । यह उत्पादन 1966–67 के उत्पादन के मुकाबले क्रमशः 29 प्रतिशत और 26 प्रतिशत अधिक है । कुल मिलाकर, 1967–68 में राष्ट्रीय आय में पहले वर्ष के मुकाबले लगभग 11 प्रतिशत की वृद्धि होगी और कृषि उत्पादन 20 प्रतिशत अधिक होगा ।

127. अन्न सम्बन्धी नीति का उद्देश्य यह है कि 1967–68 में अन्न के मूल्यों में असामान्य रूप से जो वृद्धि हो गयी थी, उसमें कमी होने दी जाय और साथ ही किसानों के लिए भी प्रोत्साहन कायम रखा जाय और अन्न के संकट-निरोधक भंडार (बफर स्टाक) बनाये जायं । अन्न-वसूली की कीमतें बढ़ा दी गयी हैं । खाद्य निगम के क्रियाकलापों का विस्तार किया जा रहा है, ताकि किसान अपनी उपज को इन बढ़ी हुई कीमतों पर बेच सकें । गैर-सरकारी भंडारों के कम हो जाने और आय तथा जन-संख्या में हुई वृद्धि के परिणामस्वरूप इस्तेमाल के लिए आवश्यक मात्रा को देखते हुए, आयात किये बिना संकट-निरोधक भंडार नहीं बनाये जा सकते । 1968 में 75 लाख मेट्रिक टन अन्न के आयात की और 30 लाख मेट्रिक टन अन्न का संकट-निरोधक भंडार बनाने की योजना है । अन्न के सुव्यवस्थित वितरण के लिए लम्बी अवधि के कार्यक्रम के एक भाग के रूप में, सरकारी माध्यम से बड़े पैमाने पर अन्न का वितरण करने की आवश्यकता बनी रहेगी । अन्न के एक स्थान से दूसरे स्थान पर लाने व लेजाने पर लगी पाबन्दियों को, जो अन्न की कमी की स्थिति में अन्न वसूली के काम को आसान बनाने और अन्न की उपलब्ध मात्रा के उचित वितरण की सुनिश्चित व्यवस्था करने के लिए जरूरी होती हैं, यदि लम्बे अरसे तक जारी रखा जाय, तो उस के परिणामस्वरूप उन इलाकों में जहां अन्न का उत्पादन आवश्यक मात्रा

से अधिक होता है, उत्पादन-कार्य में ढील आ सकती है और उपयोग की मात्रा बढ़ सकती है । उत्पादन में वृद्धि होने और पूर्ति सम्बन्धी स्थिति में सुधार हो जाने पर इन पाबन्दियों पर फिर से विचार करना संभव होगा ।

128. वाणिज्यिक फसलों की अधिक उपलब्धि से, निर्यात और देश की अन्दरूनी मंडियों के लिए, इन फसलों पर आधारित औद्योगिक पदार्थों का उत्पादन अधिक होने लगेगा । सूती कपड़े जैसी वस्तुओं की उचित मूल्यों पर पूर्ति, अलाभकारी कारखानों (अन-इकनामिक यूनिट्स) के अस्तित्व और आधुनिकीकरण की आवश्यकता जैसी समस्याओं को हल करने के उपाय करने पर भी निर्भर करती है ।

129. कृषि-उत्पादन में वृद्धि करने और इस क्षेत्र में अब तक की गयी वृद्धि की गति को बनाये रखने के काम की ओर सबसे ज्यादा ध्यान देने की जरूरत है । रासायनिक खादों के आयात के लिए अतिरिक्त व्यवस्था करना जरूरी होगा और इस प्रयोजन के लिए कृषि-विकास के कार्यक्रम के महत्वपूर्ण साधन के रूप में पर्याप्त विदेशी सहायता की आवश्यकता होगी । । छोटी सिंचाई योजनाओं का और आगे विस्तार करना और उन बड़ी सिंचाई योजनाओं को पूरा करना, जिनमें काफी प्रगति हो चुकी है, कृषि सम्बन्धी नीति का अत्यावश्यक अंग होगा । कुछ लम्बी अवधि की दृष्टि से, जल-साधनों के समन्वित प्रयोग का समुचित अध्ययन करने की आवश्यकता है ।

130. औद्योगिक क्षेत्र में, कृषि के लिए आवश्यक वस्तुओं और उपकरणों के उत्पादन में और अधिक वृद्धि करने को सर्वोच्च प्राथमिकता दी गयी है । पिछले वर्ष रासायनिक खादों की उत्पादन-क्षमता स्थापित करने के लिए काफी प्रारम्भिक काम किया गया था । चूंकि रासायनिक खाद सम्बन्धी प्रायोजनाओं में उत्पादन शुरू होने के लिए लम्बी अवधि की आवश्यकता होती है, इसलिए यदि आयात पर बहुत अधिक निर्भर रहने अथवा रासायनिक खाद की अपर्याप्त पूर्ति से बचना है, तो अगले वर्ष कई और प्रायोजनाएं शुरू करने की आवश्यकता होगी ।

131. अर्थ-व्यवस्था की सम्पूर्ण स्थिति को देखते हुए, अगले वर्ष औद्योगिक निवेश सम्बन्धी कुल परिव्यय में मामूली सी वृद्धि होने की सम्भावना दिखायी देती है । इसके साथ-साथ, यदि विकास-कार्य में आने वाली बाधा से बचना है, तो बिजली जैसे क्षेत्रों में अच्छी तरह सोच-विचार कर नये प्रयत्न प्रारम्भ करने की आवश्यकता है । देश में उपकरणों के निर्माण की जो क्षमता इस समय उपलब्ध है, उसे देखते हुए, अब उपकरणों के देशी स्रोतों पर पहले की अपेक्षा अधिक निर्भर रहा जा सकता है । इस क्षमता को सर्वोत्तम प्रयोजनों के लिए इस्तेमाल करने के लिए जो प्रयत्न किये जा रहे हैं, उनमें तेजी लाने की आवश्यकता होगी ।

132. नीति का मुख्य उद्देश्य निर्यात में वृद्धि होना चाहिए । दुनिया की मंडियों में हमारे निर्यात उद्योगों को प्रतियोगिता करने योग्य बनाने के लिए सहायता देने के लिए जो उपाय जरूरी हों, वे करने ही होंगे । विदेशों की मंडियों में भारतीय वस्तुओं, विशेषतः अपेक्षाकृत नयी वस्तुओं की सफलतापूर्वक बिक्री के लिए, बिक्री और बिक्री के बाद के सुचारू प्रबन्ध के विकास की आवश्यकता है; और निर्यात संवर्धन के विपणन (मार्केटिंग) और किस्म–नियंत्रण (क्वालिटी कण्ट्रोल) सम्बन्धी पहलुओं पर पहले से अधिक ध्यान

देने की आवश्यकता होगी । वस्तुओं को निर्यात के लिए उपलब्ध करने के लिए, आवश्यकता पड़ने पर, देश के अन्दर उपयोग को नियंत्रित करने की जरूरत होगी । सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि अति-रिक्त निर्यात करने के लिए, उत्पादन का आवश्यक रूप से विस्तार करने की जरूरत होगी । उत्पादन-क्षमता में वृद्धि करने के मामले में अक्सर परस्पर-विरोधी बातें पैदा हो जाती हैं । निर्यात सम्बन्धी प्रयत्नों को सफल बनाने के लिए निर्यात सम्बन्धी आवश्यकताओं पर ज्यादा जोर दिया जाना आवश्यक है ।

133. पहले से अधिक कृषि और औद्योगिक उत्पादन होने तथा राष्ट्रीय आय की वृद्धि से, सरकारी राजस्व में वृद्धि होने की सम्भावना है । लेकिन अधिकांश अतिरिक्त आमदनी उन्हीं क्षेत्रों से होगी, जो केन्द्रीय कर-व्यवस्था के अन्तर्गत केवल सीमित रूप से ही आ पायेंगे । आय के स्तर के पहले से ऊंचा हो जाने के परिणामस्वरूप, विकास के अनुपात में पर्याप्त वृद्धि करने के लिए, पहले से अधिक बचत करना और उत्पादनकारी निवेश के लिए बचतों की रकमों का जुटाया जाना जरूरी है ।

134. कृषि मूल्यों में, जो हाल ही में काफी बढ़ गये थे, अब कमी की प्रवृत्ति दिखाई दे रही है । निर्मित वस्तुओं के मूल्य, कुल मिला कर स्थिर रहे हैं; इस स्थिरता को बनाये रखना आवश्यक है । इसे देखते हुए, द्वितीयक (सेकेण्डरी) आमदनियों में होने वाली वृद्धियों के सम्बन्ध में बराबर नियंत्रण रखने की जरूरत होगी ।

135. कुल मिलाकर, आर्थिक क्षेत्र में निकट भविष्य में, पिछले दो वर्षों के आर्थिक दबाव के कम होने की सम्भावना है । इस लाभ को स्थायी बनाने के लिए उत्पादकता, विशेषतः कृषि-उत्पादकता को बढ़ाने की ओर निरन्तर ध्यान देना आवश्यक होगा । अर्थ-व्यवस्था सम्बन्धी हमारा एक मुख्य काम, निर्यात को बढ़ावा देना है । पूंजीगत वस्तु उद्योगों में उपलब्ध उत्पादन-क्षमता का उपयोग इस ढंग से करना जरूरी होगा कि औद्योगिक उत्पादन में वृद्धि हो, लेकिन उसके साथ-साथ अनुचित आयातों से बचा जाय । कृषि--उत्पादन में निरन्तर वृद्धि होने से, अगले वर्षों में राष्ट्रीय आय में वृद्धि करने, और आगे विकास करने की संभावनाओं को बढ़ाने और शोधन-सन्तुलन सम्बन्धी स्थिति को सुदृढ़ बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण प्रगति करने और चौथी पंचवर्षीय आयोजना को क्रियान्वित करने के लिए भूमिका तैयार हो जायगी ।

परिशिष्ट

आंकड़ों सम्बन्धी सारणियाँ

सारणियां

पृष्ठ संख्या

1. राष्ट्रीय आय और उत्पादन

1.1 वास्तविक (नेट) राष्ट्रीय उत्पादन (अर्थात् राष्ट्रीय आय) के परम्परागत अनुमान प–1

1.2 कुल (ग्रास) राष्ट्रीय उत्पादन और वास्तविक (नेट) राष्ट्रीय उत्पादन (अर्थात् राष्ट्रीय आय) (संशोधित श्रृंखलाएं) . प–3

1.3 क्षेत्रों के अनुसार देश में हुए वास्तविक (नेट) उत्पादन के परम्परागत अनुमान (1948-49 के मूल्यों के अनुसार)—प्रतिशत विवरण प–4

1.4 कृषि उत्पादन, क्षेत्रफल और उपज के सूचक अंक . . प–5

1.5 कृषि उत्पादन के सूचक अंक प–6

1.6 कृषि उत्पादन प–8

1.7 अन्न और दालों की वास्तविक उपलब्धि . . . प–10

1.8 अन्न की वास्तविक उपलब्धि, वसूली और सरकारी वितरण . प–12

1.9 महत्वपूर्ण उपभोक्ता वस्तुओं की प्रति व्यक्ति उपलब्धि . प–14

1.10 रासायनिक खादों का उत्पादन, आयात और कुल उपलब्धि . प–15

1.11 औद्योगिक उत्पादन के सूचक अंकों में प्रतिशत परिवर्तन . प–17

1.12 चुने हुए उद्योगों में उत्पादन प–20

1.13 चुनी हुई वस्तुओं के स्टाक और उत्पादन का अनुपात . प–30

2. बजट सम्बन्धी लेन-देन

2.1 केन्द्रीय सरकार, राज्य सरकारों और संघीय राज्य क्षेत्रों के बजट सम्बन्धी लेन-देन प–37

2.2 केन्द्रीय सरकार का कुल व्यय प–40

2.3 केन्द्रीय सरकार के बजट सम्बन्धी साधनों से कुल पूंजी निर्माण . प–42

2.4 विकास के शीर्षकों के अनुसार केन्द्र, राज्यों और संघीय राज्य क्षेत्रों का आयोजना परिव्यय प–44

पृष्ठ संख्या

3. नियोजन

3.1 सरकारी क्षेत्र में नियोजन प–46

3.2 गैर-सरकारी क्षेत्र में नियोजन प–48

4. मुद्रासम्बन्धी प्रवृत्तियां

4.1 मुद्रा उपलब्धि की घट-बढ़ का विश्लेषण . . . प–49

4.2 अनुसूचित वाणिज्यिक बैंक––रकमों की मौसमी प्राप्ति . प–51

4.3 अनुसूचित वाणिज्यिक बैंकों के प्रतिभूत अग्रिम . . . प–52

4.4 पूंजी बाजार––चुने हुए निर्देशक . . . प–55

5. मूल्य

5.1 थोक मूल्यों के सूचक अंक प–59

5.2 चुनी हुई वस्तुओं के थोक मूल्यों के सूचक अंक . . प–64

5.3 अखिल भारतीय उपभोक्ता मूल्य सूचक अंक . . प–69

5.4 थोक मूल्यों के सूचक अंक : कृषि-वस्तुओं और निर्मित वस्तुओं के सापेक्ष मूल्य प–71

6. शोधन-सन्तुलन

6.1 भारत की विदेशी मुद्रा प्रारक्षित निधि . . . प–74

6.2 भारत का शोधन-सन्तुलन (समायोजित), 1960-61 से 1966–67 तक प–76

6.3 भारत का शोधन -सन्तुलन (समायोजित) . . प–80

6.4 1966–67 में भारत का तिमाही शोधन-सन्तुलन (समायोजित) प–83

6.5 मुख्य आयात प–86

6.6 मुख्य वस्तुओं का निर्यात प–90

6.7 भारत का शोधन-सन्तुलन : चालू खाते की अदृश्य मदें––अनुदानों तथा विदेशी ऋणों के ब्याज और सेवा सम्बन्धी अदायगियों से भिन्न––(समायोजित) प–94

6.8 भारत का शोधन-संतुलन : सरकारी ऋणों सम्बन्धी प्राप्तियों और और इनसे सम्बन्धित परिशोधन अदायगियों से भिन्न पूंजी खाता (समायोजित) प–97

6.9 कुल अनुमानित पूर्ति में आयात का अंश . . . प–99

पृष्ठ संख्या

7. **विदेशी सहायता**

7.1	विदेशी सहायता का उपयोग	प–101
7.2	स्रोत के अनुसार वर्गीकृत स्वीकृत विदेशी सहायता .	प–104
7.3	स्रोत और वित्तीय शर्तों के अनुसार वर्गीकृत विदेशी सहायता का उपयोग	प–110
7.4	भारत सहायता संघ से प्राप्त सहायता का उपयोग . .	प–115
7.5	1967–68 के लिए भारत सहायता संघ की गैर-प्रायोजना सहायता के आधार पर किये गये करार .	प–116
7.6	1967–68 में प्रायोजना सहायता के सम्बन्ध में भारत सहायता संघ के देशों / संस्थाओं के साथ किये गये करार .	प–118
7.7	1967–68 में सोवियत समाजवादी जनतंत्र संघ और पूर्वी यूरोप के देशों के साथ किये गये सहायता करार	प–119

1.1: वास्तविक (नेट) राष्ट्रीय उत्पादन (अर्थात राष्ट्रीय आय) के परम्परागत अनुमान

वर्ष	वास्तविक (नेट) राष्ट्रीय उत्पादन (करोड़ रुपयों में)		प्रति व्यक्ति वास्तविक (नेट) राष्ट्रीय उत्पादन (रुपये)		वास्तविक (नेट) राष्ट्रीय उत्पादन के सूचक अंक (1948-49=100)		प्रति व्यक्ति वास्तविक (नेट) राष्ट्रीय उत्पादन के सूचक अंक (1948-49=100)	
	तत्कालीन मूल्यों के अनुसार	1948-49 के मूल्यों के अनुसार	तत्कालीन मूल्यों के अनुसार	1948-49 के मूल्यों के अनुसार	तत्कालीन मूल्यों के अनुसार	1948-49 के मूल्यों के अनुसार	तत्कालीन मूल्यों के अनुसार	1948-49 के मूल्यों के अनुसार
1948–49 . . .	8650	8650	249.6	249.6	100.0	100.0	100.0	100.0
1949–50 . . .	9010	8820	256.0	250.6	104.2	102.0	102.6	100.4
1950–51 . . .	9530	8850	266.5	247.5	110.2	102.3	106.8	99.2
1951–52 . .	9970	9100	274.2	250.3	115.3	105.2	109.9	100.3
1952–53 . .	9820	9460	265.4	255.7	113.5	109.4	106.3	102.4
1953–54 . .	10480	10030	278.1	266.2	121.2	116.0	111.4	106.7
1954–55 . .	9610	10280	250.3	267.8	111.1	118.8	100.3	107.3
1955–56 . .	9980	10480	255.0	267.8	115.4	121.2	102.2	107.3
1956–57 . .	11310	11000	283.3	275.6	130.8	127.2	113.5	110.4
1957–58 . .	11390	10890	279.6	267.3	131.7	125.9	112.0	107.1

	1	2	3	4	5	6	7	8
1958–59 . .	12600	11650	303.0	280.1	145.7	134.7	121.4	112.2
1959–60 . .	12950	11860	304.8	279.2	149.7	137.1	122.1	111.9
1960–61 . .	14140	12730	325.8	293.3	163.5	147.2	130.5	117.5
1961–62 . .	14800	13060	333.2	294.0	171.1	151.6	133.5	117.8
1962–63 . .	15400	13310	337.7	291.9	178.0	153.9	135.3	116.9
1963–64 . .	17210	13970	368.5	299.2	199.0	161.5	147.6	119.9
1964–65* . .	20430	15000	427.2	313.7	236.2	173.4	171.2	125.7
1965–66* . .	20340	14660	415.3	299.4	235.1	169.5	166.4	120.0
1966–67** . .	23120	14950	460.8	298.0	267.3	172.8	184.6	119.4
पंचवर्षीय आयोजनाओं के दौरान वार्षिक वृद्धि का अनुपात								
पहली आयोजना . .	0.9	3.5	–0.9	1.6				
दूसरी आयोजना . .	7.3	4.0@	5.1	1.8@				
तीसरी आयोजना . .	7.5	2.9	5.0	0.4				

†इन अनुमानों को "परम्परागत" इसलिए कहा गया है कि "संशोधित" श्रृंखलाओं से इनका भेद किया जा सके। सारणी 1·2 देखिए।

*प्रारम्भिक अनुमान **शीघ्रतापूर्ण अनुमान

@1959–60 से अन्न के उत्पादन के अनुमानों और 1960–61 से गन्ने के उत्पादन के अनुमानों की तुलना पिछले वर्षों के अनुमानों से पूरी तरह नहीं की जा सकती। आंकड़ों सम्बन्धी ऐसे परिवर्तनों को हिसाब में लेने पर दूसरी पंचवर्षीय आयोज्ना की अवधि में कुल राष्ट्रीय आय में और प्रति व्यक्ति आय में क्रमशः 3.8 प्रतिशत और 1.7 प्रतिशत की वार्षिक वृद्धि हुई है।

1.2: कुल (ग्रास) राष्ट्रीय उत्पादन और वास्तविक (नेट) राष्ट्रीय उत्पादन (अर्थात राष्ट्रीय आय)

(संशोधित शृंखलाएं)

वर्ष	कुल (ग्रास) राष्ट्रीय उत्पादन (करोड़ रुपयों में)		वास्तविक (नेट) राष्ट्रीय उत्पादन (करोड़ रुपयों में)		प्रति व्यक्ति वास्तविक (नेट) उत्पादन (रुपये)		वास्तविक (नेट) राष्ट्रीय उत्पादन के सूचक अंक (आधार 1960-61)		प्रति व्यक्ति वास्तविक (नेट) राष्ट्रीय उत्पादन के सूचक अंक (आधार 1960-61)	
	तत्कालीन मूल्यों के अनुसार	1960-61 के मूल्यों के अनुसार	तत्कालीन मूल्यों के अनुसार	1960-61 के मूल्यों के अनुसार	तत्कालीन मूल्यों के अनुसार	1960-61 के मूल्यों के अनुसार	तत्कालीन मूल्यों के अनुसार	1960-61 के मूल्यों के अनुसार	तत्कालीन मूल्यों के अनुसार	1960-61 के मूल्यों के अनुसार
1960–61	14189	14190	13453	13453	310.0	310.0	100.0	100.0	100.0	100.0
1961–62	15125	14820	14315	14037	322.3	316.0	106.4	104.3	104.0	101.9
1962–63	16109	15210	15179	14329	332.9	314.2	112.8	106.5	107.4	101.4
1963–64	18554	16010	17563	15101	376.1	323.4	130.6	112.2	121.3	104.3
1964–65*	21524	17190	20424	16219	427.1	339.2	151.8	120.6	137.8	109.4
1965–66*	22263	16440	21064	15441	430.1	315.3	156.6	114.8	138.7	101.7
1966–67**	25461	16760	24157	15706	481.5	313.1	179.6	116.7	155.3	101.0
	वार्षिक वृद्धि का अनुपात									
तीसरी आयोजना	9.4	3.0	9.3	2.8	6.8	0.3				

*प्रारम्भिक अनुमान

**शीघ्रतापूर्ण अनुमान

1.3 : क्षेत्रों के अनुसार देश में हुए वास्तविक (नेट) उत्पादन के परम्परागत† अनुमान (1948–49 के मूल्यों के अनुसार)

प्रतिशत–विवरण

उद्योग	1948–49	1950–51	1955–56	1960–61	1965–66*	1966–67**
1. कृषि, पशुपालन और सहायक कार्य @	49.1	49.0	47.9	46.4	39.0	38.3
2. खनन, निर्माण और छोटे उद्योग-धंधे	17.1	16.7	16.8	16.6	18.2	18.2
3. वाणिज्य, परिवहन और संचार	18.5	18.8	18.8	19.3	20.3	20.2
4. अन्य सेवाएं @@	15.5	15.7	16.5	18.1	23.3	24.4
5. साधन-लागत के आधार पर वास्तविक देशी उत्पादन	100.2	100.2	100.0	100.4	100.8	101.1
6. विदेशों से अर्जित वास्तविक साधन आय	–0.2	–0.2	0.0	–0.4	–0.8	–1.1
7. साधन लागत के आधार पर वास्तविक राष्ट्रीय उत्पादन	100.0	100.0	100.0	100.0	100.0	100.0

†इन अनुमानों को "परम्परागत" इसलिए कहा गया है कि "संशोधित" श्रृंखलाओं से इनका भेद किया जा सके। सारणी 1·2 देखिए।

*प्रारम्भिक अनुमान

**शीघ्रतापूर्ण अनुमान

@वन-पालन और मछली-पालन सहित

@@इसमें व्यवसाय और विज्ञानेतर विषय, सरकारी सेवाएं (प्रशासन), घरेलू सेवा और मकान-सम्पति शामिल हैं।

1.4 : कृषि उत्पादन, क्षेत्रफल और उपज के सूचक अंक*

(आधार 1950–51=100)

फसली वर्ष	सूचक अंक		
	क्षेत्रफल	प्रति एकड़ उपज	उत्पादन
1950–51 . . .	100.0	100.0	100.0
1951–52 . . .	101.8	99.0	100.7
1952–53 . . .	105.6	101.3	107.1
1953–54 . . .	109.1	104.2	113.7
1954–55 . . .	112.2	105.9	118.7
1955–56 . . .	113.8	107.3	122.2
1956–57 . . .	114.6	106.3	121.8
1957–58 . . .	116.1	109.8	127.5
1958–59 . . .	117.7	110.0	129.6
1959–60 . . .	119.7	115.7	138.5
1960–61 . . .	121.2	117.5	142.4
1961–62 . . .	122.4	119.0	145.5
1962–63 . . .	123.4	118.2	145.6
1963–64 . . .	123.7	121.7	150.6
1964–65 . . .	122.4	121.0	148.2
1965–66 . . .	122.0	118.3	144.5

*तीन तीन वर्षों के गतिमान औसत

1.5: कृषि उत्पादन

(कृषि वर्ष 1949–50

समूह/वस्तुएं	वजन	1950–51	1955–56	1956–57	1957–58	1958–59
क. अन्न	66.9	90.5	115.3	120.8	109.2	130.6
(क) दालों से भिन्न अनाज	58.3	90.3	114.9	120.9	110.1	129.8
चावल	35.3	87.9	114.2	120.4	105.7	127.6
गेहूं	8.5	101.1	131.3	140.7	118.5	147.4
मोटा अनाज	14.5	89.8	107.0	108.9	115.9	124.8
(ख) दालें	8.6	91.7	118.4	122.9	103.0	136.0
जिन में						
चना	3.7	98.0	138.9	159.8	125.8	180.3
ख. अन्न से भिन्न पदार्थ	33.1	105.9	119.9	131.5	129.5	139.4
(क) तेलहन	9.9	98.5	108.6	120.3	119.0	136.8
जिनमें						
मूंगफली	5.7	101.4	112.4	127.2	137.5	149.0
तोरिया और सरसों	2.0	94.6	105.8	128.3	114.8	128.3
(ख) रेशे	4.5	108.6	149.7	170.7	164.4	175.8
कपास	2.8	110.7	153.9	181.2	178.8	175.8
जूट	1.4	106.3	135.8	138.7	128.8	158.7
मेस्ता	0.3	100.0	174.7	221.5	196.2	255.9
(ग) बगानों की फसलें	3.6	104.0	113.2	123.0	122.7	127.3
चाय	3.3	103.8	107.2	117.2	115.7	119.4
कहवा	0.2	112.3	196.1	204.1	229.8	240.8
रबड़	0.1	93.8	146.1	152.9	140.1	160.2
(घ) विविध	15.1	110.3	120.1	129.2	127.5	133.1
जिनमें :						
गन्ना	8.7	113.7	119.8	137.2	138.1	141.5
तम्बाकू	1.9	97.3	112.9	113.7	89.4	118.2
ग. सब पदार्थ	100.0	95.6	116.8	124.3	115.9	133.5

(सं) संशोधित

के सूचक अंक

= 100)

1959–60	1960–61	1961–62	1962–63	1963–64	1964–65*	1965–66*	1966–67*
127.9	137.1	140.3	133.6	136.5	150.2	120.9	124.6
128.9	138.3	143.1	135.9	141.4	153.7	124.2	129.9
126.2	137.7	142.4	132.6	147.0	155.1	121.8	120.9
152.8	162.8	178.8	159.6	145.9	182.1	154.5	170.8
121.5	125.4	123.9	130.0	125.1	133.6	112.3	127.8
120.8	129.0	121.5	117.9	102.9	126.3	98.4	88.8
144.2	160.4	148.5	137.6	115.5	148.5	108.0	92.8
135.0	152.6	153.9	151.6	156.5	175.4	156.4	148.2
125.3	134.0	140.0	142.6	134.5	164.9	125.4	127.3
134.7	142.1	147.5	149.4	156.3	178.3	128.1	135.8
130.8	165.7	165.6	160.3	112.5	180.5	157.0	153.2
136.6	176.0	187.5	193.0	206.0	207.9	168.8	180.4
132.4	202.1	174.9	199.8	208.6	217.6(सं)	183.0	189.5
137.4	125.3	192.7	165.0	184.3	182.4	135.5	162.1
172.2	168.8	280.8	260.7	283.7	236.8(सं)	192.3	181.6
131.3	129.2	140.1	138.6	140.4	151.4	151.2	157.3
122.7	120.9	133.4	130.5	130.4	140.2 (सं)	137.9	141.1
259.6	246.9	230.4	237.7	255.5	269.0 (सं)	281.6	339.5
157.6	167.0	180.0	209.4	239.0	286.0	328.5	328.5
141.8	163.4	156.3	148.2	160.0	178.4	174.3	150.2
153.3	183.9	173.5	152.5	172.0	200.2 (सं)	201.3	158.0
108.7	114.3	126.2	129.3	136.4	131.0	सं112.8	132.6
130.3	142.2	144.8	139.6	143.1	158.5	132.7	132.4

*अनन्तिम

1.6: कृषि

	इकाई		1949–50	1950–51	1955–56	1956–57	1957–58	1958–59
क. अन्न	दस लाख मेट्रिक टन		60.65	54.92	69.22	72.34	66.50	78.69
(क) दालों से भिन्न अनाज	,,	,,	50.63	45.74	57.53	60.20	56.41	65.49
चावल	,,	,,	25.11	22.07	28.67	30.23	26.54	32.04
गेहूं	,,	,,	6.76	6.83	8.87	9.50	8.00	9.96
ज्वार	,,	,,	6.96	6.25	6.73	7.32	8.63	9.03
बाजरा	,,	,,	3.19	2.67	3.46	2.88	3.62	3.87
अन्य अनाज	,,	,,	8.61	7.92	9.80	10.27	9.62	10.59
(ख) दालें	,,	,,	10.02	9.18	11.69	12.13	10.10	13.20
जिनमें :								
चना	,,	,,	3.90	3.82	5.41	6.23	4.90	7.03
ख. अन्न से भिन्न पदार्थ								
(क) तेलहन†	,,	,,	6.07	6.11	7.02	7.89	7.93	8.77
जिनमें :								
मूंगफली		,,	3.39	3.43	3.81	4.31	4.66	5.05
तोरिया और सरसों	,,	,,	0.81	0.77	0.86	1.04	0.93	1.04
(ख) गन्ना (गुड़ के रूप में)††	,,	,,	6.09	6.92	7.29	8.35	8.41	8.62
(ग) कपास	दस लाख गांठें@		2.62	2.90	4.03	4.75	4.68	4.60
(घ) जूट	,,	,,	3.30	3.51	4.48	4.58	4.25	5.24
(ङ) मेस्ता	,,	,,	0.67	0.67	1.17	1.48	1.31	1.71

@गांठ = 180 किलोग्राम

1961–62 (पूर्णतः संशोधित आंकड़ों) के आधार पर समायोजित

*1949–50 से 1959–60 तक के आंकड़े 1960–61 के पूर्णतः संशोधित अनुमानों के आधार पर समायोजित किये गये हैं। 1963–64 तक के आंकड़े पूर्णतः संशोधित अनुमानों के हैं। 1964–65 और 1965–66 के आंकड़े आंशिक रूप से संशोधित अनुमानों के और 1966–67 के आंकड़े अन्तिम अनुमानों के हैं।

†इसमें मूंगफली, तोरिया और सरसों, तिल, अलसी, रेंड़ी के बीज और बिनौले शामिल हैं।

उत्पादन*

1959–60	1960–61	1961–62	1962–63	1963–64	1964–65	1965–66	1966–67
76.70	82.02	82.71	80.15	80.64	89.00	72.03	75.05
64.88	69.31	70.95	68.62	70.57	76.56	62.23	66.13
31.69	34.57	35.66	33.22	37.00	39.03	30.66	30.44
10.32	11.00	12.07	10.78	9.85	12.29	10.42	11.63
8.58	9.81	8.03	9.75	9.20	9.75	7.53	8.94
3.49	3.28	3.65	3.96	3.88	4.45	3.66	4.50
10.80	10.65	11.54	10.91	10.64	11.04	9.96	10.72
11.82	12.70	11.76	11.53	10.07	12.44	9.80	8.92
5.62	6.25	5.79	5.36	4.50	5.79	4.20	3.61
7.78	8.85	8.90	9.23	9.05	10.51	8.03	8.25
4.56	4.81	4.99	5.06	5.30	5.89	4.23	4.49
1.06	1.35	1.35	1.30	0.92	1.47	1.28	1.25
9.33	11.20	10.56	9.29	10.52	12.03	12.10	9.49
3.47	5.29	4.58	5.23	5.43	5.66	4.76	4.93
4.53	4.13	6.36	5.44	6.08	6.02	4.47	5.35
1.15	1.13	1.88	1.74	1.90	1.58	1.29	1.21

1.7 : अन्न और दालों की वास्तविक उपलब्धि

वर्ष	जन संख्या (दस लाख में)	अन्न: उत्पादन (दस लाख मेट्रिक टन) कुल	अन्न: वास्तविक आयात (दस लाख मेट्रिक टन में)	अन्न: सरकारी स्टाक से निकासी (–) (दस लाख मेट्रिक टन में)	अन्न: वास्तविक उपलब्धि (दस लाख मेट्रिक टन में)	दालें: वास्तविक उपलब्धि	प्रति व्यक्ति वास्तविक उपलब्धि: औंसों में: अनाज	औंसों में: दालें	औंसों में: कुल	ग्रामों में: अनाज	ग्रामों में: दालें	ग्रामों में: कुल
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13
1951	363.4	40.02	4.80	(+)0.59	44.23	8.03	11.76	2.14	13.90	333.5	60.5	394.0
1952	369.6	40.60	3.93	(+)0.62	43.91	7.97	11.45	2.08	13.53	324.6	58.9	383.5
1953	376.1	45.37	2.04	(–)0.48	47.89	8.59	12.31	2.21	14.52	348.9	62.5	411.4
1954	382.9	53.44	0.83	(+)0.20	54.07	9.72	13.65	2.54	16.10	386.9	69.5	456.4
1955	390.2	51.60	0.60	(–)0.75	52.95	10.10	13.11	2.50	15.61	371.8	70.9	442.7
1956	397.8	50.34	1.40	(–)0.60	52.34	10.21	12.68	2.47	15.15	359.5	70.1	429.6
1957	405.8	52.68	.63	(+)0.86	55.45	10.61	13.21	2.53	15.74	374.4	71.6	446.0
1958	414.3	49.36	3.22	(–)0.27	52.85	8.83	12.33	2.06	14.39	349.5	58.4	407.9
1959	423.3	57.30	3.86	(+)0.49	60.67	11.55	13.85	2.63	16.48	392.7	74.7	467.4
1960	432.7	56.77	5.13	(+)1.40	60.50	10.33	13.48	2.30	15.78	382.0	65.2	447.2

1961	442.7	60.65	3.49	(−)0.17	64.31	11.11	14.04	2.43	16.47	398.0	68.7	466.7
1962	453.4	62.08	3.64	(−)0.36	66.08	10.28	14.08	2.19	16.27	399.3	62.1	461.4
1963	464.3	60.05	4.55	(−)0.02	64.62	10.07	13.45	2.10	15.55	381.3	59.4	440.7
1964	475.5	61.75	6.26	(−)1.24	69.25	8.80	14.03	1.78	15.81	397.9	50.6	448.5
1965*	487.0	66.99	7.45	(+)1.06	73.38	10.88	14.56	2.16	16.72	412.8	61.2	474.0
1966*	498.9	54.45	10.34	(+)0.14	64.65	8.50	12.52	1.65	14.17	355.0	46.7	401.7
1967*	511.3	57.86	8.72	(−)0.41	66.99	7.81	12.66	1.48	14.14	359.0	41.8	400.8

*अनन्तिम

टिप्पणी :

1. जनसंख्या के आंकड़े वर्ष के मध्य में संशोधित अनुमानों के आंकड़े हैं। ये आंकड़े भारत के प्रधान रजिस्ट्रार के कार्यालय द्वारा तैयार किये गये हैं।
2. उत्पादन संबंधी आंकड़े कृषि-वर्ष जुलाई से जून तक के हैं; 1951 के आंकड़े 1950–51 के उत्पादन संबंधी आंकड़ों जैसे ही हैं। आगे के वर्षों के आंकड़े भी इसी प्रकार हैं। 1959–60 के वर्ष तक इन अनुमानों का समायोजन 1960–61 के संशोधित उत्पादन के सूचक-अंक को आधार मानकर किया गया है। 1960–61, 1962–63 और 1963–64 के आंकड़े पूरी तरह संशोधित अनुमानों पर आधारित हैं। 1964–65 और 1965–66 के आंकड़े अंशतः संशोधित अनुमानों पर और 1966–67 के आंकड़े उत्पादन के अन्तिम अनुमानों पर आधारित हैं।
3. वास्तविक उत्पादन कुल उत्पादन का 87.5 प्रतिशत माना गया है, क्योंकि 12.5 प्रतिशत उत्पादन चारे, बीज और छीजन के लिए रखा गया है।
4. साल भर में व्यापारियों और उत्पादकों के पास के स्टाक में हुए परिवर्तन से संबंधित आंकड़े उपलब्ध नहीं हैं, इसलिए कुल उपलब्धि के संबंध में ऊपर दिये गए आंकड़े पूरी खपत के बराबर नहीं माने जाने चाहियें।
5. कुल उपलब्धि = कुल उत्पादन + कुल आयात + सरकारी स्टाक में हुई कमी।

1.8 : अन्न की वास्तविक उपलब्धि, वसूली और सरकारी वितरण

(दस लाख मेट्रिक टनों में)

	अन्न का वास्तविक उत्पादन	आयात	अन्न की वास्तविक उपलब्धि†	वसूली	सरकारी वितरण	प्रतिशत		
						कालम 3 कालम 4 का प्रतिशत है	कालम 5 कालम 2 का प्रतिशत है	कालम 6 कालम 4 का प्रतिशत है
1	2	3	4	5	6	7	8	9
1951 . . .	48.05	4.80	52.26	3.83	7.99	9.2	8.0	15.3
1952 . . .	48.57	3.93	51.88	3.48	6.80	7.6	7.2	13.1
1953 . . .	53.96	2.04	56.48	2.09	4.60	3.6	3.9	8.1
1954 . . .	63.16	0.83	63.79	1.43	2.15	1.3	2.3	3.4
1955 . . .	61.70	0.60	63.05	0.13*	1.64	1.0	0.2	2.6
1956 . . .	60.55	1.40	62.55	0.04	2.08	2.2	0.1	3.3
1957 . . .	63.29	3.63	66.06	0.30	3.05	5.5	0.5	4.6
1958 . . .	58.19	3.22	61.68	0.53	3.98	5.2	0.9	6.5
1959 . . .	68.84	3.86	72.21	1.81	5.16	5.3	2.6	7.1
1960 . . .	67.10	5.13	70.83	1.28	4.94	7.2	1.9	7.0
1961 . . .	71.76	3.49	75.42	0.54	3.98	4.6	0.8	5.3

1962 . . .	72.36	3.64	76.36	0.48	4.37	4.8	0.7	5.7
1963 . . .	70.12	4.55	74.69	0.75	5.18	6.1	1.1	6.9
1964 . . .	70.55	6.26	78.05	1.43	8.67	8.0	2.0	11.1
1965** . . .	77.87	7.45	84.26	4.03	10.08	8.8	5.2	12.0
1966** . . .	62.95	10.34	73.15	4.01	14.08	14.1	6.4	19.2
1967** . . .	65.67	8.72	74.80	4.33	13.00	11.7	6.6	17.4

*मूल्यों को गिरने से रोकने की योजना के अधीन की गयी खरीद शामिल है।

**अनन्तिम।

†वास्तविक उपलब्धि = वास्तविक उत्पादन + वास्तविक आयात + सरकारी स्टाक में हुई कमी।

1.9 : महत्वपूर्ण उपभोक्ता वस्तुओं की प्रति व्यक्ति उपलब्धि

वर्ष	नवम्बर से अक्टूबर तक		
	खाद्य तल† (किलोग्राम)	चीनी (किलोग्राम)	सूती कपड़ा@ (मीटर)
1950–51	3.3	3.0	11.0*
1955–56	3.4	5.0	14.4
1960–61	4.1	4.8	13.8
1961–62	4.2	5.7	14.8
1962–63	4.1	5.4	14.3
1963–64	3.8	4.9	14.6
1964–65	4.5	5.1	15.1
1965–66	3.5	5.6	14.6
1966–67*	3.4	5.1	13.8

* अनन्तिम

इस में मूंगफली का तेल, तोरिया और सरसों का तेल, नारियल का तेल और तिल का तेल शामिल है (1966–67 के संबंध में नारियल के उत्पादन क आंकड़ न होने के कारण 1965-66 के आंकड़ों के ही आधार पर नारियल के तेल की उपलब्धि के 1966–67 के आंकड़े निकाले गये हैं) ।

** 1951 से सम्बद्ध ।

@कैलेण्डर वर्षों से सम्बद्ध । 1955 के आंकड़े 1955–66 के सामने दिये गये हैं ौर इसी तरह आगे भी किया गया है ।

1.10 :रासायनिक खादों का उत्पादन, आयात और कुल उपलब्धि

(हजार मेट्रिक टनों में)

	नाइट्रोजनपूरक रासायनिक खाद (एन)			फास्फोरसपूरक रासायनिक खाद (पी$_2$ ओ$_5$)			पोटासपूरक रासायनिक खाद (के$_2$ ओ)
	उत्पादन	आयात	कुल उपलब्धि	उत्पादन	आयात	कुल उपलब्धि	आयात†
1951–52	11*	29	40	16*	–	16	8*
1952–53	46*	43	89	14*	–	14	3*
1953–54	67*	17	84	14*	1*	15	9*
1954–55	71*	21	92	23*	–	23	17
1955–56	82*	54	136	19*	–	19	11
1956–57	82*	56	138	18*	–	18	11
1957–58	80	111	191	32	–	32	13
1958–59	82	99	181	36	2	38	22
1959–60	84	164	248	48	9	57	34
1960–61	101	119	220	61	–	61	23
1961–62	152	142	294	72	–	72	32
1962–63	183	252	435	88	10	98	40
1963–64	222	226	448	126	12	138	64

1.10 : रासायनिक खाद का उत्पादन, आयात और कुल उपलब्धि—समाप्त

(हजार मेट्रिक टन में)

	नाइट्रोजनपूरक रासायनिक खाद (एन)			फास्फोरसपूरक रासायनिक खाद (पी$_2$ओ$_5$)			पोटासपूरक रासायनिक खाद (के$_2$ ओ)
	उत्पादन	आयात	कुल उपलब्धि	उत्पादन	आयात	कुल उपलब्धि	आयात†
1964–65	237	214	451	148	12	160	57
1965–66	232	309	541	137	22	159	94
1966–67**	293	602	895	144	150	294	120
1967–68**	370	970	1340	203	350	553	296

*आंकड़े कैलेण्डर वर्ष से संबन्धित हैं

**अनन्तिम

†देश में इसका उत्पादन नहीं होता

1.11: औद्योगिक उत्पादन के सूचक अंकों में प्रतिशत परिवर्तन

	वजन	1961	1962	1963	1964	1965	1966	1967 (जनवरी–सितम्बर)**
I. खान-खुदाई और पत्थर की खुदाई	7.47	7.4	9.6	9.0	−4.0	9.0	3.3	1.9
II. वस्तु-निर्माण	88.85	7.8	8.2	9.2	6.6	5.0	2.0	0.6
(क) उपभोक्ता वस्तुएं*:—	47.71	6.9	1.4	4.9	7.5	4.6	0.8	−6.5
खाद्य पदार्थ . .	13.99	9.6	−1.5	−3.6	9.0	7.5	3.6	−18.0
सूती कपड़ा . .	23.19	4.8	0.3	6.9	6.1	−0.3	−3.1	−2.2
नकली रेशों से बना कपड़ा .	2.58	4.9	5.0	8.2	28.6	4.0	−0.7	−2.7
छपाई और लिखने का कागज	0.88	6.7	2.1	27.7	6.8	4.5	14.0	−1.7
दियासलाई . .	0.58	−2.8	−6.1	−6.9	1.5	5.7	1.3	2.2
रेडियो रिसीवर्स . .	0.14	21.6	5.2	21.8	13.1	23.4	22.2	27.2
मोटर साइकिल और स्कूटर	0.01	58.3	−4.6	7.4	38.9	31.3	10.9	15.2
बाईसिकिल . .	0.49	−0.1	6.4	4.4	18.4	12.2	7.9	8.0
(ख) मध्यवर्ती वस्तुएं@:—	25.34	6.1	10.4	12.4	6.8	3.8	2.4	11.7
सूत . .	8.91	7.5	2.0	2.9	8.0	0.5	−1.8	−1.2

1.11 औद्योगिक उत्पादन के सूचक अंकों में प्रतिशत परिवर्तन--समाप्त

	वजन	1961	1962	1963	1964	1965	1966	1967 (जनवरी–सितम्बर)**
जूट से बनी वस्तुएं .	5.62	−9.0	24.7	10.3	−5.3	4.0	−16.2	7.2
मोटर गाड़ियों के टायर .	1.41	14.8	9.4	12.6	8.6	12.6	−0.2	13.2
मोटर गाड़ियों के ट्यूब .	0.14	15.8	10.7	23.5	8.9	7.0	−6.6	28.3
बुनियादी औद्योगिक रासायनिक पदार्थ .	0.97	18.1	13.1	16.7	19.1	10.3	5.2	1.5
रासायनिक खाद .	0.60	37.0	20.6	41.2	3.4	3.9	7.3	20.4
पेट्रोलियम की वस्तुएं .	3.79	6.0	8.1	16.2	10.2	6.6	23.8	24.6
बिजली के केबुल और तार .	0.72	−0.6	17.4	13.3	33.0	−7.0	8.5	43.5
(ग) पूंजीगत वस्तुएं :—†	15.80	13.2	20.6	11.2	4.6	6.9	3.6	−0.1
धातु से भिन्न खनिजों से बनी वस्तुएं . .	2.47	7.6	21.8	−7.0	4.5	8.7	−1.0	1.5
बुनियादी धातु . .	9.25	15.0	22.0	15.0	−0.7	2.9	5.7	0.5
अन्तर्दाह्य इंजन . .	0.27	−0.3	−8.7	21.4	13.8	19.7	11.6	0.8
औद्योगिक मशीनें .	0.50	25.6	17.8	35.4	19.5	17.1	6.9	−1.6
बिजली के ट्रांसफार्मर .	0.17	40.2	28.4	14.0	26.0	30.4	11.0	13.6
बिजली की मोटरें .	0.22	19.2	19.0	21.4	9.7	29.5	16.7	9.4
रेल के डिब्बे . .	1.04	41.0	61.2	13.1	23.1	6.1	−33.4	−30.5
मोटर गाड़ियां . .	1.28	4.2	4.7	−9.6	27.3	8.3	नगण्य	−0.9

III. उत्पादित बिजली . .	3.68	16.3	12.4	15.4	15.1	10.0	8.8	11.6
IV. कुल उद्योग . .	100.00	8.3	8.4	9.4	6.3	5.6	2.6	1.4

*उल्लिखित उद्योगों के अलावा इस समूह में सिगरेट, ऊनी/वर्स्टेड कपड़े, चमड़े और रबड़ के जूते, पनरोक (वाटरप्रूफ) कपड़ा, लेटेक्स फोम स्पंज, ढली रबड़ की वस्तुएं, औषध और भेषज, साबुन, रेजर ब्लेड, हरिकेन लालटेनें, आयल प्रेशर लैम्प, तामचीनी के बर्तन, बरफीदार जाली, थरमस बोतलें, सिलाई की मशीनें, वातानुकूलक, घरेलू प्रशीतक (रेफ्रिजरेटर), स्टोव, ड्राई सेल, इलेक्ट्रिक लैम्प, बिजली के पंखे और चमड़े के वस्त्र शामिल हैं ।

@उल्लिखित उद्योगों के अलावा इस समूह में ऊनी/वर्स्टेड धागे, नकली रेशम का धागा, लकड़ी और कार्क से बनी वस्तुएं, लपेटने का कागज, खास किस्म का कागज, गत्ते, चमड़े और फर की वस्तुएं, रबड़ के टायर और ट्यूब, होज़, पट्टी, रेलों की साज-सज्जा में इस्तेमाल किये जाने वाले रबड़ के उपकरण, एबोनाइट चादरें, छड़ें और ट्यूब, बिनौले का तेल, रंग-रोगन (पेंट), वार्निश और लेकर, शुद्ध रासायनिक पदार्थ और विविध रासायनिक-पदार्थ, क्राउन कार्क, अनुलिपित्र (डुप्लीकेटर), स्टोरेज बैटरी और चाप-संधान (आर्क वेल्डिंग) इलेक्ट्रोड शामिल हैं ।

†उल्लिखित उद्योगों के अलावा इस समूह में, बोल्ट, नट, पेच आदि हाथ-औजार और छोटे औजार, बाल-बेअरिंग, टाइप की मशीनें, घरों में लगाये जाने वाले मीटर, वाहक (कानड्यूट) नालियां, तीन पहियों की गाड़ियां और ट्रेलर शामिल हैं ।

**अनन्तिम ।

1.12: चुने हुए उद्योगों में उत्पादन

	इकाई	1950–51	1955–56	1960–61	1964–65	1965–66	1966–67	अप्रैल-सितम्बर 1966–67	अप्रैल-सितम्बर 1967–68*
I—खनन :									
1. कोयला . . .	दस लाख मेट्रिक टन .	32.8	39.0	55.5	64.4	70.3	70.9	34.6	35.7
2. कच्चा लोहा**** . .	दस लाख मेट्रिक टन .	3.0	4.3	11.0	15.1	18.1	19.3	9.8	9.5
II—धातु सम्बन्धी उद्योग									
3. कच्चा ढला लोहा . . .	दस लाख मेट्रिक टन.	1.69	1.95	4.31	6.67	7.09	7.01	3.42	3.38
4. इस्पात के डले . . .	दस लाख मेट्रिक टन	1.47	1.73	3.42	6.14	6.53	6.61	3.21	3.11
5. तैयार इस्पात . . .	दस लाख मेट्रिक टन	1.04	1.30	2.39	4.43	4.51	4.43	2.19	1.85
6. इस्पात ढलाई . . .	हज़ार मेट्रिक टन .	..	15	34	55	57	53	26	27
7. एल्यूमीनियम (प्राकृतिक धातु) . .	हज़ार मेट्रिक टन .	4.0	7.4	18.3	55.1	62.1	72.9	30.3	42.2
8. तांबा (प्राकृतिक धातु) . .	हज़ार मेट्रिक टन .	7.1	7.6	8.5	9.4	9.4	9.1	4.8	4.6
III—यांत्रिक इंजीनियरी उद्योग : . .									
9. मशीनी औज़ार . . .	दस लाख रुपये .	3	8	70	258	294	354	165	142

*अनन्तिम

****गोआ के उत्पादन को छोड़कर

10. कपड़ा बनाने की मशीनें	दस लाख रुपये	अप्राप्त	40	104	216	216	154	82	अप्राप्त
11. चीनी मिल की मशीनें	दस लाख रुपये	..	2	44	89	77	94	43	47
12. सीमेंट बनाने की मशीनें	दस लाख रुपये	..	4	**6	21	49	64	25	34
13. रेल के डिब्बे‡‡	हजार	2.9	15.3	8.2	23.8	23.5	15.0	7.7	5.5
14. मोटर गाड़ियां (कुल)	हजार	16.5	25.3	55.0	70.9	70.7	75.2	34.1	30.2
(i) वाणिज्यिक गाड़ियां	हजार	8.6	9.9	28.4	36.9	35.3	35.6	17.0	12.8
(ii) यात्री कारें आदि	हजार	7.9	15.4	26.6	34.0	35.4	39.6	17.1	17.4
15. मोटर साइकिल और स्कूटर	हजार	..	**0.9	19.4	37.4	40.7	47.8	23.0	28.2
16. बिजली से चलने वाले पम्प	हजार	35	37	109	191	244	311	150	158
17. डीजल इंजन (स्थिर)	हजार	5.5	10.4	44.7	74.6	93.1	112.2	52.4	56.9
18. डीजल इंजन (गाड़ियों में लगे)	हजार	..	..	10.8	8.2	8.1	6.7	3.3	1.0
19. साइकिलें	हजार	99	513	1071	1422	1574	1719	804	853
20. सिलाई की मशीनें	हजार	33	111	303	335	430	400	220	180
IV—बिजली इंजीनियरी उद्योग									
21. बिजली के ट्रांसफार्मर	हजार के०वी०ए०	179	625	1413	3593	4458	4949	2295	2618
22. बिजली की मोटरें	हजार अश्वशक्ति	99	272	728	1429	1773	2095	996	1026
23. बिजली के पंखे	हजार	199	287	1059	1275	1358	1364	674	700
24. बिजली की बत्तियां	दस लाख	14.0	25.0	43.5	68.1	72.1	83.3	40.0	41.7
25. रेडियो रिसीवर	हजार	54	102	282	512	606	761	327	410

1.12: चुने हुए उद्योगों में उत्पादन—जारी

	इकाई	1950–51	1955–56	1960–61	1964–65	1965–66	1966–67	अप्रैल-सितम्बर 1966–67	अप्रैल-सितम्बर 1967–68*
26. बिजली के केबुल और तार									
(i) एल्यूमीनियम के संवाहक (कंडक्टर)	हजार मेट्रिक टन	1.7	9.4	23.6	48.9	40.6	52.9	23.9	35.1
(ii) तांबे के खुले संवाहक (कंडक्टर)	हजार मेट्रिक टन	5.0	8.7	10.1	5.3	3.1	1.7	0.9	0.3
V—रासायनिक और सम्बद्ध उद्योग									
27. नाइट्रोजन युक्त रासायनिक खाद	हजार मेट्रिक टन नाइट्रोजन	9	80	101	237	232	293	132	146
28. फासफेटिक रासानियक खाद	हजार मेट्रिक टन पी$_2$ओ$_5$	9	12	53	132	122	144	73	88
29. गंधक का तेजाब	हजार मेट्रिक टन	101	167	368	696	662	702	356	388
30. सोडा ऐश	हजार मेट्रिक टन	45	82	152	287	331	348	171	174
31. कास्टिक सोडा	हजार मेट्रिक टन	12	36	101	192	218	233	115	123
32. कागज और गत्ता	हजार मेट्रिक टन	116	190	350	493	558	580	289	310
33. रबड़ के टायर और ट्यूब									
(i) मोटर गाड़ियों के टायर	दस लाख	अप्राप्त	0.90	1.44	2.16	2.31	2.43	1.13	1.27

*अनन्तिम

**कैलेण्डर वर्ष से संबंधित

‡‡रेलवे वर्कशाप के उत्पादन को छोड़ कर

(ii) मोटर गाड़ियों के ट्यूब .	दस लाख	अप्राप्त	0.80	1.35	2.19	2.27	2.40	1.06	1.39
(iii) साइकिलों के टायर . .	दस लाख	अप्राप्त	5.80	11.15	16.45	18.46	20.34	9.68	11.58
(iv) साइकिलों के ट्यूब . .	दस लाख	अप्राप्त	5.69	13.27	16.06	18.62	20.75	9.97	10.11
34. सीमेंट	दस लाख मेट्रिक टन	2.73	4.67	7.97	9.78	10.82	11.07	5.33	5.59
35. तेज गर्मी सहन करने वाली सामग्री (रिफ्रैक्टरीज)	हजार मट्रिक टन	237	293	567	690	695	730	359	375
36. परिशोधित पेट्रोल से बनी वस्तुएं .	दस लाख मट्रिक टन	0.2	3.4	5.8	8.5	9.4	11.9	5.5	6.8

VI—वस्त्र उद्योग

37. जूट से बनी वस्तुएं . .	हजार मैट्रिक टन	837	1071	1097	1292	1302	1117	529	582
38. सूती धागा	दस लाख किलोग्राम	534	744	801	968	907	902	467	458
39. सूती कपड़ा—जोड़ . .	दस लाख मीटर	4215	6260	6738	7744	7440	7304	3763	3654
(i) मिल क्षेत्र	दस लाख मीटर	3401	4665	4649	4675	4401	4202	2217	2093
(ii) विकेन्द्रित क्षेत्र	दस लाख मीटर	814	1595	2089	3069	3039	3101	1545	1561
40. रेयन का धागा** . .	हजार मट्रिक टन	2.1	13.5	43.8	72.3	75.6	80.6	38.5	46.7
41. नकली रेशम के कपड़े .	दस लाख मीटर	287†	331**	544**	839	878	862	432	अप्राप्त

1.12: चुने हुए उद्योगों में उत्पादन—जारी

	एकक	1950 –51	1955 –56	1960 –61	1964 –65	1965 –66	1966 –67	अप्रैल-सितम्बर 1966 –67	अप्रैल-सितम्बर 1967 –68*
42. ऊन से बनी वस्तुएं :									
(i) ऊनी/वर्स्टेड धागा	दस लाख किलोग्राम	8.7	9.8	13.0	20.4	17.0	16.9	8.3	8.2
(ii) ऊनी/वर्स्टेड कपड़े (पहनने योग्य)	दस लाख मीटर	6.1‡	6.8**	18.4	11.2	9.2	9.5	4.8	4.3
VII—खाद्य उद्योग :									
43. चीनी** . . .	हजार मेट्रिक टन	1134	1890	3029	3261	3510*	2147*	737	143
44. चाय	दस लाख किलोग्राम	277	299	320	374	373	369	255	265
45. कहवा	हजार मेट्रिक टन	21.0	29.0	54.1	63.4	62.1	71.0	39.4	40.0
46. बनास्पती . . .	हजार मेट्रिक टन	170	280	340	366	401	366	169	185
III—बिजली (उत्पादित)‡	अरब किलोवाट	5.3	8.8	17.0	29.0	32.0	35.0	17.1	19.0

*अनन्तिम

**ये आंकड़े कैलेण्डर वर्ष के हैं।

***ये आंकड़े नवम्बर से अक्टूबर तक के चीनी के मौसम के हैं।

‡ये केवल जन उपयोगी सेवाओं के बारे में हैं।

‡‡विस्कोज धागा, स्टेपल धागा, और एसीटेट धागा शामिल है।

†ये आंकड़े 1951 के हैं।

1.12 : चुने हुए उद्योगों में उत्पादन—जारी

	इकाई	1966–67				1967–68*	
		पहली तिमाही	दूसरी तिमाही	तीसरी तिमाही	चौथी तिमाही	पहली तिमाही	दूसरी तिमाही
I—खनन :							
1. कोयला . .	दस लाख मेट्रिक टन	17.5	17.1	17.9	18.4	18.4	17.3
2. कच्चा लोहा**** .	दस लाख मेट्रिक टन	5.0	4.8	4.7	4.8	4.8	4.7
II—धातु सम्बन्धी उद्योग :							
3. कच्चा ढला लोहा .	दस लाख मेट्रिक टन	1.73	1.69	1.80	1.79	1.69	1.69
4. इस्पात के डले . .	दस लाख मेट्रिक टन	1.61	1.60	1.70	1.70	1.55	1.56
5. तैयार इस्पात . .	दस लाख मेट्रिक टन	1.11	1.08	1.11	1.13	0.86	0.99
6. इस्पात ढलाई . .	हजार मेट्रिक टन	12	14	13	14	14	13
7. एल्यूमीनियम (प्राकृतिक धातु)	हजार मेट्रिक टन	13.8	16.5	18.6	24.0	22.8	19.4
8. तांबा (प्राकृतिक धातु) .	हजार मेट्रिक टन	2.4	2.4	2.5	1.8	2.3	2.3
III—यांत्रिक इंजीनियरी उद्योग :							
9. मशीनी औजार . .	दस लाख रुपये	85	80	87	102	73	69
10. कपड़ा बनाने की मशीनें .	दस लाख रुपये	43	39	35	37	36	अप्राप्त
11. चीनी मिल की मशीनें .	दस लाख रुपये	16	27	24	27	22	25
12. सीमेंट बनाने की मशीनें .	दस लाख रुपये	6	19	25	14	16	18
13. रेल के डिब्बे . .	हजार	3.7	4.0	4.0	3.3	3.0	2.5
14. मोटर गाड़ियां (कुल)	हजार	15.9	18.2	19.0	22.1	15.6	14.6

1.12 चुने हुए उद्योगों में उत्पादन—जारी

	इकाई	1966–67				1967–68*	
		पहली तिमाही	दूसरी तिमाही	तीसरी तिमाही	चौथी तिमाही	पहली तिमाही	दूसरी तिमाही
(i) वाणिज्यिक गाड़ियां .	हजार	8.1	8.9	8.6	10.0	6.6	6.2
(ii) यात्री कारें आदि .	हजार	7.8	9.3	10.4	12.1	9.0	8.4
15. मोटर साइकिल और स्कूटर	हजार	10.5	12.5	13.5	11.5	12.7	15.5
16. बिजली से चलने वाले पम्प	हजार	76	74	75	86	82	76
17. डीजल इंजन (स्थिर)	हजार	25.8	26.6	.29.1	30.7	27.9	29.0
18. डीजल इंजन (गाड़ियों में लगे)	हजार	1.7	1.6	1.8	1.6	0.4	0.6
19. साइकिलें . .	हजार	401	403	451	464	434	419
20. सिलाई की मशीनें	हजार	115	105	81	99	95	85
IV—बिजली इंजीनियरी उद्योग :							
21. बिजली के ट्रांसफार्मर .	हजार के० वी० ए०	1141	1154	1277	1377	1265	1353
22. बिजली की मोटरें .	हजार अश्वशक्ति	494	502	532	567	506	520
23. बिजली के पंखे . .	हजार	337	337	329	360	363	337
24. बिजली की बत्तियां .	दस लाख	19.4	20.6	22.2	21.1	21.0	20.7
25. रेडियो रिसीवर . .	हजार	167	160	233	201	197	213
26. बिजली के केबुल और तार :							

*अनन्तिम

****गोआ में हुए उत्पादन को छोड़ कर

†रेलवे वर्कशाप के उत्पादन को छोड़ कर

(i) एल्यूमीनियम के संवाहक (कंडक्टर) . .	हजार मेट्रिक टन	11.4	12.5	13.4	15.6	16.6	18.5
(ii) तांबे के खले संवाहक (कंडक्टर) . .	हजार मेट्रिक टन	0.4	0.5	0.5	0.3	0.1	0.2
V–रासायनिक और सम्बद्ध उद्योग							
27. नाइट्रोजनयुक्त रासायनिक खाद	हजार मेट्रिक टन नाइट्रोजन	59	73	72	89	68	78
28. फासफेटिक रसायानिक खाद .	हजार मेट्रिक टन पी० 2 ओ० 5	34	39	34	37	40	48
29. गंधक का तेजाब . .	हजार मेट्रिक टन	168	188	167	179	158	230
30. सोडा एश . .	हजार मेट्रिक टन	87	84	91	86	86	88
31. कास्टिक सोडा . .	हजार मेट्रिक टन	54	61	60	58	57	66
32. कागज और गत्ता . .	हजार मेट्रिक टन	141	148	151	140	150	160
33. रबड़ के टायर और ट्यूब							
(i) मोटर गाड़ियों के टायर	दस लाख	0.49	0.64	0.67	0.63	0.57	0.70
(ii) मोटर गाड़ियों के ट्यूब	दस लाख	0.47	0.59	0.65	0.69	0.69	0.70
(iii) साइकिलों के टायर .	दस लाख	4.34	5.34	5.37	5.29	5.71	5.87
(iv) साइकिलों के ट्यूब .	दस लाख	4.33	5.64	5.49	5.29	5.01	5.10
34. सीमेंट . . .	दस लाख मेट्रिक टन	2.61	2.72	2.92	2.82	2.89	2.70
35. तेज गर्मी सहन करने वाली सामग्री (रिफ्रैक्टरीज)	हजार मेट्रिक टन	178	181	186	185	187	188
36. परिशोधित पेट्रोल से बनी वस्तुएं	दस लाख मेट्रिक टन	2.7	2.8	3.2	3.2	3.3	3.5

S/238 M of Fin.—3.

1.12 : चुने हुए उद्योगों में उत्पादन—समाप्त

	इकाई	1966–67				1967–68*	
		पहली तिमाही	दूसरी तिमाही	तीसरी तिमाही	चौथी तिमाही	पहली तिमाही	दूसरी तिमाही
VI—वस्त्र उद्योग							
37. जूट से बनी वस्तुएं . .	हजार मेट्रिक टन	266	263	291	297	301	281
38. सूती धागा . .	दस लाख किलोग्राम	226	241	227	208	223	235
39. सूती कपड़ा (जोड़) .	दस लाख मीटर	**1841**	**1922**	**1846**	**1695**	**1762**	**1892**
(i) मिल क्षेत्र . .	दस लाख मीटर	1092	1125	1044	941	1016	1077
(ii) विकेन्द्रित क्षेत्र .	दस लाख मीटर	748	797	802	754	746	815
40. रेयन का धागा** .	हजार मेट्रिक टन	18.3	20.2	20.4	21.7	22.7	24.0
41. नकली रेशम के कपड़े .	दस लाख मीटर	224	208	212	218	208	अप्राप्त
42. ऊन से बनी वस्तुएं :							
(i) ऊनी/वर्स्टेड धागा .	दस लाख किलोग्राम	4.1	4.2	4.5	4.1	4.1	4.1
(ii) ऊनी/वर्स्टेड कपड़े (पहनने योग्य) . .	दस लाख मीटर	1.8	3.0	2.8	1.9	2.0	2.3

**विस्काज धागा, स्टेपल धागा और एसेटेट धागा शामिल है ।

VII—खाद्य उद्योग :							
43. चीनी . . .	हजार मेट्रिक टन	702	35	688	1322	137	6
44. चाय . . .	दस लाख किलोग्राम	92	163	98	16	97	168
45. कहवा . . .	हजार मेट्रिक टन	32.0	7.2	4.9	26.7	29.6	10.4
46. बनास्पती .	हजार मेट्रिक टन	89	80	96	101	97	88
VIII—बिजली (उत्पादित)	†अरब किलोवाट	8.3	8.8	9.0	8.9	9.3	9.7

*अनन्तिम

†ये केवल जनोपयोगी सेवाओं के बारे में हैं।

1.13: चुनी हुई वस्तुओं के स्टाक और उत्पादन का अनुपात

		1965		1966				1967		
		तीसरी तिमाही	चौथी तिमाही	पहली तिमाही	दूसरी तिमाही	तीसरी तिमाही	चौथी तिमाही	पहली तिमाही	दूसरी तिमाही	तीसरी* तिमाही
I. स्टाक अनुपात: वृद्धिकारी प्रवृत्ति: —										
1. कच्चा ढला लोहा (हजार मेट्रिक टनों में)	उत्पादन	610	610	609	576	564	598	596	564	565
	स्टाक	95	87	85	198	233	226	195	206	167
	अनुपात (प्रतिशत)	16	14	14	34	41	38	33	37	30
2. तैयार इस्पात (हजार मेट्रिक टनों में)	उपादन	379	379	395	369	362	368	379	289	333
	स्टाक	172	148	146	176	192	200	216	224	187
	अनुपात (प्रतिशत)	45	39	37	48	53	54	57	78	56
3. कोयला (हजार मेट्रिक टनों में)	उत्पादन	5722	5883	5975	5845	5709	5979	6141	6143	5756
	स्टाक	4738	4611	4871	4957	5014	5426	6008	6132	5730
	अनुपात (प्रतिशत)	83	78	82	85	88	91	98	100	100

1.13: चुनी हुई वस्तुओं के स्टाक और उत्पादन का अनुपात—जारी

		1965		1966				1967		
		तीसरी तिमाही	चौथी तिमाही	पहली तिमाही	दूसरी तिमाही	तीसरी तिमाही	चौथी तिमाही	पहली तिमाही	दूसरी तिमाही	तीसरी* तिमाही
4. कच्चा लोहा . . (हजार मेट्रिक टनों में)	उत्पादन	1400	1600	1733	1667	1606	1564	1590	1606	1550
	स्टाक	1735	1929	2290	2668	2991	3218	3454	3760	3903
	अनुपात (प्रनिशत)	124	121	132	160	186	206	217	234	252
5. सीमेंट . . . (हजार मेट्रिक टनों में)	उत्पाद	863	943	933	870	907	975	943	966	899
	स्टाक	150	162	133	177	156	204	199	236	200
	अनुपात (प्रतिशत)	17	17	14	20	17	21	21	24	22
6. इस्पात ढलाई . . (मेट्रिक टनों में)	उत्पादन	4667	5000	4333	4000	4560	4344	4556	4695	4379
	स्टाक	12616	10628	10203	9042	11141	10921	13500	13752	16458
	अनुपात (प्रतिशत)	270	213	235	226	244	251	296	293	376
7. डीजल इंजन (स्थिर) . (संख्या)	उत्पादन	7400	8500	8500	8600	8877	9715	10220	9305	9653
	स्टाक	5114	1875	2480	4566	7149	3698	3968	4652	8496
	अनुपात (प्रतिशत)	69	22	29	53	81	38	39	50	88
8. बिजली की मोटरें . . (हजार अश्व शक्ति)	उत्पादन	141	151	153	165	167	177	189	169	173
	स्टाक	110	93	97	123	122	110	145	131	195
	अनुपात (प्रतिशत)	78	62	63	75	73	62	77	78	113

1.13: चुनी हुई वस्तुओं के स्टाक और उत्पादन का अनुपात—जारी

		1965		1966				1967		
		तीसरी तिमाही	चौथी तिमाही	पहली तिमाही	दूसरी तिमाही	तीसरी तिमाही	चौथी तिमाही	पहली तिमाही	दूसरी तिमाही	तीसरी* तिमाही
9. जूट से बनी वस्तुएं . .	उत्पादन	113	107	67	88	88	97	99	100	94
(हजार मेट्रिक टनों में)	स्टाक	123	122	123	122	117	123	132	125	148
	अनुपात (प्रतिशत)	109	114	183	139	133	127	133	125	157
10. साइकिलों के टायर . .	उत्पादन	1641	1466	1526	1448	1780	1793	1764	1904	1956
(हजारों में)	स्टाक	202	244	195	183	310	392	436	485	616
	अनुपात (प्रतिशत)	12	16	13	12	17	22	25	25	31
11. साइकिलों के ट्यूब . .	उत्पादन	1637	1385	1656	1446	1882	1833	1763	1669	1700
(हजारों में)	स्टाक	224	226	337	334	712	831	855	1066	1266
	अनुपात (प्रतिशत)	14	16	20	23	38	45	48	64	74
12. कास्टिक सोडा . .	उत्पादन	18	18	19	18	20	20	19	19	22
(हजार मेट्रिक टनों में)	स्टाक	5	7	7	7	11	15	15	10	13
	अनुपात (प्रतिशत)	28	39	37	39	55	75	79	53	59
13. रेजर ब्लेड . .	उत्पादन	77	74	68	73	81	79	68	72	69
(दस लाख की संख्या में)	स्टाक	39	42	68	57	117	116	100	102	100
	अनुपात (प्रतिशत)	51	57	100	78	144	147	147	142	145
14. रेडियो रिसीवर . .	उत्पादन	50	58	51	55	53	78	67	66	71
(हजारों में) .	स्टाक	15	10	12	23	23	35	41	39	32
	अनुपात (प्रतिशत)	30	17	24	42	43	45	61	59	45

15. साइकिलें (हजारों में)	उत्पादन	124	131	138	134	134	150	155	145	140
	स्टाक	73	36	49	78	79	82	97	102	108
	अनुपात (प्रतिशत)	59	27	36	58	59	55	63	70	77
16. दीवार घड़ियां (संख्या)	उत्पादन	5551	5215	5140	5023	6129	6236	6661	7069	6886
	स्टाक	648	853	1371	1561	1620	1866	3324	2352	3459
	अनुपात (प्रतिशत)	12	16	27	31	26	30	50	33	50
II. स्टाक अनुपात : दोनों में घट बढ़ :										
17. डीजल ट्रक (संख्या)	उत्पादन	1561	1849	2054	1606	1720	2000	1881	1279	1346
	स्टाक	1124	1223	717	867	878	1174	545	702	744
	अनुपात	72	66	35	54	51	59	29	55	55
18. डीजल बसें (संख्या)	उत्पादन	680	626	602	627	639	539	793	648	620
	स्टाक	324	707	193	171	161	234	160	249	155
	अनुपात (प्रतिशत)	48	113	32	27	25	43	20	38	25
19. मोटर गाड़ियों के टायर (हजारों में)	उत्पादन	208	175	183	164	213	224	209	190	234
	स्टाक	93	65	80	77	89	75	74	79	83
	अनुपात (प्रतिशत)	45	37	44	47	42	33	35	42	35
20. मोटर गाड़ियों के ट्यूब (हजारों में)	उत्पादन	209	174	167	155	198	216	230	228	233
	स्टाक	126	76	89	97	96	96	110	128	149
	अनुपात (प्रतिशत)	60	44	53	63	49	44	48	56	64

1.13: चुनी हुई वस्तुओं के स्टाक और उत्पादन का अनुपात—जारी

		1965		1966				1967		
		तीसरी तिमाही	चौथी तिमाही	पहली तिमाही	दूसरी तिमाही	तीसरी तिमाही	चौथी तिमाही	पहली तिमाही	दूसरी तिमाही	तीसरी* तिमाही
21. गन्धक का तेजाब . .	उत्पादन	53	58	51	56	63	56	60	53	77
(हजार मैट्रिक टनों में)	स्टाक	25	30	29	19	32	28	27	24	31
	अनुपात (प्रतिशत)	47	52	57	34	51	50	45	45	40
22. सोडा ऐश . .	उत्पादन	27	28	29	29	28	30	29	29	29
(हजार मेट्रिक टनों मे)	स्टाक	8	9	9	16	6	14	10	6	8
	अनुपात (प्रतिशत)	30	32	31	55	21	47	34	21	28
23. सूती कपड़ा (मिल का बना हुआ)	उत्पादन	391	361	326	364	375	348	314	339	359
(दस लाख मीटरों मे)	स्टाक	387	293	206	180	205	199	175	178	197
	अनुपात (प्रतिशत)	99	81	63	49	55	57	56	53	55
24. वातानुकूलक . .	उत्पादन	1028	1010	1269	1661	1648	1395	1238	2262	1627
(संख्या)	स्टाक	730	803	450	483	1085	1567	1460	780	942
	अनुपात (प्रतिशत)	71	80	35	29	66	112	118	34	58
25. प्रशीतक (रेफ्रीजरेटर्स) .	उत्पादन	2608	2531	2303	3311	3407	3687	3413	3050	3619
(संख्या)	स्टाक	5486	6497	4693	3607	4990	7706	7056	3426	5765
	अनुपात (प्रतिशत)	210	257	204	109	146	209	207	112	159

26. बिजली के लैम्प (हजारों में)	उत्पादन	6647	5921	5708	6456	6865	7384	7039	7001	6890
	स्टाक	3062	3765	2519	3065	3160	3614	3594	3417	3274
	अनुपात (प्रतिशत)	46	64	44	47	46	49	51	49	48
27. बिजली के पंखे (हजारों में)	उत्पादन	118	115	97	112	112	110	120	121	112
	स्टाक	142	208	165	139	116	132	152	108	129
	अनुपात (प्रतिशत)	120	181	170	124	104	120	127	89	115

III स्टाक अनुपात : गिरावट की प्रवृत्ति†††

28. भारी ढांचे (मेट्रिक टनों में)	उत्पादन	8482	7892	7948	7347	7196	6193	4989	2254	1824
	स्टाक	4847	4338	4308	4611	4123	4031	4751	1790	191
	अनुपात (प्रतिशत)	57	55	54	63	57	65	95	79	10
29. बिजली से चलने वाले पम्प (हजारों में)	उत्पादन	19	21	23	25	25	24	29	27	25
	स्टाक	12	9	12	13	19	15	14	17	3
	अनुपात (प्रतिशत)	63	43	52	52	76	63	48	63	12
30. बिजली के ट्रांसफार्मर (हजार के० वी० ए०)	उत्पादन	349	402	407	380	335	426	459	422	451
	स्टाक	392	384	495	572	581	454	489	568	589
	अनुपात (प्रतिशत)	112	96	122	151	151	107	107	135	131

1.13 : चुनी हुई वस्तुओं के स्टाक और उत्पादन का अनुपात--समाप्त

		1965		1966				1967		
		तीसरी तिमाही	चौथी तिमाही	पहली तिमाही	दूसरी तिमाही	तीसरी तिमाही	चौथी तिमाही	पहली तिमाही	दूसरी तिमाही	तीसरी* तिमाही
31. सिलाई की मशीनें (हजारों में)	उत्पादन@	37	35	36	38	35	27	33	32	28
	स्टाक	28	38	41	42	35	29	29	24	19
	अनुपात (प्रतिशत)	76	109	114	111	100	107	88	75	68

*अनन्तिम

†इस वर्ग में शामिल मदों के स्टाक का अनुपात 1965 की तीसरी तिमाही के मुकाबले 1967 की इसी तिमाही में सामान्यतः ऊंचा रहा। कुल मिलाकर अनुपात की गति भी वृद्धि की ओर है।

††इस वर्ग में शामिल की गयी मदों के स्टाक के अनुपात की गति दोनों ओर घटबढ़ होने के बावजूद निश्चित नहीं है।

†††@इस वर्ग में शामिल की गयी अधिकतर मदों के स्टाक का अनुपात 1965 की तीसरी तिमाही के मुकाबले 1967 की इसी तिमाही में कम रहा। कुल मिलाकर अनुपात की गति भी नीचे की ओर है।

टिप्पणियां :

1. उत्पादन-सम्बन्धी आंकड़े तिमाही आंकड़ों के मासिक औसत हैं।
2. स्टाक के आंकड़े तिमाही के अन्त के हैं।
3. ये आंकड़े स्टाक और उत्पादन के अनुपात के हैं।

2·1: केन्द्रीय सरकार, राज्य सरकारों और संघीय राज्य क्षेत्रों के बजट सम्बन्धी लेनदेन

(करोड़ रुपयों मे)

	1964–65	1965–66	1966–67 (संशोधित)	1967–68 (बजट)
I. **कुल परिव्यय**	4754	5611	6424	6543
(क) विकास*	2939	3446	3629	3829
1. आयोजना	2031	2377‡	2221	2246
2. गैर-आयोजना	908	1069	1408	1583
(ख) विकास से भिन्न**	1815	2165	2795†	2714
1. रक्षा (शुद्ध)	806	885	942	963
2. सरकारी ऋण पर ब्याज	354	422	540	603
3. कर–संग्रह का व्यय	83	99	108	120
4. पुलिस	158	190	211	230
5. अन्य	414	569	994	798
II. **चालू राजस्व**	3332	3785	4147	4720
(क) कर–राजस्व	2599	2922	3244	3606
1. आय कर और निगम कर	581	577	625	640
2. सीमा शुल्क	398	539	596	643
3. केन्द्रीय उत्पादन शुल्क	802	898	1030	1214
4. बिक्री कर	330	381	451	522
5. अन्य कर	488	527	542	587
(ख) कर से भिन्न राजस्व	733	863	903	1114
(जिसमें सरकारी प्रतिष्ठानों द्वारा आयोजना में अंशदान)‡‡	(164)	(189)	(158)	(276).
III. **अन्तर** (I–II)	1422	1826	2277	1823
जो नीचे लिखे अनुसार पूरा किया गया				
IV. **पूंजीगत प्राप्तियां (शुद्ध)**	1270	1492	2129	1734
(क) आन्तरिक	683	830	1230	732

*इसमे रेलों और गैर-विभागीय प्रतिष्ठानों का आयोजना संबन्धी वह व्यय, जो उन्होंने अपने साधनों से किया है और केन्द्रीय सरकार तथा राज्य सरकारों द्वारा स्थानीय निकायों, गैर-विभागीय वाणिज्यिक प्रतिष्ठानों (बिजली बोर्डों सहित) और अन्य पक्षों को दिये गये ऋण शामिल हैं।

**विशेष विकास निधि और अन्य निधियों को किये गये अंतरण को छोड़ कर।

‡‡ रेलों, डाक और तार तथा अन्य गैर-वाणिज्यिक प्रतिष्ठानों के आयोजना में अंशदान सहित।

†इसमें अवमूल्यन के परिणामस्वरूप अन्तर्राष्ट्रीय मुद्रानिधि आदि को रुपयों में दिये गये 207 करोड़ रुपये के अतिरिक्त अभिदान और सेवा संबंधी व्यय के लिये दिये गये 12 करोड़ रुपये अर्थात कुल मिलाकर 219 करोड़ रुपये की रकम शामिल है।

††इसमें, केन्द्रीय बजट के मामले में बजट पेश करने के बाद दी गयी 11 करोड़ रुपये की रियायतें और राज्य सरकारों द्वारा अपने बजट पेश करने के बाद लगाये गये अतिरिक्त करों को हिसाब में नहीं लिया गया।

‡अनन्तिम।

2.1: केन्द्रीय सरकार, राज्य सरकारों और संघीय राज्य क्षेत्रों के बजट सम्बन्धी लेनदेन—समाप्त

(करोड़ रुपयों में)

	1964–65 वास्तविक	1965–66 वास्तविक	1966–67 (संशोधित)	1967–68 (बजट)
1. बाजार ऋण (शुद्ध)∅∅ .	218	247	205	200
2. छोटी बचतें, इनामी बांड, प्रीमियम इनामी बांड और स्वर्ण बांड (शुद्ध) .	129	138	128	129
3. भविष्य निधि और अनिवार्य जमा/आयकर वार्षिकी जमा (शुद्ध) . .	117	120	106	115
4. विविध पूंजीगत प्राप्तियां (शुद्ध)	219	325	791@	289
(ख) बाह्य (शुद्ध) . .	587	662	899	1002
1. ऋण, वास्तविक (पी० एल० 480 को छोड़ कर) .	348	402	474	670
2. कुल (ग्रास) . .	416	482	642	865
घटाइए—वापसियां .	68	80	168	195
2. अनुदान (पी० एल० 480 को छोड़ कर)@@ . .	9	8	97	41
3. पी०एल० 480 सम्बन्धी सहायता ∅∅∅	230	252	328	291
(क) पी०एल० 480 सम्बन्धी ऋण	170	80	350	150
(ख) अमेरिका की सरकार की प्रतिरूप निधियों में जमा रकमों का निवेश (शुद्ध) .	−62	112	−27	135
(ग) पी०एल० 480 सम्बन्धी अनुदान	122	60	5	6
V. बजट सम्बन्धी सम्पूर्ण घाटा .	152	334	148	89

∅∅ राज्य बिजली बोर्डों द्वारा लिये गये ऋणों सहित

∅∅∅ यह पी० एल० 480 के अन्तर्गत हुए कुल आयात के बराबर है। पी० एल० 480 के अन्तर्गत मिलने वाली सहायता, बजट में या तो (क) ऋणों के रूप में या (ख) अनुदानों के रूप में या (ग) विशेष प्रतिभूतियों में निवेश की गयी जमा रकमों के रूप में जमा दिखायी जाती है। वित्तीय विवरण में दिखाये गये, विशेष प्रतिभूतियों में किये गये निवेश में, भारतीय राज्य बैंक से किये गये पी० एल० 480 सम्बन्धी अन्तरण शामिल होते हैं। इस सारणी में इन अन्तरणों की रकमों को, जो 1965–66 तक किये जा चुके थे, "विविध पूंजीगत प्राप्तियां" शीर्षक के अन्तर्गत आन्तरिक प्राप्तियों के रूप में दिखाया जाता है।

@अवमूल्यन के परिणामस्वरूप अन्तर्राष्ट्रीय मुद्रा निधि, अन्तर्राष्ट्रीय पुनर्निर्माण और विकास बैंक, अन्तर्राष्ट्रीय विकास संघ के नाम जारी की गयी प्रतिभूतियों सहित।

@@कनाडा, सोवियत समाजवादी जनतन्त्र संघ और आस्ट्रेलिया से उपहार के रूप मे प्राप्त अन्न के मूल्य सहित।

केन्द्रीय सरकार का कुल व्यय

2.2 : केन्द्रीय सरकार का

	1950–51	जोड़ पहली आयोजना	जोड़ दूसरी आयोजना	जोड़ तीसरी आयोजना	1960–61
1. अन्तिम परिव्यय	314.8	1853.6	3406.0	6701.1	740.4
(क) सरकारी खपत का व्यय .	234.7	1241.3	1961.5	4256.0	433.0
(ख) कुल पूंजी निर्माण	80.1	612.3	1444.5	2445.1	307.4
2. शेष अर्थव्यवस्था को अन्तरण सम्बन्धी अदायगियां .	116.9	931.9	1816.4	3483.8	495.2
(क) चालू अन्तरण	110.9	809.2	1567.1	2982.9	426.5
(ख) पूंजी अन्तरण	6.0	122.7	249.3	500.9	68.7
3. शेष अर्थव्यवस्था में वित्तीय निवेश और ऋण (कुल)	72.0	965.7	2600.2	5075.9	570.0
4. कुल व्यय .	503.7	3751.2	7822.6	15260.8	1805.6

कुल व्यय

(करोड़ रुपयों में)

1961–62	1962–63	1963–64	1964–65	1965–66	1966–67 संशोधित अनुमान	1967–68 बजट अनुमान
820.9	1092.3	1554.6	1603.8	1629.5	1812.3	1806.8
477.8	660.2	1002.8	1006.1	1109.1	1247.2	1279.4
343.1	432.1	551.8	597.7	520.4	565.1	527.4
531.1	623.6	664.7	778.7	885.7	1266.4	1293.2
457.1	532.9	567.7	671.4	753.8	1115.0	1166.9
74.0	90.7	97.0	107.3	131.9	151.4	126.3
687.2	816.6	987.3	1106.4	1478.4	1773.6	1420.3
2039.2	2532.5	3206.6	3488.9	3993.6	4852.3	4520.3

2.3 : केन्द्रीय सरकार के बजट

	1950–51	जोड़ पहली आयोजना	जोड़ दूसरी आयोजना	जोड़ तीसरी आयोजना
क. केन्द्रीय सरकार द्वारा कुल पूंजी निर्माण . . .				
(क) स्थिर परिसम्पत्ति . .	79.5	593.9	1362.3	2355.4
(ख) निर्माण सम्बन्धी सामान .	9.9	9.8	8.3	99.5
(ग) अन्न के स्टाक में वृद्धि .	–9.3	8.6	73.9	–9.8
जोड़ .	**80.1**	**612.3**	**1444.5**	**2445.1**
ख. पूंजी निर्माण के लिये कुल वित्तीय सहायता				
(क) राज्य सरकारों को .	41.1	815.7	1373.2	2837.4
(ख) गैर वाणिज्यिक प्रतिष्ठानों को†	5.	81.1	932.4	1658.8
(ग) औरों को†† . .	2.4	95.9	154.7	210.4
जोड़ .	**48.7**	**992.7**	**2460.3**	**4706.6**
ग. केन्द्रीय सरकार के बजट सम्बन्धी साधनों से कुल पूंजी-निर्माण (क+ख) . .	**128.8**	**1605.0**	**3904.8**	**7151.7**

†स्वायत्त निगमों या कम्पनियों द्वारा संचालित सरकारी प्रतिष्ठान ।

††पूंजी–निर्माण के लिए स्थानीय प्राधिकरणों को दिये गये ऋणों और अनुदानों सहित ।

सम्बन्धी साधनों से कुल पूंजी निर्माण

(करोड़ रुपयों में)

1960–61	1961–62	1962–63	1963–64	1964–65	1965–66	1966-67 संशोधित	1967-68 बजट
302.0	331.4	424.9	498.7	551.3	549.1	506.9	529.1
−38.4	−0.7	26.9	43.3	28.8	1.2	15.7	16.2
43.8	12.4	−19.7	9.8	17.6	−29.9	42.5	−17.9
307.4	343.1	432.1	551.8	597.7	520.4	565.1	527.4
319.3	374.4	447.6	604.4	671.6	739.4	727.1	699.5
210.7	208.6	258.8	334.6	364.2	492.6	520.9	439.2
24.6	36.3	38.4	33.8	48.9	53.0	69.8	59.9
554.6	619.3	744.8	972.8	1084.7	1285.0	1317.8	1198.6
862.0	962.4	1176.9	1524.6	1682.4	1805.4	1882.9	1726.0

2.4 विकास के शीर्षकों के अनुसार केन्द्र, राज्यों और संघीय राज्य क्षेत्रों का आयोजना परिव्यय

(लाख रुपयों में)

	1960–61	1961–62	1962–63	1963–64	1964–65	1965–66 *	तीसरी आयोजना जोड़	1966–67 **	1967–68 ***
1. कृषि सम्बन्धी कार्यक्रम	9381 (8.39)	8370 (7.42)	10112 (7.30)	13336 (7.80)	18498 (9.11)	23186 (9.75)	73502 (8.52)	26889 (12.11)	29665 (13.21)
2. सहकारिता		938 (0.83)	1354 (0.98)	1851 (1.08)	1752 (0.86)	1769 (0.75)	7664 (0.89)	7766 (3.50)	7985 (3.56)
3. सामुदायिक विकास और पंचायतें	5905 (5.28)	5500 (4.88)	5885 (4.24)	5584 (3.27)	5929 (2.92)	6251 (2.63)	29149 (8.38)		
4. सिंचाई और बाढ़-नियंत्रण	10355 (9.26)	10600 (9.40)	11454 (8.27)	12049 (7.05)	14919 (7.35)	16716 (7.03)	65738 (7.62)	14376 (6.47)	14677 (6.53)
5. बिजली	10623 (9.50)	13948 (12.37)	18241 (13.16)	25705 (15.04)	30565 (15.05)	37780 (15.89)	126239 (14.62)	39927 (17.98)	38478 (17.13)
6. बड़े और दरमियाने दर्जे के उद्योग	16177 (14.47)	19298 (17.11)	25413 (18.34)	34068 (19.93)	40385 (19.89)	53068 (22.32)	172232 (19.95)	54284 (24.45)	52019 (23.16)
7. खनिज विकास	4132 (3.70)	194 (0.17)	180 (0.13)	234 (0.14)	245 (0.12)	371 (0.16)	1224 (0.14)		
8. ग्रामोद्योग और लघु उद्योग	4670 (4.18)	3759 (3.33)	3976 (2.87)	4315 (2.52)	4894 (2.41)	5503 (2.31)	22447 (2.60)	4533 (2.04)	4355 (1.94)

9. रेलवे		17564 (15.57)	24901 (17.97)	30190 (17.66)	31424 (15.47)	28249 (11.88)	132328 (15.33)		
10. अन्य परिवहन और संचार	24856 (22.23)	12086 (10.72)	12555 (9.06)	15783 (9.23)	19197 (9.45)	19621 (8.26)	79242 (9.18)	43187 (19.45)	41876 (18.64)
11. शिक्षा	9110 (8.15)	7771 (6.89)	10019 (7.23)	12300 (7.20)	16352 (8.05)	20644 (8.68)	67086 (7.77)	11409 (5.14)	13072 (5.82)
12. स्वास्थ्य	6954 (6.22)	5443 (4.83)	6490 (4.68)	6397 (3.74)	7694 (3.79)	9682 (4.07)	35706 (4.14)	9014 (4.06)	11280 (5.02)
13. अन्य सामाजिक सेवाएं	7665 (6.86)	5959 (5.28)	6541 (4.72)	7083 (4.15)	8564 (4.22)	11294 (4.76)	39441 (4.57)	8795 (3.96)	8551 (3.85)
14. विविध	1971 (1.76)	1363 (1.20)	1459 (1.05)	2031 (1.19)	2659 (1.31)	3592 (1.51)	11104 (1.29)	1871 (0.84)	2549 (1.14)
15. कुल जोड़	111799 (100.00)	112793 (100.00)	138580 (100.00)	170926 (100.00)	203077 (100.00)	237726 (100.00)	863102 (100.00)	222051 (100.00)	224607 (100.00)

*सम्भाव्य वास्तविक

**प्रत्याशित

***आयोजना के लिए व्यवस्था

कोष्ठकों में दिखाये गये आंकड़े प्रतिशत के हैं।

3·1: सरकारी क्षेत्र में नियोजन

(आंकड़े लाखों में)

	मार्च, 1956 के अंत में	मार्च, 1961 के अंत में	मार्च, 1962 के अंत में	मार्च, 1963 के अंत में	मार्च, 1964 के अंत में	मार्च, 1965 के अंत में	मार्च, 1966 के अंत में	मार्च 1967 के अंत में	जून 1967 के अंत में**
क—सरकारी क्षेत्र के विभिन्न भागों के अनुसार :									
1. केन्द्रीय सरकार .	18.58	20.89	21.86	23.29	24.34	25.68	26.36	26.87	2683.
2. राज्य सरकारें .	22.65	30.14	30.87	31.98	34.33	35.85	37.23	37.67	37.61
3. अर्ध-सरकारी विभाग .	3.68	7.73	8.79	9.95	10.97	12.06	13.18	14.02	14.28
4. स्थानीय निकाय .	7.43	11.73	12.65	14.31	14.90	15.98	17.01	17.78	17.55
जोड़ .	52.34	70.49	74.17	79.53	84.54	89.57	93.78	96.34	96.27
ख—औद्योगिक वर्गीकरण के अनुसार									
1. कृषि, पशुधन, वन पालन और मछली पकड़ने का उद्योग	0.14	1.80*	1.74	1.82	2.03	2.09	2.26	2.32	2.39
2. खानों और पत्थर की खानों की खुदाई .	0.54	1.29	1.45	1.60	1.57	1.61	1.60	1.76	1.77
3. वस्तु-निर्माण .	2.05	3.69	4.21	5.09	5.81	6.35	6.70	6.95	7.10
4. इमारतों आदि का निर्माण	4.16	6.02	6.41	6.62	7.15	7.40	7.66	7.63	7.51

5. बिजली, गैस, पानी और सफ़ाई सम्बन्धी सेवाएं	0.77	2.24	2.34	2.44	2.64	2.91	3.03	3.37	3.38
6. व्यापार और वाणिज्य .	0.43	0.94	1.09	1.20	1.33	1.43	1.55	1.66	1.69
7. परिवहन, संग्रहण और संचार	13.92	17.24	17.97	18.86	19.37	20.44	20.94	21.15	21.12
8. सेवाएं . .	30.33	37.27	38.96	41.90	44.64	47.34	50.04	51.50	51.31
जोड़	52.34	70.49	74.17	79.53	84.54	89.57	93.78	96.34	96.27

*अधिकांश वृद्धि का कारण "सेवाएं" प्रभाग की कुछ श्रेणियों का इस शीर्षक के अन्तर्गत पुनर्वर्गीकरण किया जाना है।

**अनन्तिम

3.2 : गैर-सरकारी क्षेत्र में नियोजन

(लाखों में)

	मार्च* 1961 के अन्त में	मार्च 1962 के अन्त में	मार्च 1963 के अन्त में	मार्च 1964 के अन्त में	मार्च 1965 के अन्त में	मार्च@ 1966 के अन्त में	मार्च 1967 के अन्त में	जून 1967 के अन्त में***
कृषि, पशु-धन, वन-पालन आदि	6.7	7.4	7.4	7.3	8.9	9.0	8.7	9.1
खानों और पत्थर की खानों की खुदाई .	5.5	4.8	5.2	5.0	4.9	5.1	4.8	4.5
वस्तु-निर्माण .	30.2	30.1	32.7	34.2	36.1	38.6	37.5	36.2
इमारतों आदि का निर्माण**	2.4	1.7	1.8	1.7	1.9	2.5	2.3	1.9
बिजली, गैस, पानी आदि .	0.4	0.4	0.4	0.4	0.4	0.4	0.5	0.4
व्यापार और वाणिज्य .	1.6	1.6	1.9	2.0	2.2	3.3	3.5	3.5
परिवहन, संग्रहण और संचार .	0.8	1.2	1.4	1.1	1.1	1.2	1.2	1.1
सेवाएं . .	2.8	3.1	3.7	4.3	4.8	8.0	8.5	8.5
जोड़ .	50.4	50.3	54.5	55.9	60.3	68.1	67.0	65.2

*इन आंकड़ों में कृषि से भिन्न उन्हीं प्रतिष्ठानों को शामिल किया गया है जिनमें 25 या इससे अधिक मजदूर काम करते हैं।

@मार्च 1966 से आंकड़ों में उन प्रतिष्ठानों को भी शामिल किया गया है जिनमें 10 से 24 तक मजदूर काम करते हैं।

**निर्माण कार्यों, खास तौर पर गैर-सरकारी निर्माण कार्यों के सम्बन्ध में जानकारी अपर्याप्त है।

***अनन्तिम

4.1 : मुद्रा उपलब्धि की घट-बढ़ का विश्लेषण**

(करोड़ रुपयों में)

	निम्न अवधियों में घट-बढ़						
	1963–64 31 मार्च से 31 मार्च तक	1964–65 31 मार्च से 31 मार्च तक	1965–66 31 मार्च से 31 मार्च तक	1966–67 31 मार्च से 31 मार्च तक	1966–67 31 मार्च से 13 जनवरी तक	1967–68 31 मार्च से 12 जनवरी तक	12 जनवरी 1968 को बकाया
क—जनता के पास मुद्रा की उपलब्धि (1+2)	475	335	443	377	186	181	5132
1. जनता के पास मुद्रा . .	226	163	277	142	77	75	3273
2. जमा रकम	249	172	166	235	109	106	1859
ख—मुद्रा उपलब्धि में घट-बढ़ के कारण (1+2+3+4—5—6)							
1. बैंकों द्वारा सरकार को दिया गया शुद्ध (नेट) ऋण (क+ख)	288	290*	518†	278††	322††	345	4420
(क) रिजर्व बैंक द्वारा सरकार को दिया गया शुद्ध ऋण (i+ii) . .	213	149*	404†	195††	196††	175	3319
(i) केन्द्रीय सरकार को . .	175	136*	292†	333††	246††	139	3251
(ii) राज्य सरकारों को . . .	38	13	112	−138	−51	36	68
(ख) बैंकों के पास सरकारी प्रतिभूतियां .	75	141	114	83	126	170	1101
2. गैर-सरकारी क्षेत्र को बैंकों द्वारा दिये गये शुद्ध ऋण (क—ख) . .	210	35	60	182	−25	−103	1098
(क) बैंकों के अग्रिम और उनके पास रखी गैर-सरकारी प्रतिभूतियां . . .	264	239	290	427	233	135	3204

4.1: मुद्रा उपलब्धि की घट-बढ़ का विश्लेषण**—समाप्त

	निम्न अवधियों में घट-बढ़						
	1963–64 31 मार्च से 31 मार्च तक	1964–65 31 मार्च से 31 मार्च तक	1965–66 31 मार्च से 31 मार्च तक	1966–67 31 मार्च से 31 मार्च तक	1966–67 31 मार्च से 13 जनवरी तक	1967–68 31 मार्च से 12 जनवरी तक	12 जनवरी 1968 को बकाया
(ख) बैंकों की मीयादी जमा . . .	54	204	230	246	258	238	2166
3. भारतीय रिजर्व बैंक की विदेशी मुद्रा की शुद्ध परिसम्पत्ति . . .	27	-333*	16†	-23††	-64††	-40	98
4. जनता के प्रति सरकार की मुद्रा सम्बन्धी शुद्ध देनदारी . . .	20	18	13	22	16	4	316
5. भारतीय रिजर्व बैंक की गैर-मुद्रा सम्बन्धी शुद्ध देनदारी . .	39	30	31	54††	–6††	48	374
6. बैंकों की गैर-मुद्रा सम्बन्धी शुद्ध देनदारी (भूल-चूक सहित) . . .	31	–55	101	28	69	73	426

**अनन्तिम

*सरकार द्वारा भारतीय रिजर्व बैंक को की गयी सोने की बिक्री (16.0 करोड़ रुपये) के लिए समायोजित।

†सरकार द्वारा भारतीय रिजर्व बैंक से की गयी सोने की खरीद के (17.9 करोड़ रुपये) के लिये समायोजित।

††रुपये के सम-मूल्य में परिवर्तन होने के बाद रिजर्व बैंक की परिसम्पत्ति के मूल्यांकन के लिए समायोजित।

टिप्पणी (i) वाणिज्यिक बैंकों के पास की सरकारी प्रतिभूतियों और मीयादी जमा के आंकड़ों को, संयुक्त राज्य अमेरिका की रुपया निधियों का भारतीय राज्य बैंक से रिजर्व बैंक में अन्तरण किये जाने के लिये (1963–64 के 39 करोड़ रुपये, 1964–65 के 61 करोड़ रुपये और 1965–66 के 21 करोड़ रुपये) समायोजित किया गया है।

(ii) आंकड़े, पूर्णांकन के कारण जोड़ से मेल नहीं खाते।

4.2 : अनुसूचित वाणिज्यिक बैंक—रकमों की मौसमी प्राप्ति

(करोड़ रुपयों में)

	1965-66 का अधिक कामकाज का मौसम	1966 का कम कामकाज का मौसम	1966 67 का अधिक कामकाज का मौसम	1967 का कम कामकाज का मौसम	1966 67 का अधिक कामकाज का मौसम 28 अक्टूबर से 13 जनवरी तक	1967-68 का अधिक कामकाज का मौसम 27 अक्टूबर से 12 जनवरी तक	12 जनवरी 1968 को बकाया
1. जमा का विस्तार							
मांग जमा	121	85	110	64	3	39	1739
मीयादी जमा	114	180	59	131	19	51	2009
जोड़	235	265	169	195	22	90	3748
2. ऋण (वृद्धियां—) . . .	−310	86	−426	102	−237	−172	2740
3. निधियों की शुद्ध (नेट) प्राप्ति (1+2) .	−75	351	−257	297	−215	−82	1008
4. भारतीय रिजर्व बैंक से ऋण (वृद्धियां—) .	−28	30	−41	36	−29	3	4
5. सरकारी प्रतिभूतियों में निवेश . .	−6	298	−198	218	−194	−91	1058
6. अन्य साधन/जरिये . . .	−41	23	−18	43	8	6	46

7. पहले के अधिक कामकाज के मौसम में हुई घट-बढ़ के प्रतिशत के रूप में व्यक्त, कम कामकाज के मौसम में हुई घट-बढ़	1966	1967
1. ऋणों की वापसी से जमा . . .	28	24
2. भारतीय रिजर्व बैंक से लिये गये ऋणों का समापन	107	88

टिप्पणी:— मीयादी जमा की रकमों और सरकारी प्रतिभूतियों में लगायी गयी रकमों के आंकड़ों (1965-66 के अधिक कामकाज के मौसम में 21 करोड़ रुपये) में, राज्य बैंक के पास जमा संयुक्त राज्य अमेरिका की रकमों में होने वाले परिवर्तन शामिल नहीं हैं।

4.3 : अनुसूचित वाणिज्यिक बैंकों के प्रतिभूत अग्रिम

प्रतिभूति की किस्म	घट-बढ़ (करोड़ रुपयों में) 1965—66 अधिक कामकाज का मौसम 29 अक्तूबर 28 अप्रैल	1966 कम कामकाज का मौसम 29 अप्रैल — 28 अक्टूबर	1966-67 अधिक काम काज का मौसम 28 अक्टुबर- 28 अप्रैल	28 अप्रैल 1967 को बकाया (करोड़ रुपयों में)	घट बढ़ (प्रतिशत)* 1966 कम कामकाज का मौसम 29 अप्रैल- 28 अक्टूबर	1966-67 अधिक काम-काज का मौसम 28 अक्टूबर— 28 अप्रैल
1. खाद्य वस्तुएं	121	—102	45	172	—44.6	35.4
1. अन्न . . .	36	— 32	3	49	—41.5	7.4
2. चीनी और गुड़ . . .	83	—65	31	102	—47.9	44.0
3. वनस्पति तेल (बनास्पती सहित) .	2	— 5	11	21	—31.8	101.7
2. औद्योगिक कच्चा माल . . .	89	—105	133	235	—50.7	130.5
1. मूंगफली	12	— 13	18	20	—88.9	1112.3
2. अन्य तेलहन . . .	16	— 15	21	30	—63.4	230.9
3. रूई और कपास . . .	52	— 71	78	146	—51.0	115.2
4. कच्चा जूट . . .	9	— 6	16	39	—19.3	68.2

3. बागानों के उत्पादन	7	3	− 7	75	3.7	—8.3
1. चाय	−5	8	−14	43	17.6	−24.0
2. काजू	3	−2	2	12	−14.5	21.4
3. कहवा	4	−1	4	11	−16.3	55.0
4. बागानों के अन्य उत्पाद . .	5	−2	1	9	−22.4	8.0
4. निर्मित वस्तुएं और खनिज पदार्थ	−11	98	129	1058	11.8	13.9
1. सूती कपड़ा . . .	−17	9	6	186	5.4	3.6
2. जूट से बुना कपड़ा . . .	−4	8	−1	51	19.6	−1.3
5. अन्य प्रतिभूतियां	64	−8	131	790	−1.2	19.9
1. वास्तविक सम्पत्ति . . .	4	−3	6	52	− 6.1	12.7
2. सोना और चांदी तथा गहने . .	−1	3	1	24	16.3	4.6
3. मीयादी जमा की रकमें . .	5	4	8	58	8.2	17.3
4. सरकारी और अन्य न्यासी प्रतिभूतियां .	−5	5	−5	22	21.0	−18.8
5. ज्वाइंट स्टाक कम्पनियों के शेयर और ऋण-पत्र	6	−9	12	121	−7.5	10.9
6. औद्योगिक कम्पनियों की स्थिर या चल परिसम्पत्ति* (ऊपर बताये गये वर्गों में उल्लिखित परिसम्पत्ति से भिन्न) . .	8	−4	23	185	−2.2	14.3

*प्रतिशत के आंकड़े लाख रुपयों में दिये गये आंकड़ों के आधार पर आंके गये हैं।

प्रतिभूति की किस्म	घट-बढ़ (करोड़ रुपयों में) 1965–66 अधिक कामकाज का मौसम 29 अक्टूबर–19 अप्रैल	1966 कम कामकाज का मौसम 29 अप्रैल–28 अक्टूबर	1966-67 अधिक कामकाज का मौसम 29 अक्टूबर-28 अप्रैल	28 अप्रैल, 1967 को बकाया (करोड़ रुपयों में)	घट बढ़ (प्रतिशत)* 1966 कम कामकाज का मौसम 29 अप्रैल-28 अक्टूबर	1966-67 अधिक कामकाज का मौसम 28 अक्टूबर–28 अप्रैल
7. अन्य प्रतिभूत अग्रिम जिनका उल्लेख ऊपर न किया गया हो . . .	43	नगण्य	63	270	0.1	30.5
8. संयुक्त अग्रिम . . .	4	–4	23	58	–11.3	64.4
6. कुल प्रतिभूत अग्रिम (1+2+3+4+5) .	270	–114	431	2330	–5.7	22.7
7. बेजमानती अग्रिम . . .	42	27	–8	337	8.5	–2.3
8. कुल बैंक ऋण (6+7) . . .	312	–87	423	2667	–3.7	18.9

*प्रतिशत के आंकड़े लाख रुपयों में दिये गये आंकड़ों के आधार पर आंके गये हैं।

प—54

4.4 : पूंजी बाजार—चुने हुए निदेशक

(करोड़ रुपयों में)

	1960–61	1961–62	1962–63	1963–64	1964–65	1965–66	1966–67	1967–68
1. पूंजी जारी करने के लिए पूंजी निर्गम नियंत्रक द्वारा दी गयी स्वीकृतियां (*)								
I. सभी कम्पनियां . .	289.6	248.0	381.5	544.3	392.3	275.8	459.3	
(क) औद्योगिक .	263.1	220.6	346.3	463.5	335.8	232.7	397.8	
(ख) अन्य . .	26.5	27.4	35.2	80.8	56.5	43.1	61.5	
II. (क) सरकारी कम्पनियां .	139.5	62.9	162.1	306.7	167.5	109.3	181.7	
(ख) गैर-सरकारी कम्पनियां	150.1	185.1	219.4	237.6	224.8	166.5	277.6	
III. (क) बोनस . .	1.4	10.4	13.5	10.9	4.1	4.9	147.0	
(ख) अन्य (प्रारम्भिक, अतिरिक्त ऋण-पत्रों, ऋणों सहित, . .	288.2	237.6	368.0	533.4	388.4	270.9	312.3	
2. गैर-सरकारी क्षेत्र की औद्योगिक कम्पनियों द्वारा ऐसी स्वीकृतियों के आधार पर जुटायी गयी पूंजी (**)	92.8	101.4	108.3	94.2	95.2	120.2	72.4 (30.9)@	34.1@

(करोड़ रुपयों में)

	1960–61	1961–62	1962–63	1963–64	1964–65	1965–66	1966–67	1967–68
3. संयुक्त पूंजी कम्पनियों (गैर-वित्तीय) के पास जमा रकमें@@								
(क) जमा की रकमें स्वीकार करने वाली कम्पनियों की संख्या .	उपलब्ध नहीं	1208	1309	1395	1569	1964	उपलब्ध नहीं	उपलब्ध नहीं
		(570)	(624)	(664)	(782)	(987)	उपलब्ध नहीं	उपलब्ध नहीं
(ख) जमा की कुल रकमें .	उपलब्ध नहीं	97.5	112.0	135.6	160.2	228.5	उपलब्ध नहीं	उपलब्ध नहीं
		(31.3)	(33.8)	(37.6)	(47.0)	(65.7)	उपलब्ध नहीं	उपलब्ध नहीं
4. प्रतिभूति मूल्यों के सूचक अंक†								
(i) सरकारी और अर्ध-सरकारी प्रतिभूतियां . .	101.0	100.9	100.1	99.4	99.5	94.6	94.3	95.3††
					(98.2)		(94.3††)	
(ii) संयुक्त पूंजी कम्पनियों के ऋण-पत्र . .	100.8	101.1	99.2	97.6	98.3	93.9	91.8	91.5††
					(95.7)		(91.9††)	
(iii) तरजीही शेयर .	87.2	83.2	81.3	81.6	81.8	94.4	90.0	87.4††
					(101.5)		(90.5††)	
(iv) परिवर्तनशील लाभांश वाली औद्योगिक प्रतिभूतियां .	171.7	183.7	179.5	167.1	163.9	76.7	80.2	77.0††
					(86.1)		(79.3††)	

5. निम्नलिखित वित्तीय संस्थाओं द्वारा दी गयी वित्तीय सहायता‡								
(i) औद्योगिक वित्त निगम .	8.5	8.3	16.2	20.5	20.1	27.1	31.2	उपलब्ध नहीं
(ii) भारतीय औद्योगिक ऋण और निवेश निगम .	6.0**	7.0	10.3	11.4	17.0	25.3	22.6	उपलब्ध नहीं
(iii) भारतीय औद्योगिक विकास बैंक . .	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	18.7	35.3	49.8	40.2††
(iv) राज्यों के वित्त निगम .	4.9	9.1	12.0	13.8	14.2	18.0	18.2	उपलब्ध नहीं
(v) राष्ट्रीय औद्योगिक विकास निगम . . .	1.6	2.5	3.5	2.3	1.5	1.0	0.5	उपलब्ध नहीं
(vi) भारतीय यूनिट ट्रस्ट .	..	..	..	..	7.7	1.8	3.0	उपलब्ध नहीं
(vii) जीवन बीमा निगम								
(क) गैर-सरकारी क्षेत्र@@@	10.4**	10.5**	18.8***	14.9	15.2	23.9	9.5	उपलब्ध नहीं
(ख) सहकारी क्षेत्र .	0.3**	2.9**	11.7***	9.8	10.7	12.4	15.7	उपलब्ध नहीं

(*) कैलेण्डर वर्ष। 1967–68 के आंकड़े नहीं दिये गये हैं, क्योंकि इनकी तुलना पहले के वर्षों के आंकड़ों के साथ नहीं की जा सकती। पूंजी निर्गम (छूट) आदेश, 1966 के अधीन गैर-सरकारी लिमिटेड कम्पनियों द्वारा जारी किये जाने वाले बोनस-शेयरों को छोड़कर, अन्य सभी शेयर और सरकारी कम्पनियों द्वारा जारी किये जाने वाले शेयर, जो जनता और बैंकिंग तथा बीमा कम्पनियों को नहीं दिये जाते, सरकारी स्वीकृति के मामले में उक्त अधिनियम की धारा 3, 4 और 5 के उपबन्धों से मुक्त हैं। उन सरकारी कम्पनियों को जो कुछ निर्धारित वित्तीय मापदण्डों को पूरा करती हैं अब पूंजी निर्गम नियंत्रक से विशेष स्वीकृति नहीं, बल्कि केवल "अनापत्ति—पत्र" प्राप्त करना होगा।

(**) कैलेण्डर वर्ष। सामान्य शेयरों, तरजीही शेयरों और ऋण-पत्रों सहित।

@ जनवरी से जून तक।

@@ कोष्ठकों के बाहर दिये गये आंकड़ों में सरकारी और गैर-सरकारी दोनों प्रकार की कम्पनियों के आंकड़े शामिल हैं। कोष्ठकों में दिये गये आंकड़े केवल गैर-सरकारी लिमिटेड कम्पनियों से सम्बन्धित हैं।

†1960–61, 1961–62, 1962–63, 1963–64 और 1964–65 के लिए आधार वर्ष 1952–53=100 है। 1964–65 से 1967–68 तक के लिए संशोधित आधार वर्ष 1961–62=100 प्रयोग किया गया है। संशोधित क्रम के अन्तर्गत 1964–65 के आंकड़े कोष्ठकों में दिये गये हैं।

† [illegible]ल-दिसम्बर।

‡ 1. जीवन बीमा निगम और भारतीय औद्योगिक ऋण तथा निवेश निगम को छोड़कर सभी आंकड़े वित्तीय वर्ष (अप्रैल-मार्च) के अनुसार दिये गये हैं। जीवन बीमा निगम से सम्बद्ध आंकड़े केवल 1963–64 के बाद से ही वित्तीय वर्ष के अनुसार दिये गये हैं और भारतीय औद्योगिक ऋण तथा निवेश निगम से सम्बद्ध आंकड़े 1961–62 के बाद से।

2. औद्योगिक वित्त निगम और भारतीय औद्योगिक ऋण तथा निवेश निगम के 1966–67 के बाद के आंकड़े अवमूल्यन की बाद की दरों के अनुसार दिये गये हैं।

3. उपर्युक्त वित्तीय संस्थाओं के अलावा उद्योगों से सम्बद्ध भूतपूर्व पुनर्वित निगम ने 1958 से अर्थात् अपनी स्थापना से 31 अगस्त 1964 तक कुल मिल कर 65.5 करोड़ रुपये की पुनर्वित्त सम्बन्धी सुविधाएं प्रदान कीं, जिनमें से पुनर्वित्त के लिए कुल 42.2 करोड़ रुपया बांटा गया। जुलाई 1964 से जून 1965 तक की अवधि में भारतीय औद्योगिक विकास बैंक ने, जिसने भारतीय पुनर्वित्त निगम का काम अपने हाथ में लिया है, पुनर्वित्त के लिए 21·2 करोड़ रुपया बांटा है।

4. राज्यों के वित्तीय निगमों के मामले में 1960–61 के आंकड़ों का सम्बन्ध केवल ऋणों के रूप में दी गई सहायता से है।

** कैलेण्डर वर्ष।

@@@इसमें केवल गैर-सरकारी क्षेत्र के ऋण-पत्र, तरजीही और सामान्य शेयर शामिल हैं।

***पहली जनवरी, 1962 से 31 मार्च, 1963 तक की अवधि से सम्बद्ध।

S/238 M of Fin.—

5.1 : थोक मूल्यों के सूचक अंक

(1952–53 = 100)

	कृषि वस्तुएं*	खाद्य वस्तुएं		शराब और तम्बाकू	ईंधन, शक्ति, रोशनी और चिकनाने के पदार्थ	औद्योगिक कच्चा माल	निर्मित वस्तुएं			सब वस्तुएं
		जोड़	अन्न				जोड़	मध्यवर्ती उत्पाद	तैयार वस्तुएं	
वजन	46.1	50.4	23.5	2.1	3.0	15.5	29.0	4.1	24.9	100.0
अन्तिम सप्ताह										
1955–56 .	96	95	86	78	97	111	103	111	102	99.2
1956–57 .	106	102	96	88	106	117	106	109	105	105.1
1957–58 .	102	103	91	94	114	113	107	107	107	106.1
1958–59 .	113	113	102	99	116	116	110	109	110	112.1
1959–60 .	117	116	100	97	118	132	117	121	116	118.7
1960–61 .	126	118	99	115	121	158	129	137	127	127.5
1961–62 .	119	118	100	99	122	135	126	136	125	122.9
1962–63 .	121	124	102	117	138	135	130	136	128	127.4
1963–64 .	138	141	124	119	140	146	133	144	131	138.9
1964–65 .	154	154	142	138	148	163	141	156	139	151.0

5.1 : थोक मूल्यों के सूचक अंक—जारी

(1952–53= 100)

	कृषि वस्तुएं*	खाद्य वस्तुएं		शराब और तम्बाकू	ईंधन, शक्ति रोशनी और चिकनाने के पदार्थ	औद्योगिक कच्चा माल	निर्मित वस्तुएं			सब वस्तुएं
		जोड़	अन्न				जोड़	मध्यवर्ती उत्पाद	तैयार वस्तुएं	
वजन	46.1	50.4	23.5	2.1	3.0	15.5	29.0	4.1	24.9	100.0
1965–66 .	178	175	156	128	160	210	157	184	153	174.0
1966–67 .	214	218	201	128	173	236	168	222	159	202.9
सप्ताहों का औसत										
955–56 .	88	87	73	81	95	99	100	100	100	92.5
1956–57 .	104	102	94	84	104	116	106	111	106	105.3
1957–58 .	107	106	98	94	113	116	108	107	108	108.4
1958–59 .	114	115	106	95	115	116	103	110	108	112.9
1959–60 .	116	119	102	100	116	124	112	114	111	117.1
1960–61 .	124	120	102	110	120	145	124	131	123	124.9
1961–62 .	123	120	100	100	122	143	127	139	125	125.1
1962–63 .	123	126	106	101	124	136	129	140	127	127.9
1963–64 .	132	1 7	116	120	139	140	131	140	130	135.3
1964–65 .	156	160	144	131	145	163	137	152	135	152.7
1965–66 .	169	169	150	13[illegible]	153	189	149	172	145	165.1
1966–67 .	199	200	178	130	170	229	163	204	156	191.3

1965 के अन्तिम सप्ताह										
जनवरी . .	164	164	151	139	148	166	141	158	138	156.6
फरवरी . .	159	159	148	139	148	170	141	156	138	154.9
मार्च . .	154	154	142	138	148	163	141	156	139	151.0
अप्रैल . .	156	157	141	139	146	174	145	159	142	155.5
मई . .	158	160	140	138	147	175	145	163	142	157.0
जून . .	160	161	140	139	147	178	145	164	142	158.3
जुलाई . .	166	173	153	139	148	186	146	172	142	165.9
अगस्त . .	171	175	156	137	149	187	147	173	143	167.1
सितम्बर . .	169	170	153	138	150	186	148	171	144	165.0
अक्टूबर . .	168	171*	151	136	153	192	149	172	145	166.5
नवम्बर . .	176	175	157	136	153	196	150	177	146	169.6
दिसम्बर . .	176	172	154	136	155	199	152	178	148	169.1
1966—										
जनवरी . .	175	171	156	136	157	200	154	182	150	169.4
फरवरी . .	176	171	155	131	158	200	155	181	151	169.7
मार्च . .	178	175	156	128	160	210	157	184	153	174.0
अप्रैल . .	182	182	160	129	163	217	159	189	154	179.1
मई . .	187	188	164	130	164	220	159	192	153	182.4
जून . .	192	193	168	129	165	230	162	200	156	187.3

5.1 : थोक मूल्यों के सूचक अंक—समाप्त

(1952–53=100)

	कृषि वस्तुएं*	खाद्य वस्तुएं		शराब और तम्बाकू	ईंधन, शक्ति, रोशनी और चिकनाने के पदार्थ	औद्योगिक कच्चा माल	निर्मित वस्तुएं			सब वस्तुएं
		जोड़	अन्न				जोड़	मध्यवर्ती उत्पाद	तैयार वस्तुएं	
वजन	46.1	50.4	23.5	2.1	3.0	15.5	29.0	4.1	24.9	100.0
जुलाई . .	197	197	173	129	168	237	162	200	156	190.8
अगस्त . .	200	198	172	129	171	232	160	201	153	190.0
सितम्बर . .	194	196*	171	129	170	222	160	201	154	187.5
अक्टूबर . .	196	201	176	129	171	222	163	206	156	190.9
नवम्बर . .	200	203	182	131	172	222	164	207	156	191.9
दिसम्बर . .	203	206	188	130	174	232	166	212	158	196.2
1967–										
जनवरी . .	210	211	198	131	175	239	168	219	159	200.0
फरवरी . .	215	218	204	132	174	241	167	218	159	204.0
मार्च . .	214	218	201	128	173	236	168	222	159	202.9
अप्रैल . .	212	223	202	127	172	234	167	219	158	205.3
मई . .	216	231	209	127	178	236	168	220	160	209.5

जून	.	.	224	247	231	131	178	233	167	220	158	217.0
जुलाई	.	.	234	255	239	133	177	227	165	214	157	219.6
ग्रगस्त	.	.	232	258	242	134	177	213	164	214	156	218.6
सितम्बर	.	.	228	261	242	134	193	214	165	211	158	221.5
ग्रक्टूबर	.	.	228	251	234	135	194	218	166	211	158	216.8
नवम्बर	.	.	224	245	224	136	193	219	165	211	158	213.8
दिसम्बर	.	.	217	234	211	139	192	214	164	205	157	207.4

*व्युत्पन्न श्रृंखलाएं (डिराइव्ड सीरीज); चावल, गेहूं, ज्वार, बाजरा, जौ, मक्की, रागी, चना, ग्रन्य दालें, ग्रालू, प्याज, संतरा, केले, काजू, चाय, कहवा, मिर्च-मसाले ग्रादि, सुपारी, कच्चा तम्बाकू, कपास, कच्चा जूट, कच्चा सन, मूंगफली, ग्रलसी, रेंडी के बीज, तिल, तोरिया के बीज, बिनौला, नारियल, चमड़ा कमाने के पदार्थ, गन्ना, रबड़, लकड़ी के लट्ठे, इमारती लकड़ी ग्रौर बांस के सूचक ग्रंकों के भारित ग्रौसत। इस शीर्षक के ग्रन्तर्गत वर्षों के ग्रन्तिम सप्ताह सामने दिये गये ग्रांकड़े प्रत्येक साल के मार्च महीने के हैं ग्रोर वे ग्रांकड़े जो महीने के ग्रन्तिम सप्ताह के सामने दिये गये ह वे सम्बद्ध महीने के हैं।

5.2 : चुनी हुई वस्तुओं के थोक मूल्यों के सूचक अंक

(1952–53 = 100)

		चावल	गेहूं	खाद्य तेल	कपास	कच्चा जूट	सूत	कच्चा लोहा	एल्यू-मिनियम	मिल का कपड़ा	जूट की बनी वस्तुएं	लोहे और इस्पात की बनी वस्तुएं	रासाय-निक पदार्थ
वजन		11.29	5.[illegible]4	4.69	3.16	2.32	1.54	0.08	0.08	6.96	3.65	1.10	2.03
अन्तिम सप्ताह													
1955–56	. .	88	83	111	109	116	101*	117*	105*	111*	95*	126*	92
1956–57	. .	98	94	121	113	133	108	164	101	119	93	132	97
1957–58	. .	102	84	120	103	122	96	164	113	119	86	145	99
1958–59	. .	92	110	124	100	114	96	163	112	112	..	145	111
1959–60	. .	106	92	136	113	141	118	164	123	129	97	148	104
1060–61	. .	101	92	164	111	267	126	163	144	130	156	147	105
1961–62	. .	103	92	150	113	143	129	183	144	131	117	152	113
1962–63	. .	111	86	140	118	150	137	183	147	132	100	161	118
1963–64	. .	122	113	163	120	151	141	210	134	133	99	167	120
1964–65	. .	128	144	185	132	172	139	210	177	136	127	175	125
1965–66	. .	158	136	266	128	278	141	262	197	140	165	189	135
1966–67	. .	183	190	314	150	252	172	262	197	150	146	196	147

सप्ताहों का औसत												
1955–56 . .	78	72	85	97	117	95	117	96	107	96	119	92
1956–57 . .	97	88	125	111	126	109	155	101	119	95	131	93
1957–58 . .	105	88	126	106	133	104	164	107	120	95	143	98
1958–59 . .	105	105	124	99	118	96	164	115	114	86	145	107
1959–60 . .	105	96	130	106	124	106	164	112	119	91	145	107
1960–61 . .	108	90	150	112	210	128	164	142	132	131	148	104
1961–62 . .	105	91	156	109	178	128	177	138	131	122	152	111
1962–63 . .	111	90	152	113	147	134	183	148	132	111	160	116
1963–64 . .	125	99	151	119	148	137	189	139	132	100	163	118
1964–65 . .	134	130	200	126	164	139	210	151	135	114	171	121
1965–66 . .	141	138	234	129	219	139	232	185	137	146	185	128
1966–67 . .	173	158	304	139	266	156	262	197	146	152	193	144
1965—												
जनवरी . .	128	148	205	128	176	140	210	164	136	122	170	124
फरवरी . .	128	148	196	132	173	139	210	177	136	125	170	125
मार्च . .	128	144	185	132	172	139	210	177	136	127	175	125
अप्रैल . .	128	135	201	131	197	140	210	184	136	147	176	124
मई . . .	128	131	198	131	204	141	210	192	135	142	179	124
जून . . .	128	132	204	130	200	139	210	170	135	138	179	124

*सूचक अंक मार्च के महीने के हैं ।

5.2 : चुनी हुई वस्तुओं के थोक मूल्यों के सूचक अंक—जारी

(1952–53 = 100)

	चावल	गेहूं	खाद्य तेल	कपास	कच्चा जूट	सूत	कच्चा लोहा	ऐल्यू-मिनियम	मिल का कपडा	जूट की बनी वस्तुएं	लोहे और इस्पात की बनी वस्तुएं	रासा-यनिक पदार्थ
वजन	11.29	5.34	4.69	3.16	2.32	1.54	0.08	0.08	6.96	3.65	1.10	2.03
अन्तिम सप्ताह												
1965—												
जुलाई . . .	138	144	234	126	191	138	210	170	135	129	180	125
अगस्त . . .	144	145	242	127	191	137	218	170	135	137	183	125
सितम्बर . .	142	139	232	126	199	137	218	184	135	143	187	127
अक्टूबर . .	141	137	248	128	211	137	218	190	135	143	187	128
नवम्बर . .	147	139	254	131	231	138	262	190	138	145	187	129
दिसम्बर . .	147	140	252	131	253	138	262	184	138	154	187	130
1966—												
जनवरी . .	152	141	256	129	245	138	262	190	139	153	187	133
फरवरी . .	155	138	247	129	259	139	262	197	139	159	187	135
मार्च . .	158	136	266	128	278	141	262	197	140	165	189	135
अप्रैल . . .	163	136	285	128	280	145	262	197	142	162	190	137
मई . . .	165	139	303	131	269	147	262	197	142	156	190	137

जून . . .	168	143	306	130	290	148	262	203	142	168	190	139
जुलाई . . .	171	149	315	141	297	152	262	197	142	159	190	143
अगस्त . . .	173	148	321	140	269	156	262	197	142	144	190	143
सितम्बर . .	171	147	299	146	245	158	262	197	145	137	190	148
अक्टूबर . .	170	155	290	139	254	158	262	197	148	142	192	150
नवम्बर . .	174	166	287	142	252	161	262	197	148	143	195	148
दिसम्बर . .	175	173	303	148	265	164	262	197	150	148	195	149
1967—												
जनवरी . .	183	184	320	148	256	163	262	197	150	151	196	148
फरवरी . .	186	192	324	150	254	164	262	197	150	149	196	148
मार्च . . .	183	190	314	150	252	172	262	197	150	146	196	147
अप्रैल . . .	188	174	319	150	240	174	262	197	152	141	196	150
मई . . .	196	180	320	151	221	172	279	197	154	141	210	151
जून . . .	212	209	315	152	206	172	279	210	154	129	212	150

5.2 : चुनी हुई वस्तुओं के थोक मूल्यों के सूचक अंक—समाप्त

(1952—53=100)

	चावल	गेहूं	खाद्य तेल	कपास	कच्चा जूट	सूत	कच्चा लोहा	एल्यू-मिनियम	मिल का कपड़ा	जूट की बनी वस्तुएं	लोहे और इस्पात की बनी वस्तुएं	रासा-यनिक पदार्थ
वजन	11.29	5.34	4.69	3.16	2.32	1.54	0.08	0.08	6.96	3.65	1.10	2.03
जुलाई . . .	220	213	283	151	200	170	279	210	154	125	212	154
अगस्त . . .	231	210	274	149	194	171	279	210	154	123	212	153
सितम्बर . .	224	218	286	144	201	169	279	210	154	130	212	149
अक्टूबर . .	210	211	288	164	202	170	279	210	154	129	214	150
नवम्बर . .	200	202	290	165	193	170	279	197	154	127	214	149
दिसम्बर . .	190	192	270	177	207	170	279	197	154	126	214	150

5.3 : अखिल भारतीय उपभोक्ता मूल्य सूचक अंक

	श्रमिक वर्ग (1949=100)		शहरी गैर-श्रमिक कर्मचारी (1960=100)
	अन्न	सभी वस्तुएं	सभी वस्तुएं
वित्त वर्ष			
1955–56 . . .	94	96	
1956–57 . . .	108	107	
1957–58 . . .	111	112	
1958–59 . . .	121	118	
1959–60 . . .	126	123	
1960–61 . . .	125	124	100*
1961–62 . . .	126	127	104
1962–63 . . .	131	131	108
1963–64 . . .	138	137	113
1964–65 . . .	162	157	124
1965–66 . . .	174	169	132
1966–67 . . .	198	191	146
कैलेण्डर वर्ष			
1955 . . .	92	96	
1956 . . .	105	105	
1957 . .	112	111	
1958 . . .	118	116	
1959 . . .	125	121	
1960 . . .	126	124	
1961 . . .	126	126	103
1962 . . .	130	130	107
1963 . .	135	134	111
1964 . . .	155	152	122
1965 . . .	172	166	130
1966 . . .	190	184	142

*जनवरी से मार्च 1961 तक की अवधि से सम्बद्ध

5·3 : अखिल भारतीय उपभोक्ता मूल्य सूचक अंक—समाप्त

	श्रमिक वर्ग (1949=100)		शहरी गैर-श्रमिक कर्मचारी (1960=100)
	अन्न	सभी वस्तुएं	सभी वस्तुएं
1965—			
अक्टूबर . . .	178	172	उपलब्ध नहीं
नवम्बर . . .	181	173	उपलब्ध नहीं
दिसम्बर . . .	179	173	उपलब्ध नहीं
1966—			
जनवरी . . .	178	173	134
फरवरी . . .	177	174	134
मार्च . . .	177	174	135
अप्रैल . . .	178	175	137
मई . . .	187	181	139
जून . . .	191	185	142
जुलाई . . .	195	188	144
अगस्त . . .	197	190	145
सितम्बर . . .	198	191	146
अक्टूबर . . .	199	192	147
नवम्बर . . .	202	194	148
दिसम्बर . . .	206	197	149
1967—			
जनवरी . . .	206	197	149
फरवरी . . .	206	198	150
मार्च . . .	210	200	151
अप्रैल . . .	213	202	152
मई . . .	218	206	154
जून . . .	225	211	158
जुलाई . . .	228	213	160
अगस्त . . .	230	215	161
सितम्बर . . .	230	214	उपलब्ध नहीं
अक्टूबर . . .	234	217	उपलब्ध नहीं

5.4 : थोक मूल्यों के सूचक अंक : कृषि वस्तुओं और निर्मित वस्तुओं के सापेक्ष मूल्य

	थोक मूल्यों के सामान्य सूचक अंक	कृषि वस्तुओं के मूल्यों के अनुपात के रूप में निर्मित वस्तुओं के मूल्य (1952-53=100)
निम्न वर्षों के अन्तिम महीने		
1955–56	98.1	107.5
1956–57	105.6	100.2
1957–58	105.4	105.9
1958–59	112.4	96.1
1959–60	118.9	99.9
1960–61	127.5	102.8
1961–62	123.5	106.0
1962–63	127.2	107.0
1963–64	139.2	95.8
1964–65	151.5	91.6
1965–66	172.3	88.5
1966–67	203.5	78.0
महीनों का औसत		
1955–56	92.5	113.3
1956–57	105.3	101.7
1957–58	108.4	100.7
1958–59	112.9	95.1
1959–60	117.1	95.9
1960–61	124.9	100.1
1961–62	125.1	103.0
1962–63	127.9	104.5
1963–64	135.3	99.7
1964–65	152.7	88.1
1965–66	165.1	88.1
1966–67	191.3	81.9

5.4 : थोक मूल्यों के सूचक अंक : कृषि वस्तुओं और निर्मित वस्तुओं के सापेक्ष मूल्य—जारी

	थोक मूल्यों के सामान्य सूचक अंक*	कृषि वस्तुओं के मूल्यों के अनुपात के रूप में निर्मित वस्तुओं के मूल्य
	(1952—53=100)	
1	2	3
1965—		
जनवरी	159.7	86.3
फरवरी	155.4	88.6
मार्च	151.5	91.6
अप्रैल	153.9	92.0
मई	156.2	91.8
जून	158.3	90.9
जुलाई	162.8	87.4
अगस्त	166.8	85.9
सितम्बर	166.0	87.5
अक्टूबर	165.7	88.3
नवम्बर	169.6	85.6
दिसम्बर	169.7	86.4
1966—		
जनवरी	169.9	87.6
फरवरी	169.5	88.2
मार्च	172.3	88.5
अप्रैल	176.5	87.1
मई	181.6	85.1
जून	186.4	84.1
जुलाई	189.5	82.1
अगस्त	192.0	80.9

*सप्ताहों के औसत

5·4 : थोक मूल्यों के सूचक अंक : कृषि वस्तुओं और निर्मित वस्तुओं के सापेक्ष मूल्य —समाप्त

1	2	3
सितम्बर	187.8	82.8
अक्टूबर	189.9	83.0
नवम्बर	191.9	82.0
दिसम्बर	194.4	81.4
1967—		
जनवरी	198.7	79.7
फरवरी	203.2	78.1
मार्च	203.5	78.0
अप्रैल	204.4	78.9
मई	208.4	77.9
जून	214.2	74.8
जुलाई	220.5	71.3
अगस्त	219.6	71.4
सितम्बर	220.4	72.2
अक्टूबर	221.0	72.6
नवम्बर	215.2	73.9
दिसम्बर	210.8	75.8

6.1: भारत की विदेशी मुद्रा प्रारक्षित निधि

निम्नलिखित वर्षों की समाप्ति पर	प्रारक्षित निधियां@ (करोड़ रुपयों में)		कुल प्रारक्षित निधि (दस लाख डालरों में)	अन्तर्राष्ट्रीय मुद्रा निधि के साथ लेन देन (दस लाख डालरों में)		बकाया निकासियां
	सोना	विदेशी मुद्रा		निकासियां	फिर से खरीद	
1	2	3	4	5	6	7
1950–51 .	117.8	911.4	2161.3	..	..	100.0
1955–56 .	117.8	784.6	1895.0	..	15.0	12.5
1956–57 .	117.8	563.3	1430.0	127.5	12.5	127.5
1957–58 .	117.8	303.4	884.5	72.5	..	200.0
1958–59 .	117.8	261.1	795.7	..	..	200.0
1959–60 .	117.8	245.1	762.1	..	50	150.0
1960–61 .	117.8	185.8	637.6	..	22.5	127.5
1961–62 .	117.8	179.5	624.3	250.0	127.5	250.0
1962–63 .	117.8	177.3	619.7	25.0	..	275.0
1963–64 .	117.8	188.0	642.2	..	50.0	225.0
1964–65 .	133.8	115.9	524.3	100.0	100.0	225.0
1965–66 .	**115.9**	**182.1**	625.8	137.5	75.0	287.5
1966–67 .	182.5	295.9	637.9	187.5	57.5	417.5
1966–67						
जून .	182.5	398.7	774.9	187.5	..	475.0
सितम्बर .	182.5	310.2	656.9	..	50.0	425.0
दिसम्बर .	182.5	273.3	607.7	..	..	425.0
मार्च .	182.5	295.9	637.9	..	7.5	417.5

1		2	3	4	5	6	7
1967–68							
जून	.	182.5	378.9	615.2	..	..	417.5
सितम्बर	.	182.5	251.5	578.7	..	..	417.5
अक्टूबर	.	182.5	255.3	417.5	..	..	417.5
नवम्बर*	.	172.5	250.6	577.5	..	..	417.5

@इन में ये मदें शामिल हैं :—(क) 7 जनवरी, 1965 तक 71 लाख औंस सोना; 21 जनवरी, 1965 तक 74 लाख औंस सोना ; 18 फरवरी, 1965 तक 77 लाख औंस सोना ; 27 फरवरी, 1966 तक 80 लाख औंस सोना, और उसके बाद 70 लाख औंस सोना। सोने का मूल्य मई, 1966 तक 53.58 रुपये प्रति 10 ग्राम की दर से और उस के बाद भारतीय रुपये के सममूल्य में परिवर्तन हो जाने के परिणामस्वरूप 84.39 रुपये प्रति 10 ग्राम की दर से आंका गया है; लेकिन भारतीय रिजर्व बैंक के कार्यों के साप्ताहिक विवरण (देखिये रिजर्व बैंक के बुलेटिन की सारणी संख्या 2) में सोने का मूल्य 53.58 रुपये प्रति 10 ग्राम की सांविधिक दर से ही आंका जा रहा है ; (ख) भारतीय रिजर्व बैंक की विदेशी परिसम्पतियां; (ग) विदेशों में रखी सरकारी रकमें और (घ) अन्तर्राष्ट्रीय मुद्रानिधि से लिये गये ऋण ।

1. रेखा के नीचे दिये गये आंकड़ों की जून 1966 में भारतीय रुपये का अवमूल्यन हो जाने के कारण, अन्य वर्षों के आंकड़ों के साथ पूरी पूरी तुलना नहीं की जा सकती ।

2. अन्तर्राष्ट्रीय मुद्रा निधि के साथ लेन देन के जो आंकड़े जिन महीनों के सामने दिखाये गये हैं, वे उन महीनों में समाप्त होने वाली तिमाहियों के आंकड़े हैं।

*अनन्तिम ।

6.2 : भारत का शोधन-सन्तुलन (समायोजित) 1960-61 से 1966-67 तक

(तत्कालीन विनिमय दर के हिसाब से करोड़ रुपयों में)

	1960–61 अन्तिम	1961–62 अन्तिम	1962–63 अन्तिम	1963–64 अन्तिम	1964–65 संशोधित	1965–66 प्रारम्भिक	1966–67 प्रारम्भिक
1	2	3	4	5	6	7	8
1. आयात[1]–लागत, बीमा, भाड़ा सहित .	1081.5	996.3	1079.0	1216.8	1376.3	1335.3	1885.6@
(क) पी० एल० 480 शीर्षक I . .	185.1	86.3	121.4	167.3	229.4	250.2	308.9
(ख) अन्य	896.4	910.0	957.6	1049.5	1146.9	1085.1	1576.7
2. निर्यात–जहाज तक निःशुल्क . .	630.5	668.3	680.9	801.6	801.4	781.8	1079.3
3. व्यापार शेष (2–1) . . .	–451.0	–328.0	–398.1	–415.2	–574.9	–553.5	–806.3
4. मुद्रा से भिन्न सोने का लेनदेन (शुद्ध) .	—	—	—	—	16.0	—	—
5. अदृश्य—							
(i) प्राप्तियां[2] . . .	176.4	173.5	173.6	188.8	168.5	201.3	248.6
(ii) अदायगियां: . . .	177.1	203.0	222.2	231.9	255.5	270.5	400.8
विदेशी ऋणों के ब्याज और सेवा सम्बन्धी अदायगियां[6] .	(33.8)	(46.0)	(58.6)	(66.6)	(77.0)	(88.1)	(148.4)
(iii) शुद्ध (नेट) . . .	–0.7	–29.5	–48.6	43.1	–87.0	–69.2	–152.2
6. चालू खाता (शुद्ध) . . .	–451.7	–357.5	–446.7	–458.3	–645.9	–622.7	–958.5

7. पूंजीगत लेनदेन							
(क) गैर-सरकारी[3]							
(i) प्राप्तियां . .	51.5	30.4	40.7	43.6	22.3	21.8	21.5
(ii) अदायगियां . .	35.0	36.4	45.7	42.4	28.3	40.0	40.3
(iii) शुद्ध . . .	16.5	−6.0	−5.0	1.2	−6.0	−18.2	−18.8
(ख) सरकारी[4]							
(i) प्राप्तियां . .	36.4	108.4	57.4	66.0	86.8	177.0	154.7
(ii) अदायगियां . .	32.1	96.7	33.0	28.8	39.7	166.0	70.5
(iii) शुद्ध . . .	4.3	11.7	24.4	37.2	47.1	11.0	84.2
(ग) परिशोधन सम्बन्धी कुल (ग्रास) अदायगियां[6] . . .	−37.6	−60.3	−53.2	−57.7	−76.1	−82.0	−143.7
(घ) अन्तर्राष्ट्रीय मुद्रा निधि से रुपयों की फिर से खरीद . .	−10.7	−60.7	—	−23.8	−47.6	−35.7	−43.1
(ङ) बैंकों की पूंजी (शुद्ध)[5] . .	9.7	−2.5	9.9	—	−6.8	−12.5	6.0
8. भूल-चूक . . .	−6.3	7.8	5.9	−54.6	−66.3	24.0	16.0
9. कुल घाटा (6 से 8 तक) . . जो नीचे लिखे अनुसार पूरा किया गया :	−475.8	−467.5	−464.7	−556.0	−801.6	−736.1	−1057.9
10. विदेशी सहायता . .							
(क) ऋण (पी०एल० 480 के अन्तर्गत प्राप्त ऋणों को छोड़कर)	198.0	225.3	306.3	379.4	439.1	434.3	562.8

6.2 : भारत का शोधन-सन्तुलन (समायोजित 1960-61 से 1966-67 तक—जारी

1	2	3	4	5	6	7	8
(ख) अनुदान (पी०एल० 480 के अन्तर्गत प्राप्त अनुदानों को छोड़ कर) शीर्षक I .	33.4	30.5	22.8	20.1	29.3	34.4	60.4
(ग) पी०एल० 480 शीर्षक I (कुल) .	185.1	86.3	121.4	167.3	229.4	250.2	308.9
जोड़ (क+ख+ग) . .	416.5	342.1	450.5	566.8	697.8	718.9	932.1
11. अन्तर्राष्ट्रीय मुद्रा निधि से निकासियां (कुल)	—	119.1	11.9	—	47.6	65.5	89.3
12. प्रारक्षित निधि में कमी (+) /वृद्धि (—)	59.3	6.3	2.3	−10.8	56.2	−48.3	36.5
जोड़ (10 से 12 तक) .	475.8	467.5	464.7	556.0	801.6	736.1	1057.9

टिप्पणी: इस सारणी में कुछ मदों के सम्बन्ध में दिये गये आंकड़े भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा प्रकाशित इसी प्रकार के आंकड़ों से मेल नहीं खाते। यह अन्तर, उपर्युक्त सारणी में पी०एल० 480 सहायता सम्बन्धी प्राप्तियों और अदायगियों में समायोजन करने से हुआ है। ये प्राप्तियां और अदायगियां क्रमशः विदेशी सहायता और आयात के अन्तर्गत एक साथ दी गयी हैं और उन्हें खाते के अन्य शीर्षकों में से हटा दिया गया है। उपर्युक्त सारणी में शोधन-सन्तुलन सम्बन्धी जो आंकड़े दिये गये हैं, वे आर्थिक समीक्षा के 1666–67 से पहले के संस्करणों में समायोजित शोधन-सन्तुलन की सारणियों से भिन्न हैं। उपर्युक्त सारणी में विदेशी ऋणों के ब्याज और मूल की अदायगियों में (पहले के संस्करणों के विपरीत) उन ऋणों के सम्बन्ध में की जाने वाली अदायगियां भी शामिल हैं, जिनकी अदायगी रुपयों में की जानी है।

1. इसमें पी० एल० 480 के अन्तर्गत आयातित वस्तुओं का भाड़ा शामिल नहीं है, जो शुरू में भारत द्वारा दिया जाता है, लेकिन बाद में अमरीकी प्राधिकारियों द्वारा लौटा दिया जाता है।

2. इसमें पी० एल० 480 के अन्तर्गत आयातित वस्तुओं के भाड़े की, जो शुरू में भारत द्वारा दिया जाता है. लेकिन बाद में अमरीकी प्राधिकारियों द्वारा लौटा दिया जाता है, प्राप्तियां शामिल नहीं हैं; इसमें कोलम्बो आयोजना और पी०एल० 480 के शीर्षक I, II और III के अन्तर्गत प्राप्त सारे अनुदान, पी० एल० 480 के शीर्षक I की निधि से संयुक्त राज्य अमेरिका का व्यय और पी०एल० 665 के अन्तर्गत प्राप्त विभिन्न रकमें भी शामिल नहीं हैं।

3. विदेशी सहायता कार्यक्रम के अन्तर्गत गैर-सरकारी क्षेत्र को दिये गये ऋणों से, जिनमें कूले निधि में से दिये गये ऋण भी शामिल हैं, ली गयी रकमों के रूप में प्राप्तियां और ऋण-परिशोधन की तत्सम्बन्धी अदायगियां मद संख्या 7 क (i) और 7 क (ii) में शामिल नहीं की गयीं; इन्हें

क्रमशः मद संख्या 10(क) और 7(ग) में शामिल किया गया है।

4. इसमें ऐसे सभी सरकारी पूंजीगत लेनदेन शामिल हैं, जिनको अलग से दिखाया नहीं गया है; लेकिन इसमें पी० एल० 480/665 सम्बन्धी रकमों में हुए परिवर्तन शामिल नहीं हैं।

5. यहां दिखायी गयी शुद्ध (नेट) घटबढ़ को कुले निधि लेखा अधिशेषों में हुए उन परिवर्तनों को अलग करने के लिए समायोजित कर लिया गया है, जो ऋणों के भुगतान और एक लेखे से दूसरे लेखे में किये गये अन्तरणों के कारण हुए।

6. इनमें रुपयों में की जा सकने वाली ये अदायगियां भी शामिल हैं:—

(करोड़ रुपयों में)

	1960-61	1961-62	1962-63	1963-64	1964-65	1965-66	1966-67
रुपयों में की जा सकने वाली अदायगियां (रुपया अदायगी क्षेत्र से भिन्न)							
1. विदेशी ऋणों की ब्याज और सेवा सम्बन्धी अदायगियां	4.5	7.8	13.3	18.6	27.5	32.9	45.9
2. ऋण परिशोधन सम्बन्धी अदायगियां .	4.0	4.1	6.1	10.4	11.6	15.3	25.7

@ कनाडा, आस्ट्रेलिया, सोवियत समाजवादी जनतंत्र संघ और दूसरे देशों से प्राप्त अन्न की विशेष सहायता को छोड़ कर

6.3 भारत का शोधन-सन्तुलन (समायोजित)

(तत्कालीन विनिमय दरों के अनुसार करोड़ रुपयों और दस लाख डालरों में)

	तीसरी आयोजना वार्षिक औसत		1965–66		1966–67	
	करोड़ रुपयों में	दस लाख डालरों में	करोड़ रुपयों में	दस लाख डालरों में	करोड़ रुपयों में	दस लाख डालरों में
1. आयात—लागत, बीमा,भाड़ा सहित[1]	1200.7	2521.5	1335.3	2804.1	1885.6@	2694.0@
(क) पी०एल० 480 शीर्षक I	170.9	358.9	250.2	525.4	308.9	447.2
(ख) अन्य	1029.8	2162.6	1085.1	2278.7	1576.7	2246.8
2. निर्यात—जहाज तक निःशुल्क	746.8	1568.3	781.8	1641.8	1079.3	1534.8
3. व्यापार शेष (2–1)	−453.9	−953.2	−553.5	−1162.3	−806.3	−1159.2
4. मुद्रा से भिन्न सोने का लेन देन (शुद्ध)	+3.2	+6.7	—	—	—	—
5. अदृश्य						
(i) प्राप्तियां[2]	181.1	380.3	201.3	422.7	248.6	355.5
(ii) अदायगियां:	236.6	496.9	270.5	568.1	400.8	569.7
जिनमें विदेशी ऋणों का व्याज और सेवा सम्बन्धी अदायगियां	(67.3)	(141.3)	(88.1)	(185.0)	(148.4)	(211.1)
(iii) शुद्ध	−55.5	−116.6	−69.2	−145.4	−152.2	−214.2
6. चालू खाता (शुद्ध)	−506.2	−1063.0	−622.7	−1307.7	−958.5	−1373.4

7. पूंजीगत लेन देन						
(क) गैर-सरकारी[3]						
(i) प्राप्तियां	31.8	66.8	21.8	45.8	21.5	30.3
(ii) अदायगियां	38.6	81.1	40.0	84.0	40.3	58.3
(iii) शुद्ध	−6.8	−14.3	−18.2	−38.2	−18.8	−28.3
(ख) सरकारी[4]						
(i) प्राप्तियां	99.1	208.1	177.0	371.7	154.7	218.2
(ii) अदायगियां	72.8	152.9	166.0	348.6	70.5	99.7
(iii) शुद्ध	+26.3	+55.2	+11.0	+23.1	+84.2	+118.5
(ग) ऋण परिशोधन सम्बन्धी अदायगियां (कुल[6])	−65.9	−138.4	−82.0	−172.2	−143.7	−201.5
(घ) अन्तर्राष्ट्रीय मुद्रा निधि से रुपयों की फिर से खरीद .	—33.6	—70.5	—35.7	—75.0	−43.1	
(ङ) बैंकों की पूंजी (शुद्ध)[5] .	—2.4	—5.0	—12.5	—26.3	+6.0	+2.8
8. भूल-चूक . . .	—16.6	—34.9	+24.0	+50.4	+16.0	+37.0
9. कुल घाटा (6 से 8 तक) .	—605.2	—1270.9	—736.1	—1545.8	—1057.9	—1502.4

जो नीचे लिखे अनुसार पूरा किया गया :

10. विदेशी सहायता						
(क) ऋण (पी० एल० 480 शीर्षक I के ऋणों को छोड़ कर) . .	+356.9	+749.5	+434.3	+912.0	+562.8	+792.5

6.3 : भारत का शोधन-सन्तुलन (समायोजित)—समाप्त

	तीसरी आयोजना वार्षिक औसत		1965–66		1966–67	
	करोड़ रुपयों में	दस लाख डालरों में	करोड़ रुपयों में	दस लाख डालरों में	करोड़ रुपयों में	दस लाख डालरों में
(ख) अनुदान (पी० एल० 480 शीर्षक I के अनुदानों को छोड़ कर) . .	+27.4	+57.5	+34.4	+72.2	+60.4	+87.3
(ग) पी० एल० 480 (कुल) .	+170.9	+358.9	+250.2	+525.4	+308.9	+447.0
जोड़ (क+ख+ग) .	+555.2	+1165.9	+718.9	+1509.6	+932.1	+1327.0
11. अन्तर्राष्ट्रीय मुद्रा निधि से निकासियां (कुल) . .	+48.8	+102.5	+65.5	+137.6	+89.3	+187.5
12. प्रारक्षित निधियों में कमी (+)/ वृद्धि (—) . .	+1.2	+2.5	—48.3	—101.4	+36.5	— —12.
जोड़ (10 से 12 तक) .	+605.2	+1270.9	+736.1	+1545.8	+1057.9	+1502.4

पाद–टिप्पणियां सारणी 6.2 में देखिये

6.4: 1966–67 में भारत का तिमाही शोधन-सन्तुलन (समायोजित)

(अवमूल्यन के बाद की विनिमय दर के अनुसार करोड़ रुपयों में)*

	1966–67				
	अप्रैल–जून	जुलाई–सितम्बर	अक्टूबर–दिसम्बर	जनवरी–मार्च	जोड़ अप्रैल–मार्च
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
1. आयात[1]—लागत, बीमा, भाड़ा सहित	535.0	480.7	487.1	517.7	2020.5@
(क) पी० एल० 480 शीर्षक I	97.2	80.4	76.9	80.9	335.4
(ख) अन्य	437.8	400.3	410.2	436.8	1685.1
2. निर्यात—जहाज तक निःशुल्क	271.8	276.0	301.3	302.0	1151.1
3. व्यापार-शेष (2–1)	—263.2	—204.7	—185.8	—215.7	–869.4
4. मुद्रा से भिन्न सोने का लेनदेन (शुद्ध)	—	—	—	—	—
5. अदृश्य :					
(i) प्राप्तियां[2]	73.4	58.0	64.2	71.0	266.6
(ii) अदायगियां :	104.6	92.2	119.3	111.2	427.3
जिनमें विदेशी ऋणों और कर्जों की व्याज और सेवा सम्बन्धी अदायगियां	(37.6)	(36.6)	(36.1)	(48.0)	(158.3)
(iii) शुद्ध	—31.2	—34.2	—55.1	—40.2	—160.7

4—83

6·4: 1966–67 में भारत का तिमाही शोधन-सन्तुलन (समायोजित)—समाप्त

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
6. चालू खाता (शुद्ध) . . .	—294.4	—238.9	—240.9	—255.9	—1030.1
7. पूंजीगत लेनदेन . . .					
(क) गैर-सरकारी[3]					
(i) प्राप्तियां . . .	5.6	3.9	9.0	4.2	22.7
(ii) अदायगियां . . .	12.1	11.3	8.7	11.8	43.9
(iii) शुद्ध	—6.5	—7.4	0.3	—7.6	—21.2
(ख) सरकारी[4] . . .					
(i) प्राप्तियां	33.7	33.1	51.2	45.7	163.7
(ii) अदायगियां . . .	17.7	29.1	18.3	9.7	74.8
(iii) शुद्ध	16.0	4.0	32.9	36.0	88.9
(ग) ऋण परिशोधन सम्बन्धी कुल (ग्रास) अदायगियां[6]	—32.8	—43.7	—39.3	—35.3	—151.1
(घ) अन्तर्राष्ट्रीय मुद्रा निधि से रुपयों की फिर से खरीद	—	—37.5	—	—5.6	—43.1
(ङ) बैंकों की पूंजी (शुद्ध)[5] . .	—15.8	2.5	—13.9	29.3	2.1

8. भूल—चूक . . .	54.0	15.9	—11.0	—31.2	27.7
9. कुल घाटा (6 से 8 तक) . .	—279.5	—305.1	—271.9	—270.3	—1126.8
जो नीचे लिखे अनुसार पूरा किया गया है :					
10. विदेशी सहायता					
(क) ऋण (पी० एल० 480 शीर्षक I के अन्तर्गत प्राप्त ऋणों को छोड़ कर) . . .	135.0	123.7	150.3	185.4	594.4
(ख) अनुदान (पी० एल० 480 शीर्षक के अन्तर्गत प्राप्त अनुदानों को छोड़ कर) . . .	18.6	12.5	7.7	26.7	65.5
(ग) पी० एल० 480 शीर्षक I (कुल) . .	97.2	80.4	76.9	80.9	335.4
जोड़ (क+ख+ग) . . .	250.8	216.6	234.9	293.0	995.3
11. अन्तर्राष्ट्रीय मुद्रा निधि से निकासियां (कुल)	140.6	—	—	—	140.6
12. प्रारक्षित निधि में कमी (+) वृद्धि (—) .	—111.9	88.5	37.0	—22.7	—9.1
जोड़ (10 से 12 तक) .	279.5	305.1	271.9	270.3	1126.8

पाद-टिप्पणियां, सारणी 6.2 में देखिये ।

*(अप्रैल और मई 1966 के आंकड़ों को अवमूल्यन के बाद की विनिमय दर के अनुसार रुपयों में बदल दिया गया है ताकि अन्य आंकड़ों के साथ उनकी तुलना करने में सुविधा हो)

6.5: मुख्य

वस्तु	1960–61 (करोड़ रुपयों में)	1960–61 (दस लाख डालरों में)	1964–65 (करोड़ रुपयों में)	1964–65 (दस लाख डालरों में)
1	2	3	4	5
1. उपभोक्ता वस्तुएं	**181.4**	**380.9**	**282.1**	**592.4**
दालों से भिन्न अनाज और उनसे बनी वस्तुएं	181.4	380.9	282.1	592.4
2. मध्यवर्ती वस्तुएं	**301.5**	**633.3**	**272.4**	**571.9**
(क) रासायनिक खाद	12.1	25.4	32.8	68.9
(ख) खनिज ईंधन	69.5	146.0	68.7	144.3
(ग) औद्योगिक उत्पादन के काम आने वाली वस्तुएं	219.9	461.9	170.9	358.7
(1) कपास	81.7	171.6	58.0	121.8
(2) कच्चा जूट	7.5	15.8	7.3	15.3
(3) ऊन की पूनियां	8.2	17.2	2.1	4.4
(4) नकली रेशम का रेशा और धागा	11.1	28.3	2.7	5.7
(5) रासायनिक पदार्थ	52.7	110.7	48.1	101.0
(6) रंगने और चमड़ा कमाने की वस्तुएं	13.4	28.1	9.2	19.3
(7) औषध तथा भेषज	10.5	22.1	8.2	17.2
(8) कागज और गत्ता	12.1	25.4	13.2	27.7
(9) वैज्ञानिक उपकरण	10.9	22.9	15.3	32.1
(10) नारियल की गिरी	11.6	24.4	6.4	13.4
(11) तम्बाकू	0.2	0.4	0.4	0.8
3. पूंजीगत सामान और सम्बद्ध वस्तुयें	**532.0**	**1117.2**	**665.2**	**1396.9**
(क) लोहा और इस्पात	122.5	257.3	105.0	220.5
(ख) अलौह धातुएं	47.3	99.3	58.5	122.8

आयात

1965–66		1966–67		अप्रैल-सितम्बर 1966–67		1967–68	
(करोड़ रुपयों में)	(दस लाख डालरों में)	(करोड़ रुपयों में)	(दस लाख डालरों में)	(करोड़ रुपयों में)*	(दस लाख डालरों में)	(करोड़ रुपयों में)	(दस लाख डालरों में)
6	7	8	9	10	11	12	13
322.0	**676.5**	**572.4**	**812.6**	**338.2**	**450.8**	**273.0**	**363.9**
322.0	676.5	572.4	812.6	338.2	450.8	273.0	363.9
269.6	566.3	377.3	531.1	186.3	248.2	242.2	322.9
44.9	94.3	96.7	136.0	54.4	72.5	54.1	72.1
68.4	143.7	61.7	87.5	34.6	46.1	32.0	42.7
156.3	328.3	218.9	307.6	97.3	129.6	156.1	208.1
46.2	97.0	56.4	79.8	23.4	31.2	59.2	78.9
9.1	19.2	20.5	27.4	8.8	11.7	1.6	2.1
0.3	0.6	नगण्य	नगण्य	नगण्य	नगण्य	नगण्य	नगण्य
0.8	1.7	नगण्य	नगण्य	नगण्य	नगण्य	नगण्य	नगण्य
50.6	106.3	76.9	107.8	35.1	46.8	57.4	76.5
6.6	13.8	8.4	11.9	3.5	4.7	4.4	5.9
8.7	18.4	16.5	23.2	7.7	10.3	9.6	12.8
13.5	28.3	20.3	28.7	8.7	11.6	9.5	12.7
14.0	29.4	15.8	22.8	8.5	11.3	12.0	16.0
6.3	13.2	3.8	5.6	1.6	2.0	1.1	1.5
0.2	0.4	0.3	0.4	नगण्य	नगण्य	1.3	1.7
683.4	**1435.3**	**730.0**	**1044.7**	**375.3**	**500.3**	**379.2**	**505.5**
98.0	**205.8**	**90.6**	**129.7**	**44.9**	**59.9**	**61.2**	**81.6**
68.8	**144.4**	**82.0**	**114.4**	**27.1**	**36.1**	**55.7**	**74.2**

6.5:मुख्य

1	2	3	4	5
(ग) धातुओं से बनी वस्तुएं .	22.9	48.1	17.0	35.7
(घ) मशीनें . .	260.6	547.3	404.3	849.0
(ङ) परिवहन सम्बन्धी उपकरण	72.4	152.0	73.5	154.4
(च) धातुओं से भिन्न खनिज पदार्थों से बनी वस्तुएं . .	6.3	13.2	6.9	14.5
4. अन्य : अ-वर्गीकृत . .	124.8	262.0	129.3	271.7
5. जोड़ . . .	1139.7	2393.4	1349.0	2832.9

आयात–समाप्त

6	7	8	9	10	11	12	13
18.2	38.2	15.9	22.8	8.1	10.8	7.6	10.1
421.6	885.4	472.4	680.4	263.6	351.4	209.2	278.9
70.5	148.2	56.4	79.7	26.8	35.7	35.6	47.5
6.3	13.3	12.7	17.7	4.8	6.4	9.9	13.2
133.5	279.8	222.0	321.6	107.8	143.8	123.6	164.7
1408.5	2957.9	1901.7	2710.0	1007.6	1343.1	1018.0	1357.0

*अप्रैल और मई 1966 के आंकड़ों को, तुलना के लिए, अवमूल्यन के बाद की दर से रुपयों में बदल दिया गया है।

स्रोत :—वाणिज्यिक सूचना और अंक संकलन महानिदेशालय

6.6 : मुख्य वस्तुओं

(करोड़ रुपयों में)

वस्तु	मात्रा की इकाई	1960-61		1964-65	
		मात्रा	मूल्य	मात्रा	मल्य
1. जूट से बनी वस्तुएं .	हजार मेट्रिक टन	799	135.1 (283.8)	960	168.2 (353.3)
2. चाय . .	दस लाख किलोग्राम	199	123.6 (259.6)	212	124.6 (261.8)
3. सूती वस्त्र .	दस लाख वर्ग मीटर	628	57.5 (120.8)	524	57.6 (121.0)
4. कच्चा लोहा .	दस लाख मेट्रिक टन	3	17.0 (35.8)	11	37.4 (78.5)
5. खली . .	हजार मेट्रिक टन	433	14.3 (30.0)	975	39.8 (83.5)
6. चमड़ा और चमड़े से बनी वस्तुएं	मूल्य	..	25.0 (52.4)	..	27.4 (57.4)
7. काजू की गिरी .	दस लाख किलोग्राम	44	18.9 (39.7)	56	29.0 (61.0)
8. तम्बाकू . .	दस लाख किलोग्राम	46	14.6 (30.7)	79	24.4 (51.2)
9. इंजीनियरी का सामान	मूल्य	—	8.5 (17.8)	—	14.3 (30.1)
10. कहवा . .	दस लाख किलोग्राम	20	7.2 (15.2)	31	13.4 (28.2)
11 अबरक . .	दस लाख किलोग्राम	28	10.1 (21.3)	31	9.7 (20.4)
12. चीनी . .	हजार मेट्रिक टन	56	2.4 (5.1)	271	17.9 (37.7)
13. काली मिर्च .	दस लाख किलोग्राम	17	8.5 (17.8)	17	6.8 (14.2)
14. कच्चा मैंगनीज .	हजार मेट्रिक टन	1166	14.0 (29.5)	1552	13.1 (27.6)

का निर्यात

(करोड़ रुपयों में)

1965-66		1966-67		अप्रैल-सितम्बर 1966*		अप्रैल-सितम्बर 1967	
मात्रा	मूल्य	मात्रा	मूल्य	मात्रा	मूल्य	मात्रा	मूल्य
900	182.8 (384.0)	735	235.5 (334.8)	355	122.0 (162.7)	394	122.6 (163.5)
197	114.8 (241.2)	190	156.2 (214.7)	66	56.1 (74.8)	79	72.4 (96.6)
553	55.2 (116.0)	438	59.9 (86.3)	221	30.8 (41.0)	207	31.1 (41.5)
12	48.1 (88.4)	13	65.4 (93.6)	5	29.3 (39.0)	5	28.5 (38.1)
829	34.6 (72.7)	822	46.9 (67.4)	406	24.6 (32.8)	328	20.0 (26.7)
—	28.5 (59.8)	—	58.4 (83.0)	—	32.3 (43.0)	—	27.7 (36.9)
51	27.4 (57.5)	50	42.8 (61.3)	26	24.2 (32.2)	26	21.3 (28.4)
57	19.6 (41.1)	38	18.6 (28.9)	21	13.3 (17.7)	36	23.5 (31.3)
—	16.9 (35.5)	—	22.0 (31.3)	—	11.4 (15.2)	—	13.8 (18.4)
26	12.9 (27.2)	26	14.5 (21.4)	15	10.1 (13.4)	23	13.0 (17.3)
43	11.3 (23.7)	19	13.4 (19.1)	11	6.2 (8.3)	13	7.3 (9.8)
251	11.3 (22.0)	354	13.8 (22.0)	269	12.5 (16.6)	141	8.3 (11.1)
26	11.1 (23.3)	22	11.8 (17.0)	10	6.4 (8.5)	10	5.2 (6.9)
1245	10.8 (22.7)	1186	13.2 (19.1)	660	7.9 (10.5)	481	5.3 (7.0)

6.6: मुख्य वस्तुओं

(करोड़ रुपयों में)

वस्तु	मात्रा की इकाई	1960-61 मात्रा	1960-61 मूल्य	1964-65 मात्रा	1964-65 मूल्य
15. खालें और लम्बे रोएं की खालें	मूल्य	—	10.0 (21.0)	—	9.1 (19.0)
16. कपास . .	हजार मेट्रिक टन	33	8.7 (18.2)	47	10.6 (22.2)
17. खनिज पदार्थ, ईंधन, चिकनाने के पदार्थ आदि	मूल्य	—	7.4 (15.5)	—	12.3 (25.7)
18. लोहा और इस्पात .	मूल्य	—	5.5 (11.5)	—	4.4 (9.2)
19. रासायनिक पदार्थ और सम्बद्ध वस्तुएं	मूल्य	—	3.4 (7.2)	—	7.0 (14.6)
20. मछली और मछलियों से बनी वस्तुएं	दस लाख किलोग्राम	20	4.6 (9.7)	20	6.8 (14.2)
21. नकली रेशम का कपड़ा	दस लाख मीटर	27	3.2 (6.6)	57	6.5 (13.7)
22. जूते . .	हजार जोड़े	4901	3.1 (6.5)	7606	4.2 (8.8)
23. वनस्पति तेल (सारीय और असारीय निर्गन्ध तेल)	दस लाख किलोग्राम	63	12.6 (26.3)	45	10.3 (21.7)
जोड़ (अन्य वस्तुओं सहित)		—	660.2 (1386.4)	—	816.3 (1714.2)

टिप्पणी : कोष्ठकों में दिये गये आंकड़े दस लाख अमरीकी डालरों में हैं ।

(करोड़ रुपयों में)

1965-66		1966-67		अप्रैल–सितम्बर 1966*		अप्रैल–सितम्बर 1967	
मात्रा	मूल्य	मात्रा	मूल्य	मात्रा	मूल्य	मात्रा	मूल्य
—	9.8 (20.7)	—	15.7 (22.0)	—	8.2 (10.9)	—	5.4 (7.3)
36	9.7 (20.4)	33	11.1 (15.8)	16	6.3 (8.3)	25	8.1 (10.8)
—	9.3 (19.6)	—	11.8 (16.9)	—	6.4 (8.6)	—	4.5 (6.0)
—	8.3 (17.0)	—	23.3 (32.7)	—	7.2 (9.5)	—	23.7 (31.6)
—	8.3 (17.4)	—	10.2 (14.6)	—	5.5 (7.4)	—	4.8 (6.5)
15	6.8 (14.3)	20	16.7 (23.4)	10	8.3 (11.1)	9	8.6 (11.5)
45	4.9 (10.3)	25	2.9 (4.6)	21	2.8 (3.8)	2	0.6 (0.8)
9600	5.2 (11.0)	11500	8.4 (11.9)	4000	3.7 (4.9)	2600	3.0 (4.0)
25	6.4 (13.5)	15	6.1 (8.7)	8	3.2 (4.3)	5	2.8 (3.7)
—	805.6 (1692.5)	—	1094.9 (1557.9)	—	544.3 (725.6)	—	572.4 (763.2)

*अप्रैल और मई 1966 के आंकड़ों को, तुलना के लिए, अवमूल्यन के बाद की दर से रुपयों में बदल दिया गया है।

स्रोत : वाणिज्यिक सूचना और अंक-संकलन महानिदेशालय।

6.7: भारत का शोधन-संतुलन : चालू खाते की अदृश्य मदें—

अनुदानों तथा विदेशी ऋणों के ब्याज और सेवा सम्बन्धी अदायगियों से भिन्न (समायोजित)

	तीसरी आयोजना वार्षिक औसत		1966–67	
	करोड़ रुपयों में	दस लाख डालर में	करोड़ रुपयों में	दस लाख डालर में
1. विदेशी यात्रा				
प्राप्तियां . . .	12.5	26.3	2.2	3.0
अदायगियां . .	10.9	22.9	14.7	21.8
शुद्ध . . .	1.6	3.4	−12.5	−18.8
2. परिवहन				
प्राप्तियां . . .	52.8	110.9	81.1	115.2
अदायगियां . . .	28.8	60.4	45.6	64.5
शुद्ध . . .	24.0	50.5	35.5	50.7
3. बीमा				
प्राप्तियां . . .	8.4	17.7	11.3	16.1
अदायगियां . . .	5.4	11.4	5.3	7.5
शुद्ध . .	3.0	6.3	6.0	8.6
4. निवेश की आय				
प्राप्तियां . . .	11.2	23.6	18.3	25.8
अदायगियां . .	38.2	80.2	55.5	79.7
शुद्ध . . .	−27.0	−56.6	−37.2	−53.9
5. सरकारी, जो अन्यत्र शामिल नहीं हैं				
प्राप्तियां (1) . .	15.1	31.7	17.0	23.6
अदायगियां (2) . .	20.8	43.7	23.0	32.2
शुद्ध . . .	−5.7	−12.0	−6.0	−8.6

	तीसरी आयोजना वार्षिक औसत		1966–67	
	करोड़ रुपयों में	दस लाख डालर में	करोड़ रुपयों में	दस लाख डालर में
6. विविध				
प्राप्तियां (3) . .	32.1	67.4	47.8	65.5
अदायगियां . . .	45.8	96.1	70.9	100.2
शुद्ध . . .	−13.7	−28.7	−23.1	−34.7
7. अन्तरण अदायगियां				
(क) सरकारी				
प्राप्तियां (4) . .	0.7	1.5	0.2	0.4
अदायगियां . . .	4.3	9.0	17.2	23.0
शुद्ध . . .	−3.6	−7.5	−17.0	−22.6
(ख) गैर सरकारी				
प्राप्तियां . . .	48.3	101.5	70.7	106.3
अदायगियां . . .	15.2	31.8	20.2	29.6
शुद्ध . . .	33.2	69.7	50.5	76.7
8. जोड़				
प्राप्तियां . . .	181.1	380.3	248.6	355.5
अदायगियां . . .	169.3	355.6	252.4	358.6
शुद्ध . . .	11.8	24.7	—3.8	−3.1

(1) इसमें पी० एल० 480 के अन्तर्गत दिये जाने वाले आयात का भाड़ा शामिल नहीं किया गया है जो शुरू में भारत द्वारा दिया जाता है लेकिन बाद में संयुक्त राज्य अमेरिका के अधिकारियों द्वारा लौटा दिया जाता है। इसमें पी० एल० 480 सहायता सम्बन्धी प्राप्तियां भी शामिल नहीं की गयी हैं, जो विदेशी सहायता के अन्तर्गत सम्मिलित की गयी हैं।

(2) इसमें 1961–62, 1962–63 और 1963–64 इन तीनों वर्षों में से प्रत्येक वर्ष की 8.3–8.3 करोड़ रुपये की रकम शामिल की गयी है जो अन्तर्राष्ट्रीय

पुर्नानिर्माण और विकास बैंक को, सिन्धु नदी जल संधि की शर्तों के अधीन, सिन्धु नदी-क्षेत्र विकास निधि में भारत के अंशदान के रूप में, अदा की गयी है ।

(3) इसमें पी० एल० 665 निधि से होने वाली प्राप्तियां शामिल नहीं की गयी हैं। "विदेशी यात्रा", "अन्तरण" आदि में प्राप्तियों का विभाजन अभी अधूरा है ।

(4) इसमें सिन्धु नदी जल सन्धि की शर्तों के अनुसार, सिन्धु नदी-क्षेत्र विकास निधि में भारत के अंशदान के रूप में, अन्तर्राष्ट्रीय पुर्ननिर्माण और विकास बैंक को 1964–65 और 1965–66 में अदा की गयी 8.3 करोड़ रुपये की रकम तथा 1966–67 में अदा की गयी 13.0 करोड़ रुपये की रकम शामिल है ।

(समायोजित)

6.8: भारत का शोधन-संतुलन : सरकारी ऋणों सम्बन्धी प्राप्तियों और इन ऋणों से सम्बन्धित परिशोधन–अदायगियों से भिन्न पूंजी खाता

	तीसरी आयोजना वार्षिक औसत		1966–67	
	करोड़ रुपयों में	दस लाख डालरों में	करोड़ रुपयों में	दस लाख डालरों में
1. **गैर-सरकारी (गैर-बैंकिंग)**				
प्राप्तियां . .	31.8	66.8	21.5	30.4
अदायगियां . .	38.6	81.1	40.3	58.6
शुद्ध (नेट) . .	—6.8	−14.3	—18.8	—28.2
(क) **दीर्घकालीन**				
प्राप्तियां . .	25.7	54.0	14.6	20.9
अदायगियां . .	31.9	67.0	31.1	43.4
शुद्ध . . .	—6.2	—13.0	—16.5	—22.5
(ख) **अल्पकालीन**				
प्राप्तियां . .	6.0	12.6	6.9	9.5
अदायगियां . .	6.6	13.9	9.2	15.2
शुद्ध . . .	—0.6	—1.3	—2.3	—5.7
2. **बैंकिंग**[1]				
(भारतीय रिजर्व बैंक को छोड़कर)				
प्राप्तियां . .	43.0	90.3	80.2	108.5
अदायगियां . .	45.4	95.3	74.2	105.7
शुद्ध . . .	—2.4	—5.0	6.0	2.8

6.8: भारत का शोधन-सन्तुलन : सरकारी ऋणों सम्बन्धी प्राप्तियों और इनसे सम्बन्धित परिशोधन अदायगियों से भिन्न पूंजी खाता (समायोजित)—समाप्त

	तीसरी आयोजना वार्षिक औसत		1966-67	
	करोड़ रुपयों में	दस लाख डालरों में	करोड़ रुपयों में	दस लाख डालरों में
3. सरकारी विविध				
प्राप्तियां[2] . .	99.1	208.1	154.7	218.2
अदायगियां . .	72.8	152.9	70.5	99.7
शुद्ध . . .	26.3	55.2	84.2	118.5
4. उपर्युक्त मदों का जोड़				
प्राप्तियां . .	173.9	365.2	256.4	357.1
अदायगियां . .	156.8	329.3	185.0	264.0
शुद्ध . . .	17.1	35.9	71.4	93.1

1. यहां दिखायी गयी शुद्ध (नेट) घटबढ़ में, कूले निधि खाते की रकमों में हुए परिवर्तनों जैसे परिवर्तनों को शामिल नहीं किया गया ।

2. ऋण-परिशोधन सम्बन्धी प्राप्तियों सहित

टिप्पणी: इस सारणी में जो जानकारी दी गयी है वह सारणी 6.2 की मद संख्या 7(क), 7(ख) और 7 (ङ) का ब्योरा है

6.9 : कुल अनुमानित पूर्ति में आयात का अंश

वस्तुएं	एकक	1950–51		1955–56		1966–67	
		कुल अनुमानित पूर्ति (क)	आयात का (क) से प्रतिशत (ख)	कुल अनुमानित पूर्ति (क)	आयात का (क) से प्रतिशत (ख)	कुल अनुमानित पूर्ति (क)	आयात का (क) से प्रतिशत (ख)
1. अन्न . . .	दस लाख मेट्रिक टन	60.6	5.9	71.9	1.7	87.2	9.7
2. कपास . . .	लाख गाठें (180 किलोग्राम की)	39.9	27.8	49.6	12.3	58.1	12.0
3. कच्चा जूट . . .	तदेव	60.7	35.1	51.8	21.6	63.6	16.9
4. चीनी मिलों की मशीनें . .	लाख रुपये	100.0	100.0	419	95.2	947	0.7
5. कपड़ा बनाने की मशीनें . .	लाख रुपये	उपलब्ध नहीं	उपलब्ध नहीं	1233	67.6	3683	58.2
6. मशीनी औजार (धातु सम्बन्धी) .	लाख रुपये	295	89.8	528	84.8	5529	51.2
7. लोहा और इस्पात . .	हजार मेट्रिक टन	1391	25.2	2162	39.9	4904	9.7
8. एल्यूमिनियम . .	हजार मेट्रिक टन	14.7	72.8	23.5	68.1	105.9	31.1
9. सोडा ऐश . . .	हजार मेट्रिक टन	75	40.0	154	46.7	348.9	0.2
10. कास्टिक सोडा . .	हजार मेट्रिक टन	34	64.7	96.0	62.5	245.2	5.0
11. ब्लीचिंग पाउडर . .	हजार मेट्रिक टन	9.4	61.7	8.2	61.0	13.2	9.1
12. साईकिल . . .	हजारों में	264	62.5	661	22.4	1719	नगण्य

6.9 : कुल अनुमानित पूर्ति में आयात का अंश—समाप्त

वस्तुएं	एकक	1950–51		1955–56		1966–67	
		कुल अनुमानित पूर्ति (क)	आयात का (क) से प्रतिशत (ख)	कुल अनुमानित पूर्ति (क)	आयात का (क) से प्रतिशत (ख)	कुल अनुमानित पूर्ति (क)	आयात का (क) से प्रतिशत (ख)
13. सिलाई की मशीनें . .	हजारों में	56	41.1	125	11.2	408	1.9
14. अखबारी कागज . .	हजार मेट्रिक टन	76.3	100.0	84	95.2	137	78.4
15. कागज और गत्ता आदि . .	हजार मेट्रिक टन	151	23.2	260	26.9	600	3.3

टिप्पणियां : (1) कपास और कच्चे जूट के सम्बन्ध में कुल अनुमानित पूर्ति के आंकड़े फसली/कृषि वर्ष के हैं। जहां तक अन्न का सम्बन्ध है, उत्पादन सम्बन्धी आंकड़े कृषि वर्ष के हैं और आयात सम्बन्धी आंकड़े वित्तीय वर्ष के हैं।

(2) 1950–51 के अन्तर्गत कपास, कच्चे जूट, और अन्न के जो आंकड़े दिये गये हैं वे 1949–50, 1950–51 और 1951–52 के तीन वर्षों के औसत आंकड़े हैं। 1955–56 के अन्तर्गत दिये गये आंकड़े 1954–55, 1955–56 और 1956–57 के तीन वर्षों के औसत आंकड़े हैं। 1966–67 के अन्तर्गत दिये गये आंकड़े 1964–65, 1965–66 और 1966–67 के औसत आंकड़े हैं। उत्पादन के समायोजित अनुमानों के आंकड़े 1956–57 तक के हैं।

(3) कपड़ा बनाने की मशीनों में सूती, रेयन, रेशमी और ऊनी वस्त्र उद्योगों की मशीनें शामिल हैं।

(4) जून, 1966 से मार्च, 1967 तक की अवधि में आयातित चीनी मिलों की मशीनों, कपड़े बनाने की मशीनों, मशीनी औजारों (धातु सम्बन्धी) का मूल्य अवमूल्यन–पूर्व की दर से रुपयों में परिवर्तित किया गया है।

7.1 : विदेशी सहायता का उपयोग

(अवमूल्यन से पहले की विनिमय दरों पर करोड़ रुपयों में)

	ऋण और उधार जिनकी अदायगी विदेशी मुद्रा में की जानी है	ऋण और उधार जिनकी अदायगी रुपयों में की जानी है	अनुदान	जोड़	अमरीकी पब्लिक लॉ 480/665 के अन्तर्गत सहायता आदि	कुल जोड़
1951–52@ . .	81.21	—	4.05	85.26	—	85.26
1952–53 . .	33.62	—	12.07	45.69	—	45.69
1953–54 . .	2.45	—	17.04	19.49	—	19.49
1954–55 . .	1.59	—	9.26	10.85	—	10.85
1955–56 . .	5.26	2.29	27.76	35.31	5.07	40.38
जोड़–पहली आयोजना@ .	**124.13**	**2.29**	**70.18**	**196.60**	**5.07**	**201.67**
1956–57 . .	22.32	5.40	39.40	67.12	51.20	118.32
1957–58 . .	93.37	27.61	34.09	155.07	115.40	270.47
1958–59 . .	210.51	13.79	24.38	248.68	93.22	341.90
1959–60 . .	128.90	35.20	33.10	197.20	97.68	294.88
1960–61 . .	152.83	34.82	29.67	217.32	187.31	404.63
जोड़–दूसरी आयोजना .	**607.93**	**116.82**	**160.64**	**885.39**	**544.81**	**1430.20**

	ऋण और उधार जिनकी अदायगी विदेशी मुद्रा में की जानी है	ऋण और उधार जिनकी अदायगी रुपयों में की जानी हैं	अनुदान	जोड़	अमरीकी पब्लिक ला 480/665 के अन्तर्गत सहायता आदि	कुल जोड़
1961–62 . .	190.41	38.51	21.74	250.66	88.01	338.67
1962–63 . .	247.90	58.83	14.85	321.58	122.72	444.30
1963–64 . .	359.26	29.41	16.32	404.99	185.19	590.18
1964–65 . .	468.41	17.07	20.02	505.50	218.12	723.62
1965–66 . .	486.11	12.57	34.22	532.90	239.18	772.08
जोड़–तीसरी आयोजना .	1752.09	156.39	107.15	2015.63	853.22	2868.85
1966–67 . .	420.39	6.67	46.44	473.50	228.40	701.90
1967–68 . . (अप्रैल-सितम्बर)	241.84	1.49	25.11	268.44	93.40	361.84

@पहले के वर्षों में इस्तेमाल की गयी विदेशी सहायता इसमें शामिल है।

स्रोत के अनुसार वर्गीकृत स्वीकृत विदेशी सहायता

स्रोत		पहली आयोजना के अन्त तक	दूसरी आयोजना की अवधि में
		1	2
क. सहायता संघ के सदस्य : जोड .		303.57	2143.98
(क) विदेशी मुद्रा में परिशोध्य ऋण		147.52	668.57
(ख) रुपयों में परिशोध्य ऋण . .		14.63	230.16
(ग) अनुदान . . .		124.50	114.53
(घ) वस्तु सहायता . . .		16.92	1130.73
(i) अन्तर्राष्ट्रीय पुनर्निर्माण और विकास बैंक . . .	ऋण	57.21	260.79
(ii) अन्तर्राष्ट्रीय विकास संघ	ऋण	..	..
(iii) आस्ट्रिया . .	ऋण	..	..
(iv) बेल्जियम . .	ऋण	..	..
(v) कनाडा . . .	ऋण	..	15.71
	अनुदान	32.34	57.10
	जोड़	32.34	72.81
(vi) फ्रांस . . .	ऋण	..	..
(vii) पश्चिम जर्मनी . .	ऋण	..	134.07
	अनुदान	..	2.09
	जोड़	..	136.16
(viii) इटली . .	ऋण	..	..
(ix) जापान . . .	ऋण	..	26.81
	अनुदान	..	0.35
	जोड़	..	27.16
(x) नीदरलैंड . .	ऋण	..	..
(xi) ब्रिटेन . . .	ऋण	..	122.66
	अनुदान	0.39	0.42
	जोड़	0.39	123.08

वर्गीकृत स्वीकृत विदेशी सहायता

(अवमूल्यन से पहले की विनिमय दरों पर करोड़ रुपयों में)

तीसरी आयोजना की अवधि में					जोड़		
1961–62	1962–63	1963–64	1964–65	1965–66		1966–67	1967–68 (अप्रैल-सितम्बर)
3	4	5	6	7	8	9	10
411.14	**631.70**	**467.62**	**583.74**	**625.27**	**2719.83**	**768.06**	**251.02**
342.94	675.45	452.15	338.32	401.73	2110.59	464.41	148.80
48.56	..	..	..	..	48.56	15.71	..
19.64	12.92	10.66	20.22	46.35	109.69	39.41	0.96
..	43.33	4.91	225.20	177.19	450.63	249.30	101.26
66.33	..	14.29	..	63.81	144.43	14.28	10.86
50.17	82.37	9.52	88.09	47.62	277.77	145.71	..
..	2.38	1.83	1.90	2.38	8.49	2.24	..
..	4.76	4.76	..	1.90	11.42	..	0.57
..	..	7.35	23.62	..	30.97	26.22	10.79
12.13	8.73	8.34	15.95	41.16	86.31	36.62	..
12.13	8.73	15.69	39.57	41.16	117.28	62.84	10.79
14.29	14.28	9.52	9.52	9.52	57.13	8.10	..
59.52	66.07	94.99	45.22	42.29	308.09	28.57	..
..	0.27	0.09	0.11	..	0.47	..	..
59.52	66.34	95.08	45.33	42.29	308.56	28.57	..
21.43	3.81	21.43	17.14	17.14	80.95	16.19	..
38.09	4.76	38.09	28.57	28.57	138.08	21.43	24.76
..	..	0.05	0.05	0.03	0.13	..	..
38.09	4.76	38.14	28.62	28.60	138.21	21.43	24.76
..	..	13.15	2.63	6.12	21.90	4.28	3.68
60.00	66.66	40.00	39.98	35.33	241.97	47.33	25.33
0.05	0.05	0.54	..	0.35	0.99	..	..
60.05	66.71	40.54	39.98	35.68	242.96	47.33	25.33

1	2	3	4	5
	(xii) संयुक्त राज्य अमेरिका .	(i) **ऋणों** का परिशोधन :		
		(क) विदेशी मुद्रा में	90.31	108.53
		(ख) रुपयों में	14.63	230.15
		(ii) अनुदान	91.77	54.57
		(iii) वस्तु–सहायता	16.92	1130.73
		(iv) जोड़	213.63	1523.98
2.	**सोवियत समाजवादी जनतंत्र संघ और पूर्वी यूरोपीय देश** : . . .	**जोड़**	**64.74**	**376.67**
		ऋण	**64.74**	**375.52**
		अनुदान	..	**1.15**
	(i) बलगारिया . . .	ऋण	..	..
	(ii) चेकोस्लोवाकिया . .	ऋण	..	23.10
		अनुदान	..	..
		जोड़	..	23.10
	(iii) हंगरी . . .	ऋण	..	..
	(iv) पोलैंड . . .	ऋण	..	14.30
	(v) सोवियत समाजवादी जनतंत्र संघ	ऋण	64.74	319.07
		अनुदान	..	1.15
		जोड़	64.74	320.22
	(vi) यूगोस्लाविया . .	ऋण	..	19.05
		जोड़	**13.46**	**16.33**
3.	**अन्य**			
		(i) **ऋणों का परिशोधन**		
		(क) **विदेशी मुद्रा में**	..	**6.54**
		(ख) **रुपयों में**	..	..
		(ii) **अनुदान**	**13.46**	**9.97**
	( ) आस्ट्रेलिया . .	अनुदान	11.08	2.20

वर्गीकृत स्वीकृत विदेशी सहायता—जारी

6	7	8	9	10	11	12	13
33.11	330.36	197.22	81.65	147.05	789.39	150.06	72.81
48.56	..	..	..	..	48.56	15.71	..
7.46	3.87	1.54	4.11	4.81	21.79	2.79	0.96
..	43.33	4.91	225.20	177.19	450.63	249.30	101.26
89.13	377.56	203.67	310.96	329.05	1310.37	417.86	175.03
..	15.90	2.00	151.98	4.21	174.09	218.02	7.14
..	15.50	..	151.00	3.38	169.88	218.02	7.14
..	7.40	2.00	0.98	0.83	4.21	..	..
..	..	..	..	..	..	..	7.14
..	..	..	40.00	..	40.00	..	..
..	0.40	..	..	..	0.40	..	..
..	0.40	..	40.00	..	40.40	..	..
..	..	..	..	..	..	15.87	..
..	15.50	..	10.50	1.00	27.00	..	..
..	..	..	100.50	..	100.50	164.05	..
..	..	2.00	0.98	0.83	3.81	..	..
..	..	2.00	101.48	0.83	104.31	164.05	..
..	..	..	..	2.38	2.38	38.10	..
2.83	6.87	7.43	8.05	19.75	44.93	4.28	..
..	5.45	3.27	3.59	7.62	19.93	4.28	..
..	..	1.03	..	..	1.03	..	..
2.83	1.42	3.13	4.46	12.13	23.97	..	..
0.52	0.74	..	0.70	10.43	12.39	..	..

7.2 : स्रोत के अनुसार

1	2	3	4	5
(ii)	डेनमार्क . . .	ऋणों का परिशोधन		
		(क) विदेशी मुद्रा में	..	..
		(ख) रुपयों में	..	..
		जोड़ :	..	..
(iii)	न्यूज़ीलैंड . . .	अनुदान	1.72	1.72
(iv)	नार्वे . . .	अनुदान	0.66	1.87
(v)	स्वीडन . . .	ऋण	..	..
		अनुदान	..	..
		जोड़	..	..
(vi)	स्विटजर लैंड . .	ऋण	..	6.54
(vii)	संयुक्त राष्ट्र संघीय विशेष निधि	अनुदान	..	4.01
	कुल जोड़ .		381.77	2536.98
		(i) ऋणों का परिशोधन :		
		(क) विदेशी मुद्रा में	212.26	1050.63
		(ख) **रुपयों में**	14.63	230.15
		(ii) अनुदान	137.96	125.47
		(iii) वस्तु-सहायता	16.92	1130.73

वर्गीकृत स्वीकृत विदेशी सहायता—समाप्त

6	7	8	9	10	11	12	13
..	..	..	1.38	..	1.38	2.07	..
..	..	1.03	..	..	1.03	..	..
..	..	1.03	1.38	..	2.41	2.07	..
0.02	..	0.18	0.51	0.14	0.85	..	..
0.99	0.33	0.33	0.33	0.62	2.60	..	..
..	..	..	2.21	..	2.21	2.21	..
0.70	..	0.97	1.98	..	3.65	..	..
0.70	..	0.97	4.19	..	5.86	2.21	..
..	5.45	3.27	..	7.62	16.34	..	..
0.60	0.35	1.65	0.94	0.94	4.48	..	..
413.97	654.47	477.05	743.77	649.23	2938.49	991.13	258.16
342.94	596.40	455.42	492.91	412.73	2300.40	686.71	155.94
48.56	..	1.03	..	..	49.59	15.71	..
22.47	14.74	15.69	25.66	59.31	137.87	39.41	0.96
..	43.30	4.91	225.20	177.19	450.63	249.30	101.26

7.3 : स्रोत और वित्तीय शर्तों के अनुसार वर्गीकृत विदेशी सहायता का उपयोग

(अवमूल्यन के बाद की विनिमय दर के अनुसार करोड़ रुपयों में)

स्रोत		पहली आयोजना की समाप्ति पर	दूसरी आयोजना की अवधि में	तीसरी आयोजना की अवधि में					जोड़	1966-67	1967-68 अप्रैल–सितम्बर
				1961-62	1962-63	1963-64	1964-65	1965-66			
1		2	3	4	5	6	7	8	9	10	11
I. भारत सहायता संघ के सदस्य :	**जोड़**	**195.48**	**1341.99**	**312.00**	**410.47**	**534.72**	**640.00**	**705.26**	**2602.45**	**658.89**	**340.25**
(क) विदेशी मुद्रा में चुकाये जाने वाले ऋण		**124.13**	**533.08**	**165.81**	**214.67**	**307.30**	**388.44**	**428.94**	**1505.16**	**377.78**	**233.67**
(ख) रुपयों में चुकाये जाने वाले ऋण .		**2.29**	**116.82**	**38.51**	**58.83**	**29.41**	**16.66**	**12.38**	**155.79**	**6.27**	**1.49**
(ग) अनुदान .		**33.99**	**147.28**	**19.67**	**14.25**	**12.82**	**16.78**	**24.76**	**88.28**	**46.44**	**21.69**
(घ) वस्तु-सहायता		**5.07**	**544.81**	**88.01**	**122.72**	**185.19**	**218.12**	**239.18**	**853.22**	**228.40**	**93.40**
1. अन्तर्राष्ट्रीय पुनर्निर्माण और विकास बैंक . .	ऋण	33.82	222.80	35.91	33.59	14.94	17.59	21.34	123.37	16.38	7.29
2. अन्तर्राष्ट्रीय विकास संघ . .	ऋण	..	..	1.23	9.04	42.00	58.40	89.89	200.56	85.52	55.57
3. आस्ट्रिया .	ऋण	..	..	..	..	1.20	1.36	2.14	4.70	2.37	0.86

4. बेल्जियम .	ऋण	..	..	..	..	..	1.17	3.72	4.89	..	..
5. कनाडा .	ऋण	..	15.71	..	..	0.08	6.54	4.92	11.54	7.52	3.96
	अनुदान	19.70	60.30	9.46	5.56	9.11	11.64	18.59	54.36	43.36	21.34
	जोड़	19.70	76.01	9.46	5.56	9.19	18.18	23.51	65.90	50.88	25.30
6. फ्रांस .	ऋण	..	..	..	..	..	13.00	7.95	20.95	1.28	9.52
7. पश्चिम जर्मनी	ऋण	..	119.87	66.01	27.06	28.49	51.97	46.21	219.74	40.41	11.50
	अनुदान	..	0.61	0.10	0.33	0.62	0.60	0.26	1.91	..	..
	जोड़	..	120.48	66.11	27.39	29.11	52.57	46.47	221.65	40.41	11.50
8. इटली .	ऋण	..	..	..	0.18	2.22	6.68	2.57	11.65	0.10	..
9. जापान .	ऋण	..	16.01	7.23	7.68	17.90	24.56	30.85	88.22	19.16	14.87
	अनुदान	..	0.35	..	..	0.05	0.05	0.03	0.13	..	..
	जोड़	..	16.36	7.23	7.68	17.95	24.61	30.88	88.35	19.16	14.87
10. नीदरलैंड .	ऋण	..	..	..	..	..	2.78	6.73	9.51	4.18	6.83
11. ब्रिटेन .	ऋण	..	121.85	22.98	29.76	34.74	39.96	43.08	170.52	57.47	28.31
	अनुदान	0.03	0.43	0.10	..	0.10	0.19	0.41	0.80	0.04	..
	जोड़	0.03	122.28	23.08	29.76	34.84	40.15	43.49	171.32	57.51	28.31
12. संयुक्त राज्य अमेरिका	(1) ऋणों का परिशोधन (क) विदेशी मुद्रा में	90.31	36.84	32.45	107.36	165.73	164.43	169.54	639.51	143.39	84.96

7.3 : स्रोत और वित्तीय वर्षों के अनुसार वर्गीकृत विदेशी सहायता का उपयोग—जारी

1		2	3	4	5	6	7	8	9	10	11
	(ख) रुपयों में	2.29	116.82	38.51	58.83	29.41	16.66	12.38	155.79	6.27	1.49
	(ii) अनुदान	44.26	85.59	10.01	8.36	2.94	4.30	5.47	31.08	3.04	0.35
	(iii) वस्तु-सहायता	5.07	544.81	88.01	122.72	185.19	218.12	239.18	853.22	228.40	93.40
	(iv) जोड़	141.93	784.06	168.98	297.27	383.27	403.51	426.57	1679.60	381.10	180.20
II. सोवियत समाजवादी जनतंत्र संघ और पूर्वी यूरोप के देश	**जोड**	..	76.00	24.60	33.00	52.52	80.94	54.04	245.10	35.45	15.33
	ऋण	..	74.85	24.60	33.00	50.35	79.84	53.10	240.89	35.45	15.33
	अनुदान	..	1.15	..	..	2.17	1.10	0.94	4.21	..	..
1. बल्गारिया	ऋण	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..
2. चेकोस्लोवाकिया	ऋण	..	..	..	..	0.79	5.19	6.63	12.61	8.32	2.09
	अनुदान	..	..	..	..	0.17	0.12	0.11	0.40	..	..
	जोड़	..	..	..	..	0.96	5.31	6.74	13.01	8.32	2.09
3. हंगरी	ऋण	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..
4. पोलैंड	ऋण	..	..	0.03	0.57	1.87	7.34	1.53	11.34	0.62	0.72
5. सोवियत समाजवादी जनतंत्र संघ	ऋण	..	74.85	24.57	32.43	47.29	64.97	37.97	207.23	22.97	12.04
	अनुदान	..	1.15	..	..	2.00	0.98	0.83	3.81	..	..
	जोड़	..	76.00	24.60	33.00	49.29	65.95	38.80	211.04	22.97	12.04

6. यूगोस्लाविया	ऋण	..	..	..	..	0.40	2.34	6.97	9.71	3.54	0.48
III. अन्य	**जोड़**	**6.19**	**12.21**	**2.07**	**0.83**	**2.94**	**2.68**	**12.78**	**21.30**	**7.75**	**6.26**
	(i) ऋणों का परिशोधन :										
	(क) विदेशी मुद्रा में	..	..	..	0.23	1.61	0.13	4.07	6.04	.17	2.84
	(ख) रुपयों में	..	..	..	..	..	0.41	0.19	0.60	0.40	..
	(ii) अनुदान	6.19	12.21	2.07	0.60	1.33	2.14	8.52	14.66	..	3.42
1. आस्ट्रेलिया	अनुदान	5.20	7.44	0.73	0.19	0.28	0.54	5.29	7.03	..	3.42
2. डेन्मार्क	(i) ऋणों का परिशोधन :										
	(क) विदेशी मुद्रा में	..	..	..	..	..	..	..	..	1.41	1.30
	(ख) रुपयों में	..	..	..	..	..	0.41	0.19	0.60	0.40	..
	जोड़	..	..	..	..	..	0.41	0.19	0.60	1.81	1.30
3. न्यूजीलैंड	अनुदान	0.33	2.90	0.19	0.01	0.01	0.12	0.29	0.62	..	..
4. नार्वे	अनुदान	0.66	1.87	0.45	0.40	0.32	0.35	1.08	2.60	..	..
5. स्वीडन	ऋण	..	..	..	..	..	..	..	..	0.92	0.60
	अनुदान	..	..	0.70	..	0.72	1.13	0.03	2.58	..	..
	जोड़	..	..	0.70	..	0.72	1.13	0.03	2.58	0.92	0.60
6. स्विट्जरलैंड	ऋण	..	..	..	0.23	1.61	0.13	4.07	6.04	4.84	0.94
7. संयुक्त राष्ट्र संघीय विशेष निधि	अनुदान	..	..	..	..	..	..	1.83	1.83	..	..
कुल जोड़		201.67	1430.20	338.67	444.30	590.18	723.62	772.08	2868.85	701.90	361.84

7.3 : स्रोत और वित्तीय शर्तों के अनुसार वर्गीकृत विदेशी सहायता का उपयोग—समाप्त

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11
(i) **ऋणों का परिशोधन :**										
(क) **विदेशी मुद्रा में**	124.13	607.93	190.41	247.90	359.26	468.41	486.11	1752.09	420.39	241.84
(ख) **रुपयों में**	2.29	116.82	38.51	58.83	29.41	17.07	12.57	156.39	6.67	1.49
(ii) **अनुदान**	70.18	160.64	21.74	14.85	16.32	20.02	34.22	107.15	46.44	25.11
(iii) **वस्तु-सहायता**	5.07	544.81	88.01	122.72	185.19	218.12	239.18	853.22	228.40	93.40

7.4 : भारत सहायता संघ से प्राप्त सहायता का उपयोग

(दस लाख डालरों में)

	1961–62 और 1962–63	1963–64	1964–65	1965–66	1966–67	1967–68 (अप्रैल से सितम्बर तक)	जोड़
अन्तर्राष्ट्रीय पुनर्निर्माण और विकास बैंक	52.5	22.1	18.1	39.2	33.3	15.7	180.9
अन्तर्राष्ट्रीय विकास संघ	21.0	88.2	123.5	188.8	149.0	30.9	601.4
आस्ट्रिया .	—	2.5	2.8	4.5	4.6	1.3	15.7
बेल्जियम .	—	—	2.5	7.8	2.7	—	10.3
कनाडा . .	6.5	14.5	34.0	25.9	13.0	0.8	94.7
फ्रांस . .	—	—	27.3	16.5	2.7	19.0	65.5
पश्चिम जर्मनी .	171.2	54.7	108.2	95.6	84.9	18.4	533.0
इटली . .	0.4	4.7	14.0	5.4	0.2	—	24.7
जापान . .	12.5	37.7	51.4	64.7	40.2	11.7	218.2
नीदरलैंड .	—	—	5.8	14.1	8.8	13.3	42.0
ब्रिटेन . .	109.1	72.3	84.3	90.3	55.8	23.8	435.6
संयुक्त राज्य अमेरिका	198.4	337.2	341.5	368.9	240.0	107.7	1593.7
जोड़ .	571.6	633.98	13.4	921.7	632.5	242.6	3815.7

टिप्पणी : यह सारणी उस सहायता के उपयोग के बारे में है, जो भारत सहायता संघ के वचनों के अन्तर्गत तीसरी आयोजना के लिए प्राप्त हुई थी ।

7.5: 1967-68 के लिये भारत सहायता संघ की गैर-प्रायोजना सहायता के आधार पर किये गये करार

(दस लाख डालरों में)

देश/संस्था	करार की तारीख	करार की रकम	जोड़
1	2	3	4
1. आस्ट्रिया			
I छठा आस्ट्रिया ऋण .	15–12–67	3.0	
II अन्न सहायता . .	15–12–67	1.0	
III संभरक ऋण . .	..	1.0	5.0
2. कनाडा . . .			
I. रासायनिक खाद ऋण .	29–7–67	9.3	
II. औद्योगिक वस्तुओं संबंधी ऋण	27–10–67	9.3	
III विकास ऋण	8–2–68	19.6	
3. जापान . . .			38.2
I. 2.52 अरब येन ऋण . (अन्न सहायता)	14-7-67	7.0	----
II. सातवां येन ऋण .	5-9-67	38.8	
III. 2.14 अरब येन ऋण . ऋण-परिशोधन के कार्यक्रम को पुर्नानिर्धारित करने का करार . .	29–8–67	6.0	
IV जहाजरानी निगम के लिए ऋण परिशोधन के कार्यक्रम को पुर्नानिर्धारित करने का करार .	12–10–67	0.1	51.9
4. पश्चिम जर्मनी . .			
I. 1967-68 के लिए सरकारी ऋण . .	4-10-67	62.50	62.50
5. नीदरलैंड . . .			
I सामान्य प्रयोजन ऋण .	..	7.2	..
II वित्तीय ऋण . .	..	3.8	
			11.0

1	2	3	4
6. ब्रिटेन . . .			
I. ब्रिटेन का गैर-प्रायोजना ऋण (किपिंग ऋण 5)	19-6-67	19.6	
II. ब्रिटेन-भारत ऋण, 1967 .	21-7-67	33.6	
III. ब्रिटेन-भारत सामान्य प्रयोजन ऋण . .	16-12-67	28.8	82.0
7. संयुक्त राज्य अमेरिका .			
I. सहायता ऋण संख्या 386-एच-176 (वस्तु कार्य-क्रम सहायता) .	20-10-67	50.0	50.0
8. बेल्जियम . . .			
I. सामान्य ऋण . .	22-12-67	2.5	2.5
जोड़ . .			303.1

टिप्पणी : इस सारणी में वह सहायता शामिल नहीं है, जिसके लिए वचन 1966-67 में दिये गये थे, लेकिन जिसके सम्बन्ध में करार 1967–68 में किये गये थे ।

7.6 : 1967–68 में प्रायाजना-सहायता के सम्बन्ध में भारत सहायता संघ के देशों/संस्थाओं के साथ किये गये करार ।

(दस लाख डालरों में)

देश/संस्था	करार की तारीख	ऋण की रकम	जोड़
1. कनाडा			
प्रायोजना ऋण			
I. भारतीय भू-गर्भ सर्वेक्षण विभाग .	28–7–1967	8.3	
II. इंडियन एल्यूमिनियम कम्पनी . .	11–8–1967	5.1	
III इडिक्की विद्युत् प्रायोजना . .	27–10–67	18.0	
			31.4
2. संयुक्त राज्य अमेरिका :			
I भारत में उच्च शिक्षा के लिए सहायता ऋण संख्या 386-एच०-164 .	2–6–67	12.0	
II हिन्दुस्तान एल्यूमिनियम लिमिटेड को निर्यात-आयात बैंक का ऋण संख्या 2412.	8–9–67	2.0	
			14.0
3. अन्तर्राष्ट्रीय पुनर्निर्माण और विकास बैंक: .			
I. भारतीय औद्योगिक ऋण और निवेश निगम–VII . . .	19–9–1967	25.0	25.0
4. जोड़			70.4

7.7 : 1967–68 में सोवियत समाजवादी जनतंत्र संघ और पूर्वी यूरोप के देशों के साथ किये गये सहायता करार

(दस लाख डालरों में)

देश/संस्था	करार की तारीख	ऋण की रकम	जोड़
बलगारिया . . .	25–5–1967	15.0	15.0

GMGIPND—RS II—238—M. of Fin.—20-2-68—2000